तक अध्यक्ष रहे तथा भारत चेम्बर आफ कामर्स के सदस्य हैं ।



सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा कार्य में आप की गहरी रुचि है । आप प्रकृति निकेतन ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा बालिका शिक्षा सदन की कार्यकारिणी के सदस्य हैं । आप कलकत्ता यौगिक संघ तथा बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के सभापति रह चुके हैं । मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, बड़ाबाजार युवक सभा, बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र (ऋषिकेश) आदि विभिन्न संस्थाओं के आप सक्रिय सदस्य हैं ।

आप मिलनसार तथा कर्मठ समाजसेवी हैं । •

नथमल भुवालका

आप का जन्म १९१५ ई० में हुआ । आप बिसेसर लाल भुवालका के पुत्र हैं । १२ वर्ष की किशोरावस्था से ही आप व्यवसाय में लग गए । सूत, वस्त्र, कोयला खान, चाय आदि विभिन्न उद्योगों से आप सम्बद्ध रहे । भारत चेम्बर, टी एसोसियेशन तथा इण्डियन माइनिंग फेडरेशन के आप सक्रिय सदस्य हैं ।

आप अध्यात्म-प्रेमी, मितभाषी तथा विनोदी स्वभाव के हैं । जातीय उत्थान तथा लोक-कल्याण में आप की प्रवृत्ति है । अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, अग्रसेन स्मृति भवन, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी तथा भारतीय संस्कृति संसद के आप वरिष्ठ सक्रिय सदस्य हैं । 'ज्ञान भारती' विद्यालय के आप सभापति रह चुके हैं और वर्त्तमान में ट्रस्टी हैं । अपने पिता की स्मृति में आप ने एक ट्रस्ट भी स्थापित किया है ।

आप उत्साही तथा लोकप्रिय समाजसेवी हैं । •

रामअवतार सिंह

आप का जन्म चैत्र रामनवमी सम्वत् १९७८ को कलकत्ता में हुआ । सरदार गुरुदेव सिंह आप के पिता थे । मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप ने पत्रकार के रूप में जीवन का प्रारम्भ किया ।



तरुणावस्था से ही आप फूलकटरा स्थित हिन्दी नाट्य परिषद में अभिनय करने लगे । परिषद के नाटक स्वाधीनता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय जागरण के संवाहक थे । १९३९ ई० में रामगढ़ कांग्रेस अधिवेशन में आप ने भाग लिया । १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आंदोलन के दौरान आप गुप्त रूप से राधाकृष्ण नेवटिया एवं जमुना प्रसाद पाण्डेय से लेकर 'करो या मरो' पत्रक बांटते थे । १९४६ ई० में सुहरावर्दी के मुस्लिम लीगी मन्त्रिमण्डल के इशारे पर जब यहाँ बर्बर साम्प्रदायिक दंगे भड़के, तब आप ने सौहार्द तथा शान्ति

स्थापनार्थ कार्य किया। स्वाधीनता के बाद जब संयुक्त समाजवादी दल का गठन हुआ, तब आप उसकी बड़ाबाजार शाखा के मन्त्री बने। कालान्तर में आचार्य विनोबा के सर्वोदय आंदोलन के दौरान आप को बड़ाबाजार क्षेत्र की सर्वोदय समिति का सभापति मनोनीत किया गया।

संगीत के क्षेत्र में भी आप की प्रारम्भ से अनुरक्ति रही। सुविख्यात समाजसेवी दामोदर दास खन्ना (लाला बाबू) जब शीत ऋतु में अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का आयोजन करवाते थे, तब आप भी उसमें सोत्साह भाग लेते थे।

सम्प्रति आप दैनिक 'विश्वमित्र' के सम्वाददाता हैं। अपनी निर्भीक तथा सटीक पत्रकारिता के लिए आप बहुत लोकप्रियता अर्जित कर चुके हैं। •

शुभकरण राजगढ़िया

आपका जन्म १६ दिसम्बर १९२१ ई० को कलकत्ता में हुआ। इन्द्रचन्द्र राजगढ़िया के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने आइ. ए. तक शिक्षा प्राप्त की। आप



अभ्रक उद्योग के अग्रगण्य उत्पादक तथा निर्यातक हैं। भारत चेम्बर आफ कामर्स, कलकत्ता चेम्बर आफ कामर्स तथा फेडरेशन आफ इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स के आप वरिष्ठ सदस्य हैं।

सार्वजनिक कार्यों में आप की गहरी अनुरक्ति है। आप अग्रसेन स्मृति भवन ट्रस्ट, व्रज गोसेवा ट्रस्ट, वृन्दावन हर्षानन्द गोचर भूमि ट्रस्ट तथा वृन्दावन गोसेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी-सभापति हैं। सनातन-धर्म अग्रवाल सभा, विश्व शान्ति हरिकीर्त्तन संघ, श्रीकृष्ण लीला संस्थान तथा मानव कल्याण आश्रम (हरिद्वार) के आप सभापति हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी तथा बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र (ऋषिकेश) के आप उपाध्यक्ष रह चुके हैं। हिन्दी हाईस्कूल की कार्यकारिणी समिति के आप सदस्य हैं।

आप बहुमुखी प्रतिभा-सम्पन्न लब्धप्रतिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

हरिगोपाल आचार्य

आप का जन्म ९ अक्टूबर १९२२ ई० को बीकानेर (राजस्थान) में हुआ। गोपाल आचार्य के आप पुत्र हैं। आप ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. तथा बीकानेर विश्वविद्यालय से एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त कीं। १९७२ ई० में न्यूयार्क में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय विधिवेत्ता सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में आप भाग ले चुके हैं।



१९५२ ई० से कलकत्ता ही आप का कार्यक्षेत्र है। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन मन्त्री तथा पुष्टिकर

सेवा समिति के प्रचार मन्त्री रह चुके हैं। १९६६ ई० में लायंस क्लब आफ खिदिरपुर के आप अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

पत्रकारिता जगत से भी आप सम्बद्ध रह चुके हैं। दैनिक राष्ट्रदूत (जयपुर), पुष्करण सन्देश तथा विभिन्न साप्ताहिक-पत्रों से आप सम्बद्ध रहे। अग्रगण्य समाज-सेवियों तथा कलाकारों के अभिनन्दन में आप ने सक्रिय योगदान किया।

आप उत्साही व कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। ●

कुसुम जैन

आप का जन्म १९२५ ई० में हुआ। आप सहृदय, मृदुभाषी तथा धर्मपरायण महिला कार्यकत्री हैं। श्री दिगम्बर जैन



महिला परिषद की आप अध्यक्षा रह चुकी हैं। धार्मिक उत्सवों तथा समाज सुधार आन्दोलनों में आप सदा अग्रणी रहती हैं। ●

चण्डी प्रसाद शर्मा

आप का जन्म २ नवम्बर १९२८ ई० को मुकुन्दगढ़ (राजस्थान) में हुआ। पिता मुरलीधर शर्मा के साथ आप कलकत्ता आये एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। सम्प्रति आप बिड़ला ब्रदर्स की केशोराम इण्डस्ट्रीज में कार्यरत हैं।

प्रकृति से आप उदारमना, आस्थावान तथा व्यवहारकुशल व्यक्ति हैं। महानगर की विभिन्न धार्मिक एवं सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से आप समाज सेवा में संलग्न हैं। आप श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल ट्रस्ट के ट्रस्टी, अमर बालिका विद्यालय के अध्यक्ष, अमर भारती हाईस्कूल के मन्त्री, श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल (बड़तल्ला) के संयुक्त मन्त्री तथा मुकुन्दगढ़ पिंजरापोल समिति के कोषाध्यक्ष हैं। राजस्थान ब्राह्मण संघ तथा आड़ी बांसतल्ला मोहल्ला कमेटी के आप मन्त्री भी रह चुके हैं। ●

परमेश्वर लाल केड़िया

आप का जन्म १९२८ ई० में मलसीसर (झुंझनूं) में हुआ। राधाकृष्ण केड़िया के आप पुत्र हैं। आप ने काशी विश्वविद्यालय से स्नातक तथा कलकत्ता विश्वविद्यालय से कानून की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात् एम. जी. पोद्दार एण्ड कम्पनी में प्रशिक्षण प्राप्त कर आप ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की एटर्नीशिप की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। सम्प्रति आप ख्याति-प्राप्त विधिवेत्ता हैं।



शैक्षणिक जगत में आप की प्रारम्भ से ही विशेष रुचि रही है। वर्त्तमान में आप बड़ाबाजार लाइब्रेरी तथा टाँटिया हाईस्कूल के मन्त्री हैं। विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय तथा सावित्री पाठशाला से भी आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। विभिन्न धार्मिक संस्थाओं, यथा– मानव कल्याण आश्रम, मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला (हरिद्वार) आदि से आप सक्रिय

रूप में सम्बद्ध हैं। बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र (हरिद्वार) के आप मन्त्री रह चुके हैं। तीर्थ-यात्रा में आप की विशेष प्रवृत्ति है।

आप उत्साही तथा मिलनसार सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

बलदेव प्रसाद गनेड़ीवाला

आप का जन्म १५ जनवरी १९२८ ई० को लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में हुआ। आप श्रीलप्ल गनेड़ीवाल के पुत्र हैं। सम्प्रति आप काच उद्योग में संलग्न हैं।



तरुणावस्था से राष्ट्रीय कार्यों में आप की प्रवृत्ति रही। १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में सक्रिय भाग लेकर आप गिरफ्तार हुए।

आप साहसी, धार्मिक तथा सेवाभावी कार्यकर्त्ता हैं। स्वधर्म तथा प्राचीन संस्कृति के पुनरुद्धार के लिए आप कटिबद्ध हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप कर्मठ कार्य-कर्त्ता हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के आप सहायक प्रधान मन्त्री भी हैं। गोरक्षा आन्दोलन समिति की कलकत्ता शाखा के सहमन्त्री के रूप में आप ने दिल्ली अभियान में सक्रिय भाग लिया।

अपनी संगठन प्रतिभा तथा निर्भीकता के लिए आप साथी कार्यकर्त्ताओं में अत्यन्त लोकप्रिय हैं। •

राम प्रसाद सराफ

आप का जन्म २६ जनवरी १९३१ ई० को कलकत्ता में हुआ। आप के पिता मोहन लाल सराफ थे। साधारण शिक्षा प्राप्त कर तरुणावस्था से ही आप पैतृक वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हो गए।

प्रारम्भ से ही आप की रुचि धार्मिक कार्यों में अधिक थी। आप श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर के मन्त्री रह चुके हैं तथा अनेक वर्ष से अग्रसेन स्मृति भवन के मन्त्री हैं।

अपने पूर्वजों की जन्मस्थली राजस्थान की सार्वजनिक संस्थाओं में भी आप का प्रगाढ़ अनुराग है। लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल तथा रघुनाथ विद्यालय के विभिन्न पदों पर रह कर आप ने उनकी उन्नति के लिए विशेष प्रयत्न किया।

अपने धर्मानुराग एवं कर्मठता से आप साथी कार्यकर्त्ताओं में विशेष लोकप्रिय हैं। •

रामनाथ शर्मा

आप का जन्म १९३२ ई० में अलवर (राजस्थान) में हुआ। श्रीराम शर्मा के



आप पुत्र हैं। कलकत्ता से ही मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप इंजीनियरिंग उद्योग से सम्बद्ध हो गए। आप इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के संस्थापक, बकेट मैन्यु-फेक्चरिंग एसोसियेशन के अध्यक्ष, री-रोलर्स

एसोसियेशन के कोषाध्यक्ष तथा इंजीनियरिंग एसोसियेशन आफ इण्डिया के सदस्य रह चुके हैं।

आप बड़े मिलनसार तथा सुलझे हुए विचारों के व्यक्ति हैं। साम्प्रदायिक दंगों के दौरान आप हिन्दू एवं मुसलमान दोनों ही सम्प्रदायों के प्रबुद्ध कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से सौहार्द स्थापित कराने में प्रयत्नशील रहे हैं। महानगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। हिन्दुस्तान सेवा संघ (हावड़ा) तथा राजस्थान राष्ट्रीय विद्यापीठ के संस्थापकों में आप भी हैं। आप राजस्थान ब्राह्मण सभा तथा काशी विश्वनाथ सेवा समिति के अध्यक्ष, हनुमान परिषद के उपाध्यक्ष, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के मन्त्री तथा दैनिक 'सन्मार्ग' के निदेशक रह चुके हैं।

अपनी गौरवपूर्ण समाजसेवा के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आप १९६४ ई० में 'जस्टिस आफ पीस' (जे.पी.) की उपाधि से अलंकृत किये गए हैं। •

रामगोपाल गोयनका

आप का जन्म ६ नवम्बर १९३३ ई० को कलकत्ता में हुआ। मटरूमल गोयनका के आप पुत्र हैं। आप ने कलकत्ता विश्व-विद्यालय से बी. कॉम., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त की। वर्त्तमान में आप लौह तथा जूट उद्योग से संलग्न हैं।

कलकत्ता किरायदार संघ तथा मोहल्ला कमेटी में सक्रिय भूमिका के साथ आप के सामाजिक जीवन का प्रारम्भ हुआ। बड़ाबाजार विजिलेंस कमेटी के आप संयुक्त नायक रहे। आप बजरंग परिषद तथा कुम्हार टोली सेवा समिति के अध्यक्ष, बड़ाबाजार युवक सभा के उपाध्यक्ष, काशी विश्वनाथ सेवा समिति के प्रधान सचिव, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सहायक सचिव तथा चिल्ड्रेन्स डेवलपमेन्ट कौंसिल के वरिष्ठ सक्रिय सदस्य रह चुके हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ओड़ में अश्लील मनोरंजन (कैबरे, मद्यपान, जुआ, रोमांटिक साहित्य तथा चलचित्र) के विरुद्ध लोकमत जागरण हेतु आप विशेष प्रयत्नशील हैं।



हिन्दी तथा समकालीन अन्य भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के आप आग्रही हैं। लायन्स क्लबों में भारतीय भाषाओं के अधिकाधिक प्रयोग के लिए आप संघर्षशील हैं। सामयिक विषयों पर आप निबन्ध भी लिखते रहते हैं।

भारत सरकार ने आप को कलकत्ता टेलीफोन तथा रोजगार दफ्तर की परामर्शदातृ समितियों का सदस्य मनोनीत किया है। समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी गौरवपूर्ण उपलब्धियों के लिए आप पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 'जस्टिस आफ पीस' (जे. पी.) की मानद उपाधि से अलंकृत किये गए हैं। •

श्यामलाल जालान

आप का जन्म ३० मार्च १९३७ ई० को कलकत्ता में हुआ। इन्द्रचन्द जालान के के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त कर आप पाट-व्यवसाय में कमीशन एजेन्ट के रूप में संलग्न हैं। आप जूट ब्रोकर्स एसोसियेशन के

उपसभापति तथा इण्डियन चेम्बर ग्राफ कामर्स की नगर विकास समिति के कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं।



ग्राप मिलनसार तथा धर्मपरायण प्रकृति के सेवाभावी कार्यकर्त्ता हैं। आप अग्रसेन स्मृति भवन के सहायक मन्त्री, धर्म सांड सहायक समिति के कोषाध्यक्ष, संकीर्त्तन पंडाल लोहाघाट के व्यवस्था-संचालक, राणी सती मन्दिर कमेटी (झुंझनूं) तथा फतेहपुरिया धर्म संस्थान व गोपाल गोशाला (सुजानगढ़) के सक्रिय सदस्य हैं।

सार्वजनिक चिकित्सा क्षेत्र से भी ग्राप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। काशी विश्वनाथ सेवा समिति, सोसाइटी बेनेफिट सर्किल, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, कल्याण आरोग्य सदन तथा मारवाड़ी सेवा संघ (वाराणसी) के आप उत्साही सदस्य हैं।

शैक्षणिक कार्यों में भी आप की अभिरुचि है। श्री रामरक्षपाल झुनझुनवाला पुस्तकालय के मन्त्री के रूप में आप ने जरूरतमन्द विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करवाने तथा महाजनी पद्धति से बहीखाते लिखने के निःशुल्क प्रशिक्षण की अभिनव योजनाओं का सूत्रपात किया। सत्साहित्य प्रकाशन संस्थान के माध्यम से सुप्रसिद्ध कथावाचक डोंगरे महाराज की 'पीयूषवाणी' पुस्तक आपने प्रकाशित करवाई। आप कर्मठ तथा प्रबुद्ध समाजसेवी हैं। ●

भैरामल भड़ैच

आप का जन्म बछरारा गाँव में हुआ। कलकत्ता महानगर ही ग्राप का कार्यस्थल है।

साहित्यिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक कार्यों में आप की प्रगाढ़ रुचि है। आप केजरीवाल सभा के ट्रस्टी तथा उपाध्यक्ष; सेठ सूरजमल जालान ट्रस्ट के अन्तर्गत राम मन्दिर, वस्तु भण्डार तथा महाजनी विद्यालय के मन्त्री; विशुद्धानन्द सरस्वती दातव्य औषधालय, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, मेण्टल हास्पिटल (मानकुण्डू) तथा हिन्दू सेवा सदन (वाराणसी) के सक्रिय सदस्य रह चुके हैं। १९७२ ई० में आयोजित 'अग्रसेन स्मृति समारोह' के ग्राप सभापति बने। अग्रवाल भवन (रतनगढ़) के निर्माणार्थ ग्राप ने २५००) की आर्थिक सहायता दी। अपनी जन्मस्थली बछरारा में ग्राप ने एक सार्वजनिक भवन की योजना को मूर्त्त रूप दिया। ग्राप कर्मठ तथा धर्मनिष्ठ व्यक्ति हैं। ●

तिलोक चन्द डागा

ग्राप का जन्म १२ दिसम्बर १९४४ ई० को सरदारशहर (राजस्थान) में हुआ।



नरसिंह दास डागा के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से ग्राप ने बी. कॉम., एल. एल. बी. की उपाधि प्राप्त की है। सम्प्रति ग्राप औषधि व्यवसाय से सम्बद्ध हैं।

तरुणावस्था से ही सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप की रुचि है। आप पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष, भारत जैन महामण्डल तथा जैन सभा के मन्त्री, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा मित्र परिषद के प्रचार सचिव हैं।

आप साहित्यानुरागी एवम् धर्मनिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

रामचन्द्र दम्मानी

आप का जन्म २५ मार्च १९२५ ई० को कलकत्ता में हुआ। आशाराम दम्मानी के आप द्वितीय पुत्र हैं। आप ने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की। दीर्घ कालावधि से आप बीमा व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। रूबी जनरल इन्श्योरेंस ने आप को कई बार पुरस्कृत किया। सम्प्रति जीवन बीमा निगम के आप वरिष्ठ अधिकारी हैं।



जाति एवं समाज के उत्थान हेतु रचनात्मक कार्यों में आप की गहरी रुचि है। आप माहेश्वरी संगीतालय के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी भवन के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। माहेश्वरी सभा तथा माहेश्वरी विद्यालय के स्वर्ण जयन्ती समारोहों में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मण्डल के आप सदस्य रह चुके हैं। कलकत्ता महानगर में प्रति वर्ष आल इण्डिया म्यूजिक कान्फ्रेंस के आयोजन में आप का विशेष योगदान रहता है।

मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के माध्यम से आप ने कलकत्ता तथा गौहाटी में आयोजित कांग्रेस अधिवेशनों में सेवा कार्य किया। आप सोसाइटी के ६० वें स्थापना दिवस समारोह के संयुक्त संयोजक तथा हीरक जयन्ती समारोह के संयोजक थे। टी० बी० आफ्टर केयर कमेटी से भी आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। बलदेव मन्दिर गवरजा समिति तथा फ्रेण्डस यूनियन क्लब के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। संगीत कला मन्दिर, काशी विश्वनाथ सेवा समिति तथा श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल के आप सक्रिय आजीवन सदस्य हैं।

आप आरोग्य भवन (जसीडीह) के भी मन्त्री रह चुके हैं। अपने मन्त्रित्व काल में आप ने इसे नवीन स्वरूप प्रदान किया और इसका स्वर्ण जयन्ती समारोह आयोजित किया। मारवाड़ी आरोग्य भवन (राँची) के भी आप मन्त्री बने।

आप की कर्मठता तथा सेवा भावना हमारे लिए अनुकरणीय है। ●

प्रमोद जैन

आप का जन्म १९२६ ई० में हुआ। आप ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रभाकर की उपाधि भी प्राप्त की। शीतल प्रसाद जैन की आप सहधर्मिणी हैं।

आप गुणग्राही, सदाशय, मिलनसार तथा धर्मनिष्ठ महिला हैं। धार्मिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यों में आप की गहन अभिरुचि है। प्रमोद जैन ट्रस्ट तथा देवेन्द्र कुमार जैन ट्रस्ट के माध्यम से आप प्रति वर्ष लाखों रुपयों का अनुदान देती हैं। भारत जैन महामण्डल (बम्बई) की कार्यसमिति की आप सक्रिय सदस्या रह चुकी हैं।

आप विदुषी महिला तथा कर्मठ समाज-सेविका हैं। ●

स्व. मनसुख राय मोर

आप का जन्म माघ बदी २ संवत् १९५३ को नवलगढ़ में हुआ। १२ वर्ष की तरुणावस्था में आप कलकत्ता आ गए। शीघ्र ही अपने चाचा रामसहाय मल के विपुल व्यवसाय में आप हाथ बँटाने लगे। १९५५ ई० में लक्ष्मी जूट मिल्स तथा बेलियाघाटा जूट मिल्स में आप भागीदार बने।



प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा संस्कृत साहित्य के प्रचार-प्रसार में आप की गहरी अनुरक्ति थी। ११ पुराण, ५६ स्मृतियाँ, निरूक्त (वेद विवेचन ग्रन्थ), धर्मशास्त्र स्मृति सन्दर्भ का दुर्गाचार्य भाष्य तथा निघण्टु भाष्य (प्रथम खण्ड) की टीका आप ने प्रकाशित करवाईं। चार भागों में प्रति ग्रन्थ की ५००० प्रतियाँ प्रकाशित कर आप ने उन्हें समग्र देश के संस्कृत विद्वानों तथा विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर विभागों में गवेषणार्थ निःशुल्क वितरित कर सराहनीय कार्य किया।

समाजसेवा में भी आप की प्रारम्भ से ही रुचि रही। १९४९-५० ई० में मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप अध्यक्ष बने। काशी विश्वनाथ सेवा समिति तथा गंगासागर मेला सेवा समिति के कार्यों में आप का गहरा लगाव था। अपनी जन्मभूमि की सार्वजनिक संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध रहे। श्री नवलगढ़ विद्यालय के आप अनेक वर्ष तक सभापति रहे।

अपनी धर्म-परायणता, संस्कृति अनुराग तथा समाजसेवा के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। •

स्व. काशीनाथ गुटगुटिया

आप का जन्म १९१० ई० में हुआ। गुलाबराय गुटगुटिया के आप पुत्र थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. काम. की उपाधि प्राप्त कर आप एस. आर. बाटलीब्वाय एण्ड कं० में चार्टर्ड एकाउन्टेंसी का प्रशिक्षण प्राप्त करने लगे। १९३७ ई० में लन्दन जा कर आप ने चार्टर्ड एकाउन्टेंसी की परीक्षा उत्तीर्ण की। १९३८ ई० में के. एन. गुटगुटिया एण्ड कम्पनी की स्थापना कर आप ने जनसाधारण का यह भ्रम दूर कर दिया कि लेखा निरीक्षण जैसा जटिल कार्य केवल अंग्रेज या पारसी ही कर सकते हैं। आप भारत चेम्बर आफ कामर्स के अवैतनिक सचिव तथा गनी ट्रैफिक एडवाइजरी कमेटी के सदस्य रहे।

शैक्षणिक जगत से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे। बालीगंज शिक्षा सदन के आप संस्थापक सदस्य तो थे ही, कई वर्ष तक मन्त्री भी रहे। सावित्री पाठशाला, आर्य कन्या महाविद्यालय एवं अन्य कई शैक्षणिक तथा सार्वजनिक संस्थाओं ने आप को सम्मानित किया। तारकेश्वर इस्टेट कमेटी के आप प्रथम गैर-बंगाली सदस्य बनाए गए।

२७ अक्टूबर १९६६ ई० को आप का निधन हो गया। अपनी प्रतिभा तथा कर्मठता के लिए आप साथी कार्यकर्त्ताओं में बहुत लोकप्रिय थे। •

गौरीशंकर जालान

आप का जन्म १९११ ई० में कलकत्ता में हुआ। मनोहरलाल जालान के आप पुत्र

हैं। तरुणावस्था में ही आप वस्त्र व्यवसाय में प्रवृत्त हो गए। कालान्तर में नेशनल रबर वर्क्स की स्थापना कर वस्त्र पर रबर की तह बिछा कर वस्त्र व्यवसाय को आप ने एक नई दिशा दी।

मारवाड़ी समाज में जब विदेश-यात्रा अथवा समुद्र-यात्रा पर कठोर प्रतिबन्ध था, तब १९३७ ई० में साहसपूर्वक आप जापान गए। स्वदेश पुनरागमन पर अंग्रेज सरकार ने जासूसी के निराधार आरोप में गिरफ्तार कर आप की तलाशी करवाई।

आप विनम्र एवं उत्साही कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। सुप्रसिद्ध समाजसेवी काशी प्रसाद मोदी की प्रेरणा से आप मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के सक्रिय कार्यकर्त्ता बने। सोसाइटी के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों की आप ने बहुविध सेवा की। कालान्तर में आप सोसाइटी के प्रधान मन्त्री बने। आप ने अथक परिश्रम से सोसाइटी का 'शिशु अस्पताल' तथा 'ब्लड बैंक' स्थापित करवाए। सोसाइटी द्वारा बंगला देश युद्ध के समय शरणार्थियों की सेवा में आपने सोत्साह भाग लिया।

आप कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष तथा शिवशक्ति सेवा समिति के मन्त्री रह चुके हैं। •

स्व. हरिकृष्ण झाझड़िया

आप का जन्म २९ सितम्बर १९१२ ई० को कलकत्ता में हुआ। डूंगरदास झाझड़िया के आप पुत्र थे। आप ने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की।

आप धर्मपरायण, शिक्षाप्रेमी तथा दृढ़ संकल्पी सामाजिक कार्यकर्त्ता थे। छात्रावस्था में ही आप ने अपने साथियों के सहयोग से बेहरापट्टी (बड़तल्ला स्ट्रीट) में 'सभासद पुस्तकालय स्थापित किया। हिन्दी भाषी छात्रों को संगठित कर उनकी एक समिति आप ने बनवाई और उसका मन्त्री पद भी सँभाला।' 'शीतला मेले' के समय शीतला



गली में समाज-विरोधी तत्व महिलाओं से छेड़खानी करते थे, आप ने एक सेवा दल गठित कर इस गुण्डागर्दी को रोका। आप श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के सभापति तथा सावित्री पाठशाला के अनेक वर्ष तक शिक्षा-मन्त्री रहे। शिक्षण क्षेत्र में नवीन पद्धति के विकास हेतु आप सदैव प्रयत्नशील रहे।

सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के कार्यों में आप की गहरी रुचि थी। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, बंगाल रिलीफ कमेटी, रामकृष्ण मिशन, गुजरात रिलीफ सोसाइटी, भारत सेवाश्रम संघ, पंजाब सेवा समिति, मुस्लिम चेम्बर आफ कामर्स रिलीफ फण्ड आदि को आप ने यथाशक्ति सहयोग दिया। बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र (ऋषिकेश) से भी आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध रहे।

अपनी गौरवशाली सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए आप ने अथक परिश्रम किया। तीर्थ-यात्रा में भी आप का बड़ा अनुराग था।

समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए दिसम्बर १९७५ ई० में आप का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया तथा एक अभिनन्दन ग्रन्थ भी इस अवसर पर प्रकाशित हुआ।

आप प्रबुद्ध तथा दृढ़-संकल्पी कार्यकर्त्ता थे।

सांवल राम गोयनका

आप का जन्म १९१८ ई० में लक्ष्मणगढ़ (राजस्थान) में हुआ। हरिबक्स गोयनका के आप पुत्र हैं। कलकत्ता से ही मैट्रिक की परीक्षा आप ने उत्तीर्ण की। सम्प्रति आप वस्त्र व्यवसायी हैं।



स्वातन्त्र्य संग्राम में आप ने १० वर्ष की बाल्यावस्था में ही भाग लेना प्रारम्भ कर दिया। १९२८ ई० में कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में आप नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की स्वयंसेवक टोली के सदस्य बने। फिर आप ने विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की चेष्टा की, जिसे विदेशियों के समर्थक संचालकों द्वारा रोका गया। फलस्वरूप विद्यालय के छात्रों ने हड़ताल कर दी और अपनी बात मनवा कर ही रहे। १९२८ ई० में ही अपने साथियों के सहयोग से आप ने 'स्वतन्त्र क्लब' की स्थापना कर ली, जिसके लिए महात्मा गांधी का भी आशीर्वाद मिला। कालान्तर में भाषावार राज्य गठन होने पर असम एवं उत्तर बंगाल में प्रवासी मारवाड़ी समाज पर विक्षुब्ध लोगों ने आक्रमण किए, जिसके प्रतिवाद में आप ने केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। फलतः क्रुद्ध पश्चिम बंगाल सरकार का कोपभाजन बन कर आप को कारावास के दण्ड का वरण करना पड़ा।

सामाजिक कार्यों में भी आप सदैव सक्रिय रहते हैं। आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी तथा काशी विश्वनाथ सेवा समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। 'गोहत्या बन्दी' आन्दोलन में आप सदा सक्रिय भाग लेते हैं। कई धार्मिक संस्थाओं के आप अध्यक्ष एवं ट्रस्टी रह चुके हैं।

१९५७ ई० में आप ने मर्चेण्टस् कमेटी की स्थापना की, जिसका कालान्तर में नामकरण 'मर्चेण्टस् चेम्बर' हो गया। आप के प्रबल प्रयास से पोर्ट कमिश्नर में इसे प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ।

आप उत्साही एवं दृढ़-प्रतिज्ञ समाजसेवी हैं।

स्व. जगन्नाथ प्रसाद जालान

आप का जन्म १५ अक्टूबर १९१९ ई० को कलकत्ता में हुआ। नन्दलाल जालान के आप पुत्र थे। 'विशारद' की उपाधि प्राप्त कर आप बीमा व्यवसाय में प्रवृत्त हुए।



आप के सार्वजनिक जीवन का प्रारम्भ बड़ाबाजार व्यायामशाला से हुआ। कालांतर में कालेज स्क्वायर स्वीमिंग क्लब में आप ने सैकड़ों युवकों को तैराकी में प्रशिक्षित किया और फिर उनके सहयोग से तारक प्रमाणिक रोड में 'भारतीय नवयुवक संघ' की स्थापना

की। सुप्रसिद्ध समाजसेवी बृजलाल बियाणी की प्रेरणा से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में आप प्रवृत्त हुए और कालान्तर में अनेक वर्ष इसके मन्त्री रहे। १९५६ ई० में इसके अन्तर्गत आप ने एक 'शिक्षा कोष' स्थापित किया। सम्मेलन के मंच से आप ने बेरोजगार युवकों को आजीविका सुलभ करवाने का प्रयास किया। मृतप्राय संस्था मारवाड़ी सभा पुस्तकालय को आप ने अथक परिश्रम से पुनर्जीवित किया। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा काशी विश्वनाथ सेवा समिति के आप निष्ठावान कार्यकर्त्ता थे। अपने रूढ़िवादी परिजनों के प्रबल विरोध के बावजूद आप ने पर्दा प्रथा के विरुद्ध हुए आन्दोलन तथा सत्याग्रह में भाग लिया। १९४६ ई० के गोहत्या विरोधी आन्दोलन में बन्दी कार्यकर्त्ताओं को जेल में भोजन करवाने की व्यवस्था आप ने सँभाली। १९४७ ई० में किरायेदार संघ के माध्यम से आप ने मकान-मालिकों की ज्यादतियों के विरुद्ध संघर्ष किया। ईश्वर दास जालान अभिनन्दन समारोह के आप संयोजक बने।

अपनी गौरवपूर्ण सामाजिक सेवाओं के लिए आप पश्चिम बंग सरकार द्वारा 'जे.पी.' की उपाधि से सम्मानित किए गए। अपनी जुझारू प्रवृत्ति तथा रचनात्मक कार्यों के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। •

शिवभगवान गोयनका

आप का जन्म दिसम्बर १९१९ ई० में कलकत्ता में हुआ। रामनारायण गोयनका के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने एम. ए. की उपाधि प्राप्त की है। सम्प्रति लौह-इस्पात क्षेत्र के अग्रणी उद्योगपतियों में आप की गणना है। आप भारत चेम्बर आफ कामर्स तथा इण्डियन माइनिंग फेडरेशन के अध्यक्ष, जियोलाजिकल एण्ड माइनिंग एण्ड मेटलार्जिकल सोसाइटी आफ इण्डिया के उपाध्यक्ष, निर्यात-आयात सलाहकार समिति (पूर्वांचल) तथा कोल माइन्स लेबर वेलफेयर एडवाइजरी कमेटी के सदस्य रह चुके हैं। दक्षिण-पूर्व रेलवे, कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई, वेस्ट बंगाल इण्डस्ट्रियल रिसोर्सेज डेवलपमेंट कारपोरेशन आदि की परामर्शदातृ समितियों के आप सदस्य रह चुके हैं। कलकत्ता पोर्ट कमिश्नर के आप भूतपूर्व ट्रस्टी हैं।



शैक्षणिक जगत में आप का विशेष अनुराग है। आप आदर्श हिन्दी हाईस्कूल तथा ज्ञान भारती के अध्यक्ष रह चुके हैं। गोयनका कालेज आफ कामर्स, श्री शिक्षायतन तथा श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय की प्रबन्ध समितियों के आप सक्रिय सदस्य रह चुके हैं। सार्वजनिक चिकित्सा सेवा क्षेत्र से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप श्री विशुद्धानन्द मारवाड़ी हास्पिटल के संयुक्त-सचिव रह चुके हैं। रेडक्रास, सेंट जान एम्बुलेंस, सेफ्टी फर्स्ट तथा क्षयरोग निवारण आदि विभिन्न सेवा संगठनों के आप सदस्य हैं।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में भी आप की रुचि है। आप मारवाड़ी एसोसियेशन के भूतपूर्व सचिव, संगीत कला मन्दिर तथा बंगाल रोइंग क्लब के सक्रिय सदस्य हैं। रामनारायण गोयनका चैरिटेबल ट्रस्ट के आप प्रबन्ध न्यासी हैं।

सार्वजनिक सेवा क्षेत्र में अपनी महत्व-पूर्ण उपलब्धियों के लिए आप पश्चिम बंग सरकार द्वारा 'जस्टिस आफ पीस' की उपाधि से अलंकृत किए गए तथा 'आनरेरी मैजिस्ट्रेट' भी नियुक्त किए गए।

आप प्रबुद्ध व्यवसायी तथा कर्मठ समाज-सेवी हैं। •

स्व. काशी प्रसाद मोदी

. आप का जन्म १६२० ई० में हुआ। कलकत्ता महानगरी ही आप की कार्यस्थली थी। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप कालांतर में रूबी जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के चेयरमैन बने और जब इसका राष्ट्रीयकरण हुआ, तब सरकार ने आप को इसका कस्टोडियन बना दिया। नेशनल बीमा कम्पनी के भी आप अध्यक्ष मनोनीत हुए।



प्रकृति से आप बड़े विनम्र, मिलनसार तथा दृढ़-संकल्पी व्यक्ति थे। छात्रावस्था से ही आप का सार्वजनिक सेवा कार्यों में गहरा लगाव था। मारवाड़ी छात्र संघ तथा पोद्दार छात्र निवास के आप उत्साही कार्यकर्त्ता थे। आप बड़ाबाजार लाइब्रेरी के सभापति, टाँटिया हाईस्कूल के स्थापनाकाल से ही उसके मन्त्री तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी व अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सक्रिय वरिष्ठ सदस्य थे। आप बिड़ला क्लब के अध्यक्ष तथा कलकत्ता मेडिकल कालेज के प्रबन्धक भी रह चुके थे। महिला शिक्षण संस्थाओं के विकास के लिए आप प्रबल आग्रही थे एवं एतदर्थ धन संगृहीत भी किया। बेरोजगार युवकों (फिर चाहे वे मारवाड़ी हों या बंगाली) के लिए आजीविका की व्यवस्था करने में आप सदैव सचेष्ट रहे। समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी गौरवपूर्ण उप-लब्धियों के लिए १९६३ ई० में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आप जस्टिस आफ पीस (जे० पी०) की उपाधि से अलंकृत किए गए।

आप का निधन हृदय गति अवरुद्ध हो जाने से १३ मई १९८१ ई० को हुआ। अपने स्नेही व्यक्तित्व एवं कर्मठ प्रकृति द्वारा आप सर्वप्रिय बन गए थे। •

स्व. हरि प्रसाद माहेश्वरी

आप का जन्म १५ जून १९२२ ई० को हुआ। प्रसिद्ध समाजसेवी गणेश प्रसाद माहेश्वरी के आप पुत्र थे। कलकत्ता महा-नगर ही आप का कार्यस्थल रहा।



प्रारम्भ से ही सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यों में आप की प्रगाढ़ अनुरक्ति रही। अनेक संस्थाओं के आप मन्त्री या सभापति पद पर रहे। प्रकृति से ही आप उदार, गुण-ग्राही तथा रचनात्मक प्रवृत्ति के थे। अपने अथक परिश्रम से आप ने समाज के युवकों की रुचि को सांस्कृतिक उन्नयन की दिशा में

मोड़ा — उनमें साहित्य, संगीत, चित्रकला तथा शिक्षा के प्रति अनुराग उत्पन्न किया। १९५४ ई० में भारतीय संस्कृति संसद की स्थापना आप की संगठन-प्रतिभा का परिचायक है। भारतीय भाषा परिषद तथा संगीत कला मन्दिर के माध्यम से आप ने सांस्कृतिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री शिक्षायतन के मन्त्री के रूप में बालिकाओं के शिक्षण के क्षेत्र में आप की प्रमुख भूमिका रही। माहेश्वरी भवन तथा उसके अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं का आप ने सदैव मार्गदर्शन किया। जसीडीह आरोग्य भवन का वर्त्तमान सर्वोपयोगी स्वरूप आप की ही सतत् प्रेरणा एवं लगन का परिणाम है।

१९ अप्रैल १९८१ को आप गोलोकवासी हुए। उत्कट सांस्कृतिक प्रेम व कर्मठ व्यक्तित्व के लिए आप सदा याद किए जाएँगे। •

श्याम सुन्दर कानोड़िया

आप का जन्म १९२८ ई० में कलकत्ता में हुआ। सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी राधाकृष्ण कानोड़िया के आप पुत्र हैं। वाणिज्य



शास्त्र में ससम्मान (आनर्स) स्नातकीय उपाधि प्राप्त कर आप पैतृक व्यवसाय में प्रवृत्त हुए। सम्प्रति रसायन एवं जूट उद्योग के अग्रगण्य उत्पादकों में आप का स्थान है। सुप्रसिद्ध कानोड़िया केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के आप संस्थापकों में हैं तथा सम्प्रति प्रबन्ध निदेशक हैं। अपनी स्थापना से वर्त्तमान तक एक दिन भी श्रमिक अशान्ति न होने के लिए यह उद्योग प्रधान मन्त्री द्वारा इण्डस्ट्रियल रिलेशंस एवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया है।

२८ वर्ष की युवावस्था में ही आप इण्डियन सूगर मिल्स एसोसियेशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके निर्यात विभाग के संस्थापक-अध्यक्ष के रूप में आप ने देशी चीनी के निर्यात के उन्नयन में प्रमुख भूमिका निबाही। आप १९६६ ई० में इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स (कलकत्ता) तथा १९७१ ई० में फेडरेशन आफ इण्डियन चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज (फिक्की) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। आप की अध्यक्षता के दौरान फिक्की ने भारत-पाक युद्ध के समय मूल्य-वृद्धि को नियन्त्रित रखने में सराहनीय योगदान दिया।

समग्र विश्व में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलनों में भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के नेता अथवा सदस्य के रूप में आप ने सक्रिय भाग लिया। वाणिज्य एवं उद्योग उन्नयन सम्बन्धी विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य स्तर की समितियों से आप सदस्य अथवा निदेशक के रूप में सम्बद्ध हैं।

सांस्कृतिक, शैक्षणिक तथा सेवा कार्यों में आप का प्रगाढ़ अनुराग है। अनामिका कला संगम के आप संस्थापक-अध्यक्ष रह चुके हैं। कलकत्ता विश्वविद्याय की सीनेट कमेटी के आप सदस्य मनोनीत हुए। हिन्दी हाईस्कूल के उन्नयन में आप की विशेष रुचि है। छात्रावस्था से ही आप का क्रीड़ा जगत में पर्याप्त अनुराग रहा है। रेडक्रास सोसाइटी की वित्त समिति के आप सदस्य रह चुके हैं। आप रोटरी क्लब के निदेशक तथा विभागीय समितियों के अध्यक्ष पद से सक्रिय सार्वजनिक सेवा कर चुके हैं।

आप प्रगतिशील व्यवसायी एवं प्रतिभाशाली समाजसेवी हैं। •

स्व. भँवरलाल मल्लावत

आप का जन्म १९२९ ई० में डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। आप के पिता शिवप्रसाद मल्लावत हैं। इन्दौर विश्वविद्यालय से बी.काम. की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता आ गए। प्रारम्भ से ही आप प्रसिद्ध औद्योगिक समूह 'बांगड़ ब्रादर्स' में कार्यरत रहे और कालान्तर में श्री मधुसूदन मिल्स लिमिटेड में सेक्रेटरी के दायित्वपूर्ण पद पर पहुँचे।



आप प्रकृति से सहृदय, गम्भीर एवं विलक्षण संगठनकर्त्ता थे। अपने देश की प्राचीन गौरवमयी संस्कृति के उन्नयन के लिए आप आजीवन प्रयत्नशील रहे। बाल्यकाल से ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अत्यन्त निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्त्ता रहे। बंगाल प्रांत के लिए संघ के आप कोषाध्यक्ष तो थे ही, समग्र भारत में आदर्श स्वयंसेवक के रूप सुपरिचित भी रहे। आफिस के समय को छोड़ प्रातः से मध्य रात्रि तक आप आजन्म संघ कार्य के प्रसार के लिए कर्मरत रहे। अपने जीवनकाल में ही आप एक सुरक्षित निधि बैंक में जमा करवा गए थे, जिससे आप की ओर से जीवनोपरान्त भी प्रति वर्ष गुरु-दक्षिणा अक्षुण्ण रूप से समर्पित होती रहे।

सामाजिक संस्थाओं के सुचारु संचालन तथा उत्तरोत्तर उन्नति में आप की प्रगाढ़ रुचि थी। इस हेतु योग्य कार्यकर्त्ताओं का चरित्र निर्माण तथा उपयुक्त संस्थाओं में उन सब का नियोजन करने की आप में विलक्षण प्रतिभा थी। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय, विश्व हिन्दू परिषद, कल्याण आश्रम आदि अनेक सेवाभावी संस्थाओं को सुसंचालित तथा सम्वर्धित करने हेतु आप ने उन्हें सक्षम कार्यकर्त्ता प्रदान किए, पर स्वयं के लिए कभी कोई पद स्वीकार नहीं किया।

अपनी जन्मभूमि डीडवाना के विकास में आप की गहरी अनुरक्ति थी। श्री डीडवाना नागरिक सभा (कलकत्ता) के आप सभापति तथा मन्त्री पदों पर रहे और अपने कार्यकाल में जन सहयोग से आप ने बालिका विद्यालय का भवन निर्मित करवाया तथा बाल मन्दिर की स्थापना की।

देश के ऊपर जब भी कोई प्राकृतिक या बाह्य विपदा आई, तब आप सेवा की अग्रिम पंक्ति में रहे। १९६७ ई० में बिहार के भीषण अकाल में दूर-दराज बीहड़ ग्रामों में भी घूम-घूम कर आप ने २-२॥ मास तक पीड़ितों के लिए राहत कार्य का संचालन किया। १९७१ ई० में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में असहनीय दमन चक्र से पीड़ित लक्षाधिक हिन्दू बन्धु शरणार्थी बन कर जब पश्चिम बंगाल आए, तब आप ने संघ की ओर से व्यापक स्तर पर राहत कार्यों का सुचारु संचालन किया। १९७१ ई० में बंगाल सीमा पर युद्ध-रत जवानों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने हेतु संघ स्वयंसेवकों की तरफ से आप ने लेफ्टिनेंट जनरल अरोड़ा को हजारों पैकेट भेंट किए।

१९७६ ई० में जब आपात्काल के तानाशाही दमनचक्र में सम्पूर्ण देश की जनता त्रस्त तथा स्तब्ध थी, तब कैंसर जैसे असाध्य रोग से गम्भीर रूप में पीड़ित होते हुए तथा चिकित्सकों की कड़ी चेतावनी के बावजूद

आपातकाल के विरुद्ध आन्दोलन का सुचारु संचालन, कारावास के दण्ड का सहर्ष वरण करनेवाले संघ कार्यकर्त्ताओं के लिए अदालतों में उचित पैरवी तथा उनके परिवार की जीवन निर्वाह की व्यवस्था करना – आप की अविश्रान्त दिनचर्या का अनिवार्य अंग बन गया था। इतनी कठिनाई के काल में भी आपने अपने ज्येष्ठ पुत्र को उत्साहपूर्वक सत्याग्रह कर कारावरण की अनुमति प्रदान की।

वैशाख शुक्ला पूर्णिमा सम्वत् २०३३ को प्रातः सवा दस बजे आप गोलोकवासी हुए। आप की शवयात्रा में हजारों व्यक्ति सम्मिलित हुए एवं विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में आयोजित सार्वजनिक जनसभा में आप को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

आप व्यक्ति नहीं, स्वयं में एक संस्था थे। आप का विराट व्यक्तित्व समाज सेवा में एकाकार हो गया। ●

श्रीमती सुशीला सिंघी

आप का जन्म ३० सितम्बर १९२४ ई० को लखनऊ में हुआ। अशरफी लाल जैन की आप पुत्री हैं। आप ने हिन्दी साहित्य में एम. ए. की उपाधि प्राप्त की। १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में आप ने सक्रिय भाग लिया। अनेक वर्ष तक पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटी की आप सक्रिय सदस्या रहीं।



समाज सुधार के लिए आप प्रतिबद्ध हैं। विधवा होते हुए भी साहसपूर्वक सुप्रसिद्ध समाजसेवी भँवरमल सिंघी से पुनर्विवाह कर आप ने निराश्रित महिलाओं के लिए भविष्य का पथ प्रशस्त किया। सामाजिक कार्यों में आप सर्वदा अग्रणी रहीं। आप अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की उपाध्यक्षा; तरुण संघ, महिला सेवा समिति एवं परिवार नियोजन शिक्षा समिति (प० बं०) की मन्त्रिणी; सामाजिक क्रान्ति सम्मेलन एवं रेडक्रॉस (प० बं०) के समाज सेवा विभाग की संयोजिका रह चुकी हैं। भारत-चीन युद्ध के समय राज्यपाल द्वारा मनोनीत नागरिक समिति की आप सचिव बनीं। महात्मा गाँधी जन्म शताब्दी राष्ट्रीय समिति (प०बं०) तथा आकाशवाणी कलकत्ता केन्द्र की परामर्शदातृ समिति की आप सदस्या भी मनोनीत हुईं।

आप हिन्दी की सुलेखिका हैं। अंग्रेजी, बंगला और गुजराती साहित्य से आप ने हिन्दी में उत्कृष्ट अनुवाद किया है। हिन्दी तथा बंगला की आप धाराप्रवाह वक्ता हैं। आकाशवाणी कलकत्ता केन्द्र से आप की वार्ताएँ प्रसारित होती रहती हैं।

अपनी महत्वपूर्ण समाजसेवा के लिए पश्चिम बंग सरकार द्वारा आप 'जस्टिस ऑफ पीस' (जे० पी०) की मानद उपाधि से अलंकृत की गई हैं। आप बहुमुखी प्रतिभा की धनी अग्रगण्य महिला कार्यकर्त्री है। ●

बालकृष्ण सराफ

आप का जन्म श्रावण शुक्ल २ सं० १९८४ को कलकत्ता में हुआ। किशोरीलाल सराफ आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने सिंघी एण्ड कम्पनी में प्रशिक्षण प्राप्त कर चार्टर्ड एकाउण्टेंट की उपाधि प्राप्त की। चार्टर्ड एकाउण्टेंटस् आफ इण्डिया की पूर्वांचल

परिषद के आप सदस्य भी निर्वाचित हुए। सी. ए. स्टूडेंटस् एसोसियेशन के आप संस्था-



पक तथा सचिव रह चुके हैं। भारत चेम्बर आफ कामर्स की विभिन्न उपसमितियों के आप सदस्य चुने गए। जयपुर में शेयर बाजार की स्थापना में आप का महत्वपूर्ण योगदान है। जयपुर उद्योग लिमिटेड के आप निदेशक हैं। कलकत्ता नगर निगम की बोरो समिति के आप सदस्य रह चुके हैं।

शिक्षा एवं क्रीड़ा जगत में आप का विशेष अनुराग है। बड़ाबाजार युवक सभा, पश्चिम बंगाल बास्केटबाल एसोसियेशन, कालेज स्क्वायर स्वीमिंग क्लब एवं हिन्दुस्तान क्लब से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। श्री दौलतराम नोपानी विद्यालय तथा टाँटिया हाईस्कूल की प्रबन्धक समितियों के आप सदस्य हैं।

सार्वजनिक सेवा संस्थाओं में भी आप सोत्साह भाग लेते हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप अनेक वर्ष तक सक्रिय सदस्य रहे। सम्प्रति श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल के आप संयुक्त सचिव हैं।

अपने पूर्वजों की जन्मभूमि मण्डावा (झुंझनूं) की उन्नति में आप सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। श्री सनातन धर्म पंचायत विद्यालय (मण्डावा) के आप मन्त्री रह चुके हैं। मण्डावा पिंजरापोल के आप सक्रिय कार्य-कर्त्ता हैं।

साहित्यानुरागी होने के साथ आप कृति लेखक भी हैं। आप ने 'टैक्सेशन आफ चैरिटेबल एण्ड रिलीजियस ट्रस्ट' नामक पुस्तक लिखी है।

आप उत्साही तथा प्रतिभावान सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

स्व. मन्नालाल चमड़िया

आप का जन्म सम्वत् १९२४ में कलकत्ता में हुआ। वृद्धिचन्द चमड़िया के आप पुत्र थे। आप सफल व्यवसायी तथा भूमिपति थे।



सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप की विशेष रुचि थी। मारवाड़ी एसोसियेशन में आप अग्रणी थे। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती हास्पिटल तथा बाबा काली कमलीवाला पंचायत क्षेत्र के आप सक्रिय सदस्य थे। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय की स्थापना में आप का प्रमुख योगदान था। सावित्री पाठशाला तथा बड़ाबाजार लाइब्रेरी के आप वरिष्ठ सदस्य थे। ●

मदन लाल चमड़िया

आप का जन्म २२ नवम्बर १९०३ ई० को कलकत्ता में हुआ। मन्नालाल चमड़िया के आप पुत्र हैं। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप पैतृक व्यवसाय में संलग्न हो गए।



सार्वजनिक कार्यों में आप की प्रवृत्ति है। आप सावित्री पाठशाला के उपसभापति तथा श्री विशुद्धानन्द दातव्य औषधालय के सभापति रह चुके हैं। विभिन्न धार्मिक तथा चिकित्सा-संस्थाओं के आप सदस्य हैं। हरिद्वार पंचायती धर्मशाला के आप मन्त्री हैं। ●

ताराचन्द सराफ

आप का जन्म १९०९ ई० में बोगरा (बंगला देश) में हुआ। आप ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. तथा एल.एल.बी. की परीक्षा पास की। सम्प्रति आप अग्रणी आयकर सलाहकार हैं।

छात्रावास में ही आप का सम्पर्क सुप्रसिद्ध समाजवादी नेता डॉ० राममनोहर लोहिया तथा पाकिस्तान के भूतपूर्व प्रधान मन्त्री मोहम्मद अली जिन्ना से हो गया। १९२१ ई० में आप महात्मा गाँधी के सम्पर्क में आये और राजनीति में सक्रिय भाग लेने लगे। फलतः ब्रिटिश सरकार ने १९३४ ई० में आप को क्रान्तिकारी मान कर नजरबन्द कर दिया। १९३१ ई० में ब्रह्मपुत्र के बाढ़ पीड़ितों की 'गायबांधा' क्षेत्र में आप ने अत्यन्त कुशलतापूर्वक सेवा की, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब बर्मा से शरणार्थी भारत आने लगे, तब अंग्रेज सरकार ने आप को रंगपुर (बंगलादेश) के शरणार्थी शिविर का प्रधान मन्त्री बना दिया। आजादी मिलने पर आप कलकत्ता स्थानान्तरित हो गये।

धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में आप के क्रिया-कलाप सराहनीय रहे। आप बोगरा की हरिहर गोशाला के लगातार ५० वर्षों तक अवैतनिक प्रधान मन्त्री रहे। गोरक्षा और गोसंवर्द्धन की प्रेरणा आप को श्री हीरालाल सराफ से मिली थी। पश्चिम बंगाल में सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति तथा कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के आप प्रधान मन्त्री रह चुके हैं।

आप की साहित्यिक गतिविधियाँ भी प्रशंसनीय रही हैं। 'गोदर्शन' नामक सामाजिक पत्रिका का आप के द्वारा हिन्दी, बंगला और अंग्रेजी में सम्पादन होता रहा है। आप का कर्मठ व्यक्तित्व प्रेरणास्पद है। ●

स्व. चिरंजी लाल बाजोरिया

आप का जन्म १९१४ ई० में हुआ। आप अग्रगण्य जूट उद्योगपति थे। कलकत्ता हाइड्रोलिक जूट प्रेस संघ के आप संस्थापक-अध्यक्ष थे। आप इण्डिया जूट मिल्स एसोसियेशन तथा इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स के भी अध्यक्ष निर्वाचित हुए। मेकलोड एण्ड कम्पनी के आप चेयरमेन थे।



शैक्षणिक जगत मे आपकी अत्यधिक अभिरुचि थी। आप हिन्दी हाई स्कूल तथा एग्री-हार्टिकल्चरल सोसाइटी आफ इण्डिया

के उपाध्यक्ष थे। विभिन्न सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से भी आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध थे, यथा – इण्डियन रेडक्रास, कलकत्ता इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी। ६७ वर्ष की उम्र में जनवरी १९८२ ई० में कलकत्ता में आप का निधन हुआ। आप दूरदर्शी तथा उदारचेता उद्योग-पति थे। ●

प्रताप सिंह वैद्य

आप का जन्म १९२० ई० में चुरू (राजस्थान) में हुआ। मोटर पार्टस् व्यवसाय में आप संलग्न हैं।



सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए आप सदैव प्रस्तुत रहते हैं। संस्था के कार्य के लिए आप अपनी पत्नी के आभूषण बेचने में भी न चूके। रोटरी क्लब के आप प्रबुद्ध सदस्य हैं।

आप आचार्य तुलसी के अनन्य श्रद्धालु हैं। पूर्वांचल में जैन दर्शन तथा संस्कृति के प्रचार-प्रसार में आप अग्रणी हैं। भारत जैन महामण्डल के ४२ वें अधिवेशन के आप अध्यक्ष रह चुके हैं, सम्प्रति संगठन मन्त्री हैं। अणुव्रत समिति के आप सक्रिय सदस्य हैं।

आप प्रगतिशील एवं धर्मप्राण कार्य-कर्त्ता हैं। ●

ज्ञानवती लाठ

आप का जन्म १ सितम्बर १९२१ ई० को कलकत्ता में हुआ। आप माधो प्रसाद जालान की पुत्री तथा मोहनलाल लाठ की पत्नी हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने मनोविज्ञान में एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।



१९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आंदोलन में आप ने निर्भीक हो कर भाषण दिए। समाज-सुधार तथा नारी-जागरण में आप अग्रणी रहती हैं। शिक्षण संस्था 'अभिनव भारती' तथा सांस्कृतिक संस्था 'संगीत श्यामला' के संस्थापकों में आप हैं।

आप कर्मठ तथा संगठन प्रतिभा की धनी समाजसेविका हैं। ●

गणेशमल बैद

आप का जन्म १९२५ ई० में लाडनूं (राजस्थान) में हुआ। आप ने बिरला कालेज (पिलानी) से बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की।

किशोरावस्था से ही आप की रुचि सामाजिक कार्यों की ओर है। १९४६ ई० में कलकत्ता के विचारक एवं समाजसेवी भँवरमल सिंघी के आप निकट सम्पर्क में आये तथा सामाजिक संस्था 'तरुण संघ' के माध्यम से समाजसेवा में जुट गये। इस



संस्था ने पर्दा उन्मूलन में सराहनीय कार्य किया।

महात्मा गांधी के विचारों के आप कट्टर समर्थक हैं। कलकत्ता में आप हरिजन-उत्थान समिति के मन्त्री बनाये गये। आप ने अनेक हरिजन पाठशालाएँ खुलवायीं। १९५१ ई० में आचार्य विनोबा भावे के भूदान यज्ञ तथा १९५७ ई० में 'सर्वोदय विचार परिषद' संस्था की स्थापना में आप की सक्रिय भूमिका रही।

गोरक्षा के कार्य में आप ने सदा निष्ठा-पूर्वक कार्य किया। कलकत्ता के गोहत्या-बन्दी सत्याग्रह आन्दोलन में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। १९७९ ई० में अखिल भारतीय कृषि गो-सेवा-संघ की बंगाल शाखा का आप को संयुक्त मन्त्री बनाया गया। ●

शान्ति खेतान

आप का जन्म १९२६ ई० में कलकत्ता में हुआ। बद्री प्रसाद खेतान की आप धर्म-पत्नी हैं। आप ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. ए. की उपाधि प्राप्त की।

महिला समाज के उत्थान के लिए आप बहुत ही जागरूक हैं। सम्प्रति आप अभिनव भारती की मन्त्री; संगीत श्यामला, पेरेन्ट इन्फार्मेशन सेन्टर तथा वीमेन्स कोआर्डिनेशन की कोषाध्यक्ष हैं। वयस्का स्त्रियों के लिए



स्थापित संस्था 'नवनीर' में प्रमुख रूप से भाग ले कर आप महिलाओं में शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक चेतना भरती हैं।

आप प्रबुद्ध तथा विदुषी महिला समाज-सेवी हैं। ●

महावीर प्रसाद चौधरी

आप का जन्म संवत् १९८५ को श्रावण शुक्ल दशमी को हुआ। आपने कानून की परीक्षा पास की और १९५६ ई० से कलकत्ता हाईकोर्ट में वकालत करने लगे।



छात्र जीवन से ही आप सार्वजनिक कार्यों में भाग लेने लगे। आप मारवाड़ी छात्र संघ के सहमंत्री तथा विद्यासागर कालेज में हिन्दी साहित्य संघ के मंत्री रहे। सम्प्रति कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के आप विधि मंत्री हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी आप का सहयोग

सराहनीय है। आप बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के उपाध्यक्ष एवं बड़ाबाजार लाईब्रेरी की कार्यकारिणी के सदस्य हैं। १९४८ से १९५३ ई० तक आप माधोपुर सार्वजनिक औषधालय के प्रकाशन मंत्री रहे।

राजनीति में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आप १९६९-७० ई० में अखिल भारतीय संविधान पैनेल के उपाध्यक्ष थे, आपातकाल में आपने लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय योगदान प्रदान किया।

इस प्रकार शिक्षा हो या राजनीति–सभी क्षेत्रों में आप की कर्मठता अनुकरणीय है। •

गोपीराम बड़ोपलिया

आप का जन्म २१ नवम्बर १९२९ ई० को बड़ोपल (हरियाणा) में हुआ। आप उदमी राम के पुत्र हैं। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।



फेडरेशन आफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसियेशन की स्थापना में आप ने सक्रिय सहयोग किया। सेन्ट्रल कलकत्ता मर्चेन्टस् एसोसियेशन के आप मन्त्री हैं। इस संस्था के तत्वावधान में बंगला देश के युद्ध के समय जवानों की सहायतार्थ आप ने २१ हजार रु० संग्रहीत किए।

सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप वेस्ट बंगाल वेलफेयर सोसाइटी के सभापति, हरियाणा नागरिक संघ तथा हनुमान परिषद के उप-सभापति रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। राजस्थान गो-सेवा संघ के आह्वान पर आप ने अथक परिश्रम से १८ हजार रु० संग्रहीत किए।

आप उत्साही तथा दृढ़ निश्चयी सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

लक्ष्मण प्रसाद अग्रवाल

आप का जन्म ९ नवम्बर १९३० ई० को कलकत्ता में हुआ। आप ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. काम., एल.एल.बी. तथा एटर्नी-एट-ला तक शिक्षा प्राप्त की। सम्प्रति आप कलकत्ता उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के एडवोकेट हैं।



आप की सार्वजनिक संस्थाओं में दिलचस्पी रहती है। आप मारवाड़ी युवक संघ के अध्यक्ष एवं बड़ाबाजार युवक सभा के उप-सभापति एवं मन्त्री भी रहे।

धार्मिक संस्थाओं से भी आप का लगाव है। आप बाबा काली कमलीवाला पंचायत

क्षेत्र की कार्यकारिणी के सदस्य, श्री विश्व-शान्ति हरिकीर्तन संघ के न्यासी एवं श्री ऋषि-कुल ब्रह्मचर्याश्रम सहायक समिति (हरिद्वार) के मन्त्री हैं। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती हास्पिटल एवं मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप सदस्य हैं। •

दुर्गा प्रसाद नाथानी

आप का जन्म २ नवम्बर १९३२ ई० को कलकत्ता में हुआ। मानमल नाथानी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम. ए. की उपाधि प्राप्त कर आप कागज तथा कमप्यूटर व्यवसाय में संलग्न हैं। आप कलकत्ता कागज व्यापारी संघ, पश्चिम बंग कागज व्यापारी संघ, चीना बाजार एवं बी. के. शॉ. मार्केट व्यवसायी समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं।



राजनीति में आप का महत्वपूर्ण योग-दान है। १९६६ ई० में आप भारतीय जनसंघ के प्रतिनिधि के रूप में कलकत्ता नगर निगम के पार्षद निर्वाचित हुए। भार-तीय जनता पार्टी के गठनोपरान्त आप इसके उपाध्यक्ष मनोनीत हुए, सम्प्रति कार्यकारिणी के स्थायी सदस्य हैं।

सामाजिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते हैं। १९७४ ई० में आप कलकत्ता मार-वाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बने। बड़ाबाजार युवक सभा तथा अग्रसेन स्मृति भवन की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं।

आप जागरुक तथा लगनशील कार्य-कर्ता हैं। •

गंगादास बिन्नानी

आप का जन्म २१ मई १९३४ ई० को कलकत्ता महानगरी में हुआ।



साहित्य के प्रति आपका गहरा लगाव है। आप माहेश्वरी समाज के उत्थान हेतु विगत चार वर्षों से 'महेश-पुत्र' मासिक-पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं।

आप धर्म के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना जगाने का प्रयास करते हैं। अतः १९७४ ई० में आपात-काल के संकेत मिलने पर आप ने सुझाव दिया था कि इसके निदान हेतु लोग 'गोस्वामी तुलसीदासजी' की चौपाई – 'जासु राज्य प्रिय प्रजा दुखारी ………' लिख कर मकानों एवं दीवारों पर चिपकायें। गणगौर को आप जन-जागरण का पर्व मानते हैं।

आप प्रबुद्ध राष्ट्रवादी पत्रकार हैं। •

अमर कुमार झिंगन

आप का जन्म २३ सितम्बर १९३४ ई० को कलकत्ता में हुआ। लक्ष्मीकान्त झिंगन के आप पुत्र हैं। आप ने कलकत्ता विश्व-विद्यालय से बी. काम. तथा हिन्दी साहित्य

सम्मेलन से विशारद की उपाधि प्राप्त की। कलकत्ता मर्चेन्टस् एसोसियेशन के आप सक्रिय सदस्य हैं।



छात्रावस्था से ही साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यों में आप की रुचि रही। आप के लेख पत्र-पत्रिकाओं प्रकाशित होते रहते हैं। सम्प्रति आप सारस्वत खत्री संस्कृति परिषद के सचिव तथा सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय के संयुक्त सचिव हैं। बंगीय हिन्दी परिषद से भी आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। ●

मांगेराम गर्ग

आप का जन्म २ अक्टूबर १९३६ ई० को परभूवाला (हिसार) में हुआ। मामनचन्द गर्ग के आप पुत्र हैं। आप ने दिल्ली-अजमेर बोर्ड से साहित्य विशारद तथा पंजाब विश्वविद्यालय से रत्न की उपाधि प्राप्त की।



कलकत्ता महानगर ही आप का कार्य स्थल है। सम्प्रति आप रसायन उद्योग के लब्ध-प्रतिष्ठ उत्पादक हैं।

आप प्रकृति से उदारचेता तथा धर्मनिष्ठ हैं। सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप का प्रगाढ़ अनुराग है। १९७८-७९ ई० में लायन्स क्लब डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के आप डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गर्वनर रह चुके हैं। काशी विश्वनाथ सेवा समिति, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, पूर्वांचल कल्याण आश्रम, विश्व हिन्दू परिषद आदि विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं के आप कर्मठ सदस्य हैं। बांसतल्ला मोहल्ला कमेटी के आप मन्त्री रह चुके हैं।

राजनैतिक कार्यों में भी आप की रुचि है। सम्प्रति भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल शाखा के आप कोषाध्यक्ष हैं तथा केन्द्रीय प्रतिनिधि सभा के सदस्य। विभिन्न राजनैतिक आन्दोलनों में भाग ले कर आप ने कई बार कारावास के दण्ड का वरण किया है।

अपनी सदाशयता तथा निर्भीकता के लिए आप साथी कार्यकर्त्ताओं में लोकप्रिय हैं। ●

दौलत मल कोठारी

आप का जन्म २६ मई १९३६ ई० को सुजानगढ़ में हुआ। मानिक चन्द कोठारी के आप पुत्र हैं। चार्टर्ड एकाउन्टेंसी की उपाधि प्राप्त कर आप ने डी. एम. कोठारी एण्ड कम्पनी की स्थापना की। सम्प्रति आप अग्रगण्य लेखा-निरीक्षक हैं। मर्चेन्टस् चेम्बर आफ कामर्स के अध्यक्ष पद पर रहते हुए आप ने उसकी हीरक जयन्ती राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी के सानिध्य में सुसम्पन्न करवाई।

सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप का गहरा लगाव है। १९८०-८१ ई० के लिए आप लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट



३२२-बी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चुने गए। लियो क्लब के आप डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन रह चुके हैं। 'लायंस मिरर' के आप सम्पादक भी रहे।

आप श्वेताम्बर जैन समाज के कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय के आप उपमन्त्री रह चुके हैं। ओसवाल नवयुवक समिति के विभिन्न दायित्वपूर्ण पदों पर रह कर आप गत ३० वर्ष से इसके उन्नयन में सचेष्ट हैं। सुप्रसिद्ध दानवीर सोहनलाल दूगड़ की 'ओसवाल भवन' की परिकल्पना को आप ने अपने साथियों के सहयोग से मूर्त्त रूप दिया।

विभिन्न सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी संगठनों के परामर्शदातृ - मण्डल में आप हैं, यथा—कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, डाक - तार विभाग, पूर्वांचल आयात - निर्यात समिति, कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई कं०, आदि।

आप प्रगल्भ वक्ता तथा कुशल संगठन-कर्त्ता हैं। आप बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी हैं।

●

स्व. जुगमन्दिर दास जैन

आप का जन्म १६१२ ई० में हुआ। मात्र १३ वर्ष की उम्र में ही अर्थोपार्जन हेतु आप कलकत्ता आ गए। कठोर परिश्रम तथा तीक्ष्ण व्यावसायिक बुद्धि से कालांतर में स्टेनलेस स्टील बर्तनों के प्रमुख निर्माता के रूप में आपकी गणना होने लगी। इस उद्योग के उत्तरोत्तर विकास में आप का विशेष योगदान रहा। आप ऑल इंडिया स्टेनलेस स्टील इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन एवं ईस्ट इंडिया मेटल मर्चेन्ट एसोसियेशन की कार्यकारिणी समिति के सक्रिय सदस्य थे।



आप एक सच्चे देशभक्त तथा क्रांतिकारी थे। स्वाधीनता आन्दोलनों में आपने अदम्य साहस एवं उत्साह से योगदान किया।

साहित्य के सम्पादन में भी आपकी रुचि थी। पद्मावती पुरवाल डायरेक्टरी, जैन युग (साप्ताहिक) तथा मेटल मार्केट रिपोर्ट (दैनिक) का आपने सम्पादन किया। पद्मावती संदेश (मासिक) का भी आप प्रकाशन करते रहे।

जैन धर्म के प्रचार एवं प्रसार में भी आप का सक्रिय योगदान रहा। आप जैन ट्रस्ट, वीर शासन ट्रस्ट, श्री कुंद-कुंद दिगम्बर जैन विद्यालय (राजखेड़ा) एवं हकीम मौजीराम बंगालीलाल जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (फिरोजाबाद) के ट्रस्टी थे।

तरुणावस्था से ही आप उत्साहपूर्वक सार्वजनिक और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भाग लेते थे। आप विभिन्न जैन संस्थाओं के मंत्री, सभापति तथा उपसभापति रहे। आप दिगम्बर जैन भवन के सचिव, जैन सभा के अध्यक्ष, महावीर जयन्ती समारोह समिति एवं दिगम्बर जैन रथ-यात्रा कमेटी के सचिव रहे। आप भगवान महावीर २५०० वीं

निर्वाण महोत्सव समिति (कलकत्ता) के उपाध्यक्ष थे। श्री बंगाल-बिहार-उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन समिति (दिल्ली), स्यादवाद महाविद्यालय (वाराणसी), उदासीन आश्रम (ईसरी) आदि संस्थाओं की कार्यकारिणी के आप सक्रिय सदस्य थे।

आप दृढ़ संकल्पी तथा निर्भीक समाजसेवी थे। •

स्व. दामोदर दास बर्म्मन (राजा बाबू)

आप का जन्म १८५२ ई० में कलकत्ता में हुआ। राजाकटरा के विख्यात जमींदार दीवान श्यामल दास टण्डन आपके पिता थे। बंगाल चेम्बर आफ कामर्स के आप आजीवन सदस्य थे।



अपनी उत्कट सेवा भावना तथा दलित-दरिद्र वर्ग के उत्थान हेतु कार्यों से आप सर्वसाधारण में 'राजा बाबू' के उपनाम से लोकप्रिय हो गए। शिक्षा के प्रचार-प्रसार में आप सदैव तत्पर रहते थे। आप सारस्वत खत्री विद्यालय तथा बड़ाबाजार सिख संगत के संरक्षक (ट्रस्टी) थे। एशियाटिक सोसाइटी तथा इंडियन एसोसियेशन के आप आजीवन सदस्य थे। सनातन भारतीय संस्कृति के आप अनन्य श्रद्धालु थे।

आप का देहावसान १६ जून १९२३ ई० को कलकत्ता में ही हुआ। अपनी सराहनीय दरिद्रोपासना के लिए आप चिर विश्रुत रहेंगे। •

स्व. बैजनाथ देवड़ा

आप लब्धप्रतिष्ठ वकील थे। समाज सुधार में आप अग्रणी रहते थे। आप पर्दा प्रथा के विरोधी तथा शिक्षा-प्रचार के हिमायती थे। स्कूलों में जा कर आप बच्चों



की शिक्षा का निरीक्षण करते और उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते थे। मारवाड़ी सहायक समिति (सम्प्रति मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी) के आप उपसभापति थे। सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप सदा सक्रिय योगदान देते थे। •

स्व. ताजमल बोथरा

आप का जन्म पुनरासर (राजस्थान) में हुआ था। रावतमल बोथरा के आप पुत्र थे। आप प्रसिद्ध वस्त्र व्यवसायी थे।

आप प्रारम्भ से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे। जैन मुनि मंगलविजय महाराज के निर्देशन में अपने सहयोगियों बहादुरमल सिंघी, गणेशमल नाहटा आदि के साथ आपने सराक जाति के उद्धार का बीड़ा उठाया। जैन प्रचारक सभा के आप संस्थापक मंत्री थे। आप जैन श्वेताम्बर कांफ्रेस (बम्बई)

तथा श्री जिनदत्त सूरि सेवा-संघ के अमरावती अधिवेशन में मंत्री बनाये गये। पावापुरी तीर्थक्षेत्र के गाँव मन्दिर के पुनरुद्धार का शुभारम्भ आपने ही किया।

आप ओसवाल नवयुवक समिति के अध्यक्ष, ओसवाल नवयुवक समिति ट्रस्ट के चेयरमेन तथा जैन श्वेताम्बर पंचायती मंदिर के ट्रस्टी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। ओसवाल भवन के निर्माण तथा भगवान महावीर २५०० वाँ निर्वाण महोत्सव में आपका सक्रिय योगदान रहा।

जैन साहित्य में रुचि होने के साथ ही आपने 'संघपति सोमजी शाह' नामक सरस पुस्तक की रचना की। आप समय-समय पर छोटे-छोटे लेख भी पत्र-पत्रिकाओं में लिखते थे।

आप अत्यन्त सेवाभावी थे। आपकी इच्छानुसार आपकी आँखें परहितार्थ दान कर दी गयीं। आप का निधन २३ अप्रैल १६८० ई० को हुआ। अपनी गुणग्राहिता तथा कर्मठता के लिए आप स्मरणीय हैं। ●

स्व. मोतीलाल देवड़ा

महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतन्त्रता-संघर्ष में आपने सक्रिय रूप से भाग लिया। बड़ाबाजार कांग्रेस कमेटी के आप कर्मठ सदस्य थे।



समाजोत्थान के कार्यों में आप सदैव अग्रणी रहे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के माध्यम से आपने सराहनीय जनसेवा की। मारवाड़ी सभा पुस्तकालय से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे।

आप निस्पृह तथा निर्भय राष्ट्रसेवी थे। ●

स्व. रामेश्वर केजरीवाल

आप निष्ठावान समाज-सुधारक थे। अखिल भारतवर्षीय अग्रवाल महासभा के आप प्रधान मन्त्री रह चुके थे। महासभा द्वारा प्रकाशित मासिक-पत्र 'अग्रवाल' का



आपने सम्पादन भी किया। आल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के आप संस्थापकों में थे। महानगर की विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के माध्यम से आप ने महत्वपूर्ण जनसेवा की। ●

रघुनाथ प्रसाद खेतान

आप का जन्म १८ अक्टूबर १९१० ई० को कलकत्ता में हुआ। किशनलाल खेतान के आप पुत्र हैं। आपने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की।

सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों में आप की प्रारम्भ से ही प्रवृत्ति रही। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, बड़ाबाजार युवक सभा एवं रूंगटा हाईस्कूल के संस्थापकों में आप भी हैं। वर्त्तमान में आप बालिका शिक्षा

सदन, बाली शिक्षा समिति, राजस्थान छात्र निवास ट्रस्ट एवं खेतान एजूकेशनल एण्ड



चैरिटेबुल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। आप मुरारी लाल मेहता मन्दिर के सभापति, बालीगंज शिक्षा सदन के उपाध्यक्ष तथा मारवाड़ी सम्मेलन के मन्त्री रहे। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए आप सचेष्ट रहते हैं।

राजनीति के क्षेत्र में भी आप का उल्लेखनीय योगदान रहा। आप राज्य सभा के सदस्य तथा कांग्रेस संसदीय बोर्ड के कोषाध्यक्ष भी बने।

आप प्रगतिशील तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

नाथूराम पोद्दार

आप का जन्म ९ सितम्बर १९०९ ई० को लखीसराय (बिहार) में हुआ। गोपीराम



पोद्दार के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर आप रूई तथा सूते के व्यवसाय में संलग्न हैं।

आप प्रकृति के उपासक तथा धर्मपरायण व्यक्ति हैं। यौगिक संघ के आप सभापति रह चुके हैं। सम्प्रति जानकी महल वृन्दावन के आप ट्रस्टी हैं। ●

नागरमल पेड़ीवाल

आप का जन्म श्रावण शुक्ला २ संवत् १९६८ को मन्दरपुरा (गंगानगर) में हुआ। कालूराम पेड़ीवाल के आप पुत्र हैं। कलकत्ता महानगर के आप लब्ध-प्रतिष्ठ व्यवसायी हैं।



सामाजिक उत्थान में आप का दृढ़ विश्वास है। माहेश्वरी सभा तथा सम्बद्ध संस्थाओं (माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, आदि) में आप सक्रिय भूमिका निबाहते हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, नागरिक स्वास्थ्य संघ, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन आदि से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं।

अपनी पैतृक-स्थली के उन्नयन के प्रति आप सजग हैं। नोहर गोशाला, नोहर नागरिक परिषद, पेड़ीवाल दातव्य औषधालय (मन्दरपुरा), राजस्थान गो सेवा संघ आदि से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। नोहर

गोशाला ट्रस्ट तथा श्रीकृष्ण दास जाजू स्मारक ट्रस्ट के आप सदस्य हैं।

आप सेवाव्रती तथा सजग सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

पुरुषोत्तम केजड़ीवाल

आप का जन्म मगसिर वदी १३ संवत् १९६९ में फतेहपुर (राजस्थान) में हुआ। बैजनाथ केजड़ीवाल आप के पिता थे। टेक्सटाईल मर्चेण्टस एसोसियेशन के संस्थापकों में आप हैं। भारत चेम्बर आफ कामर्स तथा मर्चेण्टस् चेम्बर आफ कामर्स के आप सक्रिय सदस्य हैं।



सार्वजनिक सेवा तथा शैक्षणिक जगत में आप का विशेष अनुराग है। आप ज्ञान भारती विद्यालय के संस्थापक, बड़ाबाजार युवक सभा के सभापति, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा ज्ञान भारती व्यायामशाला के मंत्री रह चुके हैं। मारवाड़ी सम्मेलन स्टडी कमेटी तथा तरुण संघ के आप सदस्य हैं।

आप दृढ़ निश्चयी एवं संगठन कुशल समाज सेवी हैं। •

मातादीन खेतान

आप का जन्म १९१३ ई० में झुंझनूं (राजस्थान) में हुआ। भगवान दास खेतान के आप पुत्र हैं। आप चीनी के अग्रगण्य व्यवसायी हैं। बंगाल सूगर मर्चेण्टस एसोसियेशन तथा इण्डियन सूगर डेवलपमेंट काउंसिल के आप सभापति रह चुके हैं। भारत चेम्बर आफ कामर्स तथा भारत गन्ना विकास परिषद के आप सक्रिय सदस्य हैं।



अनेक सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप बड़ाबाजार युवक सभा तथा ज्ञान भारती के सभापति, श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी अस्पताल के प्रबंध मंत्री, राष्ट्रीय रेलवे तथा कलकत्ता टेलीफोन की उपभोक्ता परामर्शदातृ समितियों के सदस्य रह चुके हैं। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के आप आजीवन सदस्य हैं तथा श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय से सम्बद्ध हैं।

अपनी पैतृक-स्थली के उन्नयन में आप को अनुरक्ति है। झुंझनूं प्रगति संघ के आप सभापति रह चुके हैं और वर्त्तमान में चाओ सती मंदिर ट्रस्ट (झुंझनूं) के अध्यक्ष हैं।

आप जागरुक तथा निष्ठावान समाजसेवी हैं। •

मदन लाल पाटोदिया

आप का जन्म आश्विन सुदी २ संवत् १९७२ को बरहज (गोरखपुर) में हुआ। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर कलकत्ता में आप सूत व्यवसाय में संलग्न हैं। आप कलकत्ता यार्न मर्चेण्टस् एसोसियेशन के

सभापति तथा मन्त्री रह चुके हैं। इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स तथा भारत चेम्बर आफ कामर्स के आप सदस्य हैं।



आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय, पार्क सर्कस कल्याण संसद तथा पाटोदिया वेल्फेयर सोसाइटी के मन्त्री हैं। आप मदनलाल बृजलाल पाटोदिया ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा पार्क सर्कस इन्स्टीच्यूट के उपसभापति रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, विशुद्धानन्द सरस्वती दातव्य औषधालय, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, हनुमान परिषद तथा संगीत कला मन्दिर के आप सक्रिय सदस्य हैं।

उड़ीसा के एक गाँव में आपने अपने भाई के साथ मिल कर 'आनन्दराम पाटोदिया हाईस्कूल' की स्थापना की, जिसके लिए बड़ाबाजार पोस्ता उड़िया मजदूर यूनियन ने आप का अभिनन्दन किया। नवलगढ़ के विद्यालय, दातव्य औषधालय तथा राणी सती मन्दिर के उन्नयन में आप उत्साही सहयोगी हैं।

आप शिक्षाप्रेमी तथा सेवाभावी सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

रामेश्वर मिश्र

आप का जन्म १० अप्रैल १९१५ ई० को बड़हरवा (संथाल परगना) में हुआ। जगदेव मिश्र आपके पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने एम. कॉम. की उपाधि प्राप्त की।

पूर्व रेलवे के प्रधान कार्यालय में आप ने श्रमिक कल्याण निरीक्षक तथा इण्टक के शाखा सचिव के रूप में कार्य किया। १९५७ ई० में आप हिन्दी प्रशिक्षण पर्यवेक्षक के रुप में नियुक्त हुए।



सार्वजनिक कार्यों में आप की अनुरक्ति है। 'मित्र-मण्डली' के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके माध्यम से आपने बिहार के दुर्भिक्ष तथा बाढ़ के प्रकोप से पीड़ितों के लिए राहत कार्य की व्यवस्था की। संथाल परगना में बिन्दुधाम सिदोकान्हू महाविद्यालय की स्थापना में आपने सक्रिय योगदान किया।

आप हिन्दी तथा अंग्रेजी – दोनों ही भाषाओं में लिखते हैं। सम्प्रति रेखायन (मासिक) के आप सम्पादक हैं। ●

माधो दास मूंधड़ा

आप का जन्म १ मार्च १९१८ ई० को बीकानेर (राजस्थान) में हुआ। गिरधर दास मूंधड़ा के आप पुत्र हैं। आपने वाणिज्य में स्नातकीय उपाधि प्राप्त की है। सम्प्रति आप विभिन्न उद्योगों से सम्बद्ध हैं। सामाजिक तथा शैक्षणिक जगत में आप की विशेष अभिरुचि है। आप माहेश्वरी सभा



ट्रस्ट, माहेश्वरी भवन ट्रस्ट बोर्ड एवं श्रीकृष्ण दास जाजू ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं।

अपनी प्राचीन संस्कृति तथा स्वदेशी भाषाओं के उन्नयन हेतु आप सदैव प्रयत्नशील हैं। आप भारतीय संस्कृति संसद ट्रस्ट तथा भारतीय विद्या मन्दिर के ट्रस्टी हैं। भारतीय भाषा परिषद के आप सक्रिय सदस्य हैं। आप स्वाभिमानी तथा आस्थावान समाजसेवी हैं। ●

ज्ञानेन्द्र नाथ खन्ना

आप का जन्म ७ जुलाई १९२० ई० को कलकत्ता में हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी दामोदर दास खन्ना (लाला बाबू) के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त की है।



आप की सार्वजनिक तथा सामाजिक कार्यों में प्रगाढ़ रुचि है। सम्प्रति आप सारस्वत खत्री विद्यालय के सचिव हैं। श्री शिवकुमार संस्कृत विद्यार्थी भवन तथा हनुमान मन्दिर न्यासों के आप संरक्षक हैं। यशस्वी पिता के समान ललित कलाओं में भी आपका गहरा अनुराग है। अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन न्यास के आप संरक्षक हैं।

आप कर्त्तव्य-परायण तथा उदार-चेता समाजसेवी हैं। ●

रत्नप्रभा जैन

आप का जन्म १९२५ ई० को हुआ। आप दिगम्बर जैन बालिका विद्यालय में धर्म की प्रधान शिक्षिका तथा प्राथमिक विभाग की अनुदेशिका रह चुकी हैं।

आप विदुषी, सरल-स्वभावी तथा अनुशासनप्रिय महिला हैं। धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में आप सक्रिय रहती हैं। ●

हरिराम जालुका

आप का जन्म १९२६ ई० में कलकत्ता में हुआ। आपके पिता श्रीलाल जालुका थे। आप वाटरप्रूफ कागज के निर्माता एवं फोम के विक्रेता हैं।



समाज, सेवा की ओर आपकी प्रवृत्ति झुकी हुई है। आप बड़ाबाजार युवक सभा के उपाध्यक्ष, कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के

कोषाध्यक्ष तथा जोड़ासांकू जनकल्याण परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के भी आप सदस्य हैं।

आप राजनीति में सक्रिय हैं। उत्तर-पश्चिम कलकत्ता भारतीय जनता पार्टी के आप अध्यक्ष हैं तथा दलीय कार्य में तत्पर रहते हैं। ●

महावीर प्रसाद नारसरिया

आप का जन्म ११ जनवरी १९२७ ई० को रामगढ़ (सीकर) में हुआ। गनपतराम नारसरिया के आप दत्तक पुत्र हैं। इण्टरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त कर आप विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के व्यावसायिक प्रतिनिधि के रूप में कलकत्ता महानगर में कार्यरत हैं।



अपनी सनातन संस्कृति तथा गोवंश के उन्नयन हेतु आप सदैव सचेष्ट हैं। सम्प्रति राजस्थान गोसेवा संघ के आप संयोजक हैं। १९८० ई० के भीषण अकाल के समय इस संघ के माध्यम से ४१ लाख रुपये एकत्र कर सराहनीय राहत कार्य किया गया। सम्प्रति आप वैचारिक मंच कलकत्ता नागरिक संघ के मन्त्री, राजस्थान परिषद के संयुक्त मंत्री, रामगढ़ नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष तथा श्रीराम सत्संग ट्रस्ट (रामगढ़) के ट्रस्टी हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, कुम्हारटोली सेवा समिति तथा श्रीकृष्ण गोशाला रामगढ़ के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय तथा माहेश्वरी पुस्तकालय के आप निष्ठावान सदस्य हैं।

आप राष्ट्रवादी राजनीति के पोषक तथा प्रगल्भ वक्ता हैं। सम्प्रति भारतीय जनता पार्टी के आप कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं।

आप दृढ़ आस्थावान तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

परमानन्द गोयल

आप का जन्म १० जुलाई १९२७ ई० को हिसार (हरियाणा) में हुआ। रामजीलाल गोयल के आप पुत्र हैं। कलकत्ता तथा दिल्ली में आप ने प्लास्टिक के कारखाने लगाए हैं।



आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा मिलनसार व्यक्ति हैं। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय, ज्ञान भारती विद्यालय तथा सत्-साहित्य प्रकाशन (बम्बई) के आप आजीवन सदस्य हैं। आप महानगर की विभिन्न धार्मिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के भी आजीवन सदस्य हैं, यथा—मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, काशीनाथ सेवा समिति, विशुद्धानन्द हास्पिटल, हरियाणा नागरिक संघ, कलकत्ता

पिंजरापोल सोसाइटी, हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला, आदि। हरियाणा चैरिटेबल ट्रस्ट, रामचरित मानस भवन ट्रस्ट (अयोध्या), आदि के आप सक्रिय सदस्य हैं। ●

रामाधीन शर्मा 'वशिष्ठ'

आप का जन्म १ नवम्बर १९२७ ई० को सिधावली (आगरा) में हुआ। पंडित लक्ष्मीनारायण मिश्र आप के पिता थे। वैद्य विशारद एवं आयुर्वेद रत्न की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता महानगर में आयुर्वेदिक चिकित्सक (कविराज) के रूप में कार्यरत हैं।



प्रारम्भ से ही सार्वजनिक संस्थाओं में आप का अनुराग रहा है। बड़ाबाजार की विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं, यथा – पंजाब सेवा समिति, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, बड़ाबाजार युवक सभा, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी आदि के आप सक्रिय सदस्य हैं। ●

नथमल बजाज

आप का जन्म १९२७ ई० में कलकत्ता में हुआ। बृजमोहन बजाज के आप पुत्र हैं। कालेज तक शिक्षा प्राप्त कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं। आप टेक्सटाइल मर्चेण्टस एसोसियेशन के सभापति तथा मर्चेण्टस चेम्बर आफ कामर्स की टेक्सटाईल कमेटी के चेयरमैन रह चुके हैं।

तरुणावस्था से ही सार्वजनिक सेवा क्षेत्र की ओर आप उन्मुख हो गए। आप १९५०



ई० से ही मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी से सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। विभिन्न पदों पर अपना दायित्व निर्वाह करते हुए आप १९६९ ई० में सोसाइटी के प्रधान मन्त्री बने। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के आप स्थायी सदस्य हैं। शैक्षणिक जगत में आपकी गहन अभिरुचि है। आप ज्ञान भारती विद्यालय के संस्थापक सदस्य, बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के कोषाध्यक्ष तथा श्री-शिक्षायतन की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। गोरक्षा में भी आपकी अनुरक्ति है। बिसाऊ पिंजरापोल के आप सभापति रहे।

आप व्यवहार कुशल तथा संगठन-सक्षम समाजसेवी हैं। ●

नगीन दास मेहता

आप का जन्म १९२८ ई० में अदिस-अबाबा (इथियोपिया) में हुआ। नेमचन्द मेहता आप के पिता थे। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप रसायन उद्योग में संलग्न हैं। इंडियन केमिकल मर्चेण्टस् एण्ड मैन्युफेक्चरर्स एसोसियेशन के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में आपने डायरी-सह-निर्देशिका प्रकाशित करवाई जो सर्वत्र प्रशंसित हुई।

सामाजिक उत्थान में भी आप की रुचि है। कलकत्ता गुजराती समाज के आप तीन



वर्ष तक सचिव रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में अनवरत प्रयास से रेलवे प्रशासन द्वारा हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस प्रारम्भ करवाने में आपने सराहनीय सफलता पाई। आप के सम्पादन में इस संस्था की एक बहु चर्चित तथा उपयोगी स्मारिका भी प्रकाशित हुई। अखिल भारत गुजराती समाज (पूर्वांचल) के आप उपाध्यक्ष हैं तथा एस. वी. वेलफेयर फाउंडेशन की कार्यकारिणी के सदस्य।

आप प्रबुद्ध तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

स्व. नारमल लोहिया

आप का जन्म चुरु (राजस्थान) में हुआ। आप बड़ाबाजार क्षेत्र के अग्रणी व्यवसायी तथा शीर्ष समाजसेवी थे।

आप बड़े नीति-निपुण तथा दबंग व्यक्ति थे। सामाजिक अथवा सार्वजनिक विवादों पर पंचायत फैसले करने में आप की प्रमुख भूमिका रहती थी। आप का निर्णय युक्तिसंगत तथा सर्वमान्य होता था। यदि कोई व्यक्ति अनजाने में विपत्ति में फँस जाता था, तो आप दृढ़तापूर्वक उसका उद्धार करते थे। बंगाल प्रांत में मारवाड़ी जाति के सुयश का विस्तार करने में आप स्मरणीय रहेंगे।

आप की सराहनीय समाज सेवा की स्मृति में पांचा गली का नाम 'नारमल लोहिया लेन' रख दिया गया। •

स्व. लक्खी बीबी (मेहरा)

आप का जन्म २ जनवरी १८७७ ई० को कलकत्ता में हुआ। आपके पति समाज-सेवी तथा शिक्षानुरागी कालका प्रसाद मेहरा थे जो दिग्गज आचार्यों, यथा–गोविन्द नारायण मिश्र, छोटूलाल मिश्र, दुर्गा प्रसाद मिश्र आदि के निकट सम्पर्क में रहे। स्वभावतया आप में भी साहित्य एवं शिक्षा के प्रति प्रबल अनुराग उत्पन्न हुआ।



जब सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय की स्थापना का प्रश्न उठा, तब आप ने अपने भवन का बहुत बड़ा भाग इसके लिए दान स्वरुप प्रदत्त कर अपनी सदाशयता का परिचय दिया। आपके अथक प्रयत्नों से ही इस विद्यालय का संचालन का भार खत्री समाज की महिलाओं पर सौंपा गया जो कि तत्कालीन रुढ़िवादी समाज में एक क्रांतिकारी कदम था। आप आजन्म स्त्री-शिक्षा प्रसार के लिए प्रयत्नशील रहीं।

आप सनातन धर्मावलम्बी थीं। धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन-मनन तथा दीन-दुखियों की मदद करने में आप की प्रगाढ़ अनुरक्ति थी। २४ जनवरी १९४८ ई० को आप ने परलोक गमन किया। नारी शिक्षा प्रसार में स्तुत्य योगदान के लिए आप स्मरणीय रहेंगी। •

स्व. बनारसी दास केड़िया

आप का जन्म १९०२ ई० में भागलपुर में हुआ था। बद्री प्रसाद केड़िया के आप पुत्र थे। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप हेसियन बोरा व्यवसाय में संलग्न हो गए। गनी एसोसियेशन की कार्यकारिणी के आप सदस्य थे।



बड़ाबाजार अंचल की विभिन्न सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं में आप सोत्साह भाग लेते थे। सामाजिक रुढ़ियों तथा अंधविश्वासों को दूर करने के लिए आप कटिबद्ध थे। मृतक भोज तथा पर्दाप्रथा के विरुद्ध आंदोलनों में आप अग्रणी रहते थे।

आप शिक्षानुरागी थे। आप भारतीय नि:शुल्क विद्यालय (लिलुआ) के संस्थापक तथा श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के सहमंत्री थे।

आप का निधन १९६० ई० में हुआ। आप कर्मठ समाज सुधारक थे। •

राधाकृष्ण छावछरिया

आप का जन्म २६ फरवरी १९०२ ई० को जटनी (उड़ीसा) में हुआ। मन्नालाल छावछरिया आपके पिता थे। जीवन-संग्राम का प्रारंभ आपने बम्बई जा कर जूट तथा कपड़े की दलाली शुरु से किया। शीघ्र ही आप 'बिड़ला समूह' से सम्बद्ध हो गए और १९१८ ई० में कलकत्ता आ गए। वर्त्तमान में लिलुआ में आप की एल्युमीनियम की फैक्टरी है।



सार्वजनिक तथा सामाजिक कार्यों में आप की रुचि है। आप बिड़ला क्लब तथा केड़िया जातीय सभा के अध्यक्ष रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप हिसाब परीक्षक बने।

अपने पूर्वजों की जन्मस्थली नवलगढ़ के विकास में आप का अनुराग है। नवलगढ़ विद्यालय तथा अन्यान्य संस्थाओं के उत्थान हेतु आप सचेष्ट रहते हैं।

तीर्थस्थानों की यात्रा तथा विदेशों का पर्यटन आपकी भ्रमणशील मनोवृत्ति का परिचायक है। बिड़ला उद्योग की अपनी सुदीर्घ तथा सराहनीय सेवा हेतु सहयोगी कर्मीवृन्द द्वारा १९६९ ई० में आप का अभिनन्दन किया गया। •

स्व. कन्हैयालाल टण्डन

आप का जन्म जुलाई १९०२ ई० में कलकत्ता में हुआ। मुन्नीलाल खत्री के आप पुत्र थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. की शिक्षा प्राप्त करने के दौरान आप स्वाधीनता-संग्राम में कूद पड़े। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा हेमन्त बोस के साथ रह कर आप ने आन्दोलनों में भाग लिया। कालान्तर में 'फार्वर्ड ब्लॉक' दल का गठन होने पर आप उसमें शामिल हो गए।

सार्वजनिक तथा सामाजिक कार्यों में आप सदैव तत्पर रहते थे। आप पांचेरपल्ली



सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के संस्थापक-अध्यक्ष थे। बिहार और बंगाल प्रान्तों में बाढ़-पीड़ितों की सहायतार्थ आप वस्त्र देते रहते थे।

स्त्री-शिक्षा के प्रचार में आप विशेष सचेष्ट थे। सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय के उन्नयन हेतु आप आजीवन प्रयत्नशील रहे। प्रति वर्ष खत्री विद्यालय से उत्तीर्ण होनेवाले ३-४ छात्रों को कलकत्ता विश्व-विद्यालय में प्रवेश हेतु आप शुल्क (फीस) प्रदान करते थे। हनुमान मन्दिर भवन का निर्माण आपकी देख-रेख में हुआ था।

क्रीड़ा जगत में आपकी गहरी अभिरुचि थी। आप ए. आई. एफ. एफ. तथा एन. सी. सी. के उपाध्यक्ष रह चुके थे एवं मोहन बागान तथा ईस्ट बंगाल क्लबों के सदस्य थे। आप का निधन १८ मई १९७० ई० को ६७ वर्ष की उम्र में हुआ। आप जागरूक राष्ट्र-प्रेमी तथा प्रगतिशील व्यक्ति थे। ●

स्व. मोहनलाल बाँठिया

आप का जन्म ३० नवम्बर १९०८ ई० को चुरु (राजस्थान) में हुआ था। छोटूलाल बाँठिया आप के पिता थे। आपने वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की तथा संस्कृत का अध्ययन 'प्रथमा' तक किया।

आप प्रकृति से धर्म-परायण तथा चिन्तन-शील थे। आप श्वेताम्बर आम्नाय के जैन धर्मावलम्बी थे। जैन दर्शन तथा संस्कृति के प्रचार-प्रसार में आप सदैव सचेष्ट रहे। आप ओसवाल नवयुवक समिति तथा जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय के संस्थापक सदस्य थे। जैन भारती का आपने दीर्घ काल तक सम्पादन किया। जैन पदार्थ विज्ञान पर 'पुद्गल' नामक पुस्तक आप की एक अनूठी कृति थी। लेश्या कोष, क्रिया कोष तथा वर्द्धमान जीवन कोष के सम्पादन में आप का विशेष योगदान रहा।

हृदय-गति अवरुद्ध हो जाने से आप का निधन २३ सितम्बर १९७६ ई० को हो गया। जातीय उत्थान में अपने योगदान से आप ओसवाल समाज के लिए प्रेरणा-स्रोत बन गए थे। ●

प्रो. रामकृष्ण रंगा

आप का जन्म संवत १९६६ में कलकत्ता में हुआ। राधाकृष्ण रंगा आप के पिता थे। १९२२ ई० में कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। आप बहुमुखी प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं।

१९४० ई० में आपने फिलम क्षेत्र में प्रवेश किया। कलकत्ते में निर्मित कई चल-चित्रों में आपने अभिनेता एवं गायक के रूप में कार्य किया। बड़ाबाजार अंचल में समय-समय पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आपने अपना संगीत प्रस्तुत किया। आप कुशल जादूगर तथा पारखी जौहरी भी हैं।

बड़ाबाजार युवक सभा द्वारा आयोजित 'शारीरिक सौष्ठव' प्रतियोगिता आपने दो बार जीती। १९३४ ई० तथा १९३६ ई० में इलाहाबाद तथा लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय शारीरिक सौष्ठव प्रतियोगिताएँ

(आल इंडिया फिजिकल कल्चर एंड बाडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप) में आप ने विजय प्राप्त की। बम्बई के एक सर्कस प्रदर्शन में आपने अपने शरीर पर हाथी चलवा कर असाधारण बल-पौरुष का प्रदर्शन किया। आप ने अमेरिका में 'बाक्सिंग' तथा जापान में 'जूडो' का प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्म-रक्षा की इन विधाओं में भी महारत हासिल की। बर्मा में आपने 'शिवजी व्यायामशाला' स्थापित की।

अपनी बहुआयामी सफलताओं से आप 'बाडी-बिल्डिंग' के क्षेत्र में हमारे नवयुवकों के लिए आदर्श बन गए हैं। •

विद्याभूषण चिन्तामणि

आप का जन्म ५ नवम्बर १६११ ईस्वी को उदयपुर (राजस्थान) में हुआ। आप ने जयपुर तथा वाराणसी में शिक्षा प्राप्त कर जैन दर्शन में शास्त्री एवं न्यायतीर्थ की उपाधि प्राप्त की। १६३६ ई० में आप उदयपुर से कलकत्ता आए। तदुपरान्त शेयर बाजार तथा ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में आप कार्यरत रहे।

१६३० ई० से ही स्वाधीनता संग्राम में आपने सक्रिय रुप से भाग लिया। १६४२ ई० में आप लोकनायक जयप्रकाश नारायण के निकट सम्पर्क में आए।

आप सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में सदैव तत्पर रहते हैं। राजस्थानी प्रवासी बन्धुओं के मध्य समाज-सुधार तथा शैक्षणिक जागृति हेतु आप प्रयत्नशील हैं। राजस्थान सेवा समिति, बंगाल अकाल सेवा समिति तथा व्रज गो सेवा समिति में प्रख्यात समाजसेवी भगीरथ कानोड़िया के निर्देशन में आपने सेवा कार्य किया।

आपने हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला तथा गुजराती साहित्य का गहरा अध्ययन किया। सुप्रसिद्ध समाजसेवी रामगोपाल मोहता के ग्रंथ 'गीता के व्यवहार दर्शन' का आपने सम्पादन किया। भारतीय भाषा परिषद, भारतीय संस्कृति संसद, सेठ सूरजमल जालान पुस्तकालय आदि विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रुप में सम्बद्ध हैं।

आप प्रबुद्ध विचारक तथा लगनशील व्यक्ति हैं। •

दीपचन्द नाहटा

आप का जन्म आश्विन १६७१ विक्रमी संवत में बीकानेर में हुआ। प्रेमचन्द नाहटा आपके पिता थे।



आप श्वेताम्बर जैन (मूर्त्तिपूजक आम्नाय) धर्मावलम्बी हैं। जैन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए आपने अपना जीवन अर्पित कर दिया है। श्री जैन श्वेताम्बर पंचायती मंदिर का विधि-विधान बनाने में आप की प्रमुख भूमिका रही। जैन सेवा समिति के आप संस्थापकों में हैं। अनेक वर्ष तक आप इसके मंत्री रहे। १६३६ ई० में विभिन्न मतावलम्बी जैनों में एकता हेतु 'श्री जैन सभा' की स्थापना में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस संस्था के तत्वावधान में आपके सहयोग से राजगृह में एक आयुर्वेदिक औषधालय १६५० ई० में स्थापित किया गया। सम्प्रति आप इसकी जैन साहित्य प्रकाशन समिति के सचिव हैं। महानगर की विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं से भी आप सक्रिय रुप में सम्बद्ध हैं। •

रुलियाराम गुप्त

आप का जन्म मार्च १९१५ ई० में खड़ककलां (हरियाणा) में हुआ। सांवल दास गुप्त के आप पुत्र हैं। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप कलकत्ता आ गए। सम्प्रति कागज तथा मुद्रण व्यवसाय में आप संलग्न हैं। कलकत्ता पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन के आप सम्मानित सदस्य हैं।



आप धर्मनिष्ठ, गम्भीर तथा उदार व्यक्ति हैं। आप कलकत्ता आर्य समाज के अध्यक्ष, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के वित्त मंत्री तथा हरियाणा नागरिक संघ के हिसाब निरीक्षक रह चुके हैं। हरियाणा चैरिटेबल सोसाइटी के आप आजीवन सदस्य हैं।

अपने पैतृक ग्राम खड़ककलां में आपने पिता की स्मृति में 'सांवलदास कल्याण केन्द्र' बनवा कर रेडक्रास को दे दिया है।

आप सेवानिष्ठ तथा आस्थावान व्यक्ति हैं। ●

बाबूराम कपूर

आप का जन्म ६ अप्रैल १९१६ ई० को कलकत्ता में हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर आप विद्युत-व्यवसाय में संलग्न हैं। कलकत्ता इलेक्ट्रिक एसोसियेशन के आप सभापति रह चुके हैं।

छात्रावस्था में ही किशनचन्द बेरी प्रभृति मित्रों के सहयोग से आपने 'बड़ाबाजार जिला छात्र कांफ्रेंस' की स्थापना की, जिसकी



अध्यक्षता राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ने की। असहयोग आंदोलन में आप ने भाग लिया तथा बड़ाबाजार कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे।

आप शिक्षानुरागी हैं। छात्रावस्था में ही बाल सखा काशी प्रसाद मोदी के सहयोग से आपने 'हिन्दी लिटरेरी सोसाइटी' की स्थापना की। श्री सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय से आप घनिष्ठ रुप में सम्बद्ध हैं।

जातीय उत्थान के प्रति आप सतत जागरुक हैं। आप श्री सारस्वत खत्री संस्कृति परिषद के सभापति तथा खत्री सभा के सचिव रह चुके हैं।

आप उत्साही तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

तुलसी दास व्यास

आप का जन्म बैसाख बदी १३ संवत १९७६ को तेलीपाड़ा चौक (बीकानेर) में हुआ। बुलाकीदास व्यास के आप पुत्र हैं। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप व्यवसाय में संलग्न हैं। कलकत्ता महानगर ही आप का कार्यस्थल है।

प्रारम्भ से ही आप कांग्रेस के सक्रिय सदस्य हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कर्मी सभा की १९७६ ई० में आपने स्थापना की, वर्त्तमान में कार्यकारी अध्यक्ष हैं।



सार्वजनिक तथा सांस्कृतिक कार्यों में आप का अनुराग है। आप पुष्टिकर सेवा समिति के संस्थापक, अध्यक्ष तथा मंत्री रह चुके हैं। पुष्टिकर ब्रह्म बगीचा (लिलुआ) के लिए ट्रस्ट बनाने में आपने प्रमुख रुप से भाग लिया। शिवठाकुर गली मोहल्ला कमेटी के आप मन्त्री रह चुके हैं। संगीत साधना संगम नामक संस्था की स्थापना में आप का विशेष योगदान रहा।

पैतृक-स्थली बीकानेर में आपने मानव सेवा आश्रम की स्थापना की। आप संगठन-सक्षम तथा प्रबुद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं।●

गोविन्द प्रसाद कानोड़िया

आप का जन्म मुकुन्दगढ़ (राजस्थान) में हुआ है। आपने उच्च शिक्षा प्राप्त की है।

स्वाधीनता संघर्ष के दौरान १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में आपने गुप्त रूप से स्वाधीनता सेनानियों की मदद की।

छोटे बच्चों की शिक्षा में आपकी विशेष रुचि है। अभिनव भारती के संचालन में आप की मुख्य भूमिका रही। सामाजिक संस्थाओं में आप सक्रिय भाग लेते हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के आप मंत्री रह चुके हैं। समाज सुधार के आंदोलनों, यथा—पर्दा प्रथा



विरोध आदि में आपने सत्याग्रहियों का प्रतिनिधित्व किया। आप शिक्षाव्रती तथा समाज सुधारक हैं। ●

सूर्यरतन चाण्डक

आप का जन्म २० जुलाई १९२३ ई० को नापासर (बीकानेर) में हुआ। लूनकरण चाण्डक के आप पुत्र हैं। बाल्यावस्था में ही आप कलकत्ता आ गए। आप ने कालेज की शिक्षा प्राप्त की तथा प्रयाग हिन्दी साहित्य सम्मेलन की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्त्तमान में आप बीमा तथा शेयर व्यवसाय में संलग्न हैं।



सामाजिक, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं में आप सक्रिय रुप से भाग लेते हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी विद्यालय, मुखराम

कानोड़िया विद्यालय, माहेश्वरी बालिका विद्यालय, तरुण संघ, अनामिका तथा थियेटर सेन्टर से आप घनिष्ठ रुप में सम्बद्ध हैं। समाज सुधार, यथा– विधवा विवाह समर्थन, दहेज प्रथा विरोध आदि में आप प्रयत्नशील रहते हैं।

आप उत्साही सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

बनवारी लाल शर्मा

आप का जन्म १ मई १९२४ ई० को पिलानी में हुआ। रामजीलाल शर्मा के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.कॉम., एल.एल-बी. की उपाधि प्राप्त कर आप



कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रुप में कार्य रत हैं। सुदीर्घ काल से आप प्रसिद्ध सोलीसीटर्स फर्म पी.डी. हिम्मतसिंहका से सम्बद्ध हैं।

आप प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में दृढ़ आस्थावान हैं। यौगिक संघ के आप उत्साही मंत्री हैं। सामाजिक सेवा कार्य में आप की अधिक रुचि है। ●

कृष्णकान्त शास्त्री

आप का जन्म २३ जुलाई १९२७ ई० को कलकत्ता में हुआ। उद्‌भट विद्वान पं० गांगेय नरोत्तम शास्त्री आप के पिता थे। आपने बी.एस-सी. तक शिक्षा प्राप्त की।

आप प्रकृति से साहसी, स्पष्ट वक्ता तथा राष्ट्रवादी हैं। बड़ाबाजार युवा कांग्रेस के आप सदस्य रह चुके हैं। १९४५ ई० से ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान सदस्य हैं। भारतीय जनसंघ की स्थापना काल से ही आप उससे सक्रिय रुप में सम्बद्ध हैं। वर्त्तमान में भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंग शाखा की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं। प्रभुदत्त ब्रह्मचारी तथा स्वामी करपात्री महाराज द्वारा संचालित गो-रक्षा आंदोलनों में आपने सक्रिय भाग लिया तथा कारावास के दण्ड का वरण किया।

काशी विश्वनाथ सेवा समिति तथा श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप उत्साही सदस्य हैं। बालिका शिक्षा सदन तथा श्री सारस्वत खत्री विद्यालय की प्रबंधकारिणी के आप वरिष्ठ सदस्य हैं।

अपनी ध्येय निष्ठा तथा निर्भीकता के लिए आप साथी कार्यकर्त्ताओं में लोकप्रिय हैं। ●

प्यारेलाल जैन

आप का जन्म संवत् १९८५ में हुआ। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप वस्त्र-



व्यवसाय में संलग्न हैं। सेण्ट्रल कलकत्ता

मर्चेण्टस एसोसियेशन के भी आप सक्रिय सदस्य हैं।

आप कर्मठ तथा धर्मप्राण प्रकृति के हैं। आप श्री दिगम्बर जैन युवक समिति के सभापति, श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर तथा श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पंचकल्याणक विधान समारोह के मन्त्री रह चुके हैं। श्री दिगम्बर जैन भवन तथा वीर शासन ट्रस्ट के आप ट्रस्टी हैं।

आप राष्ट्रवादी विचार धारा के पोषक हैं। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के आप कर्मठ सदस्य हैं। आप दृढ़ निश्चयी, संगठन सक्षम तथा उत्साही समाजसेवी हैं। ●

स्व. नवरतनमल बांठिया

आप का जन्म २८ जून १६२६ ई० को चूरू (राजस्थान) में हुआ था। मोहनलाल बांठिया आप के पिता थे। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से आपने बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण की।



सामाजिक कार्यों में आपकी बचपन से ही रूचि थी। ओसवाल नवयुवक समिति के आप दीर्घकाल तक मंत्री और ट्रस्टी रहे। आपके मंत्रित्व काल में ही ओसवाल भवन का निर्माण हुआ। व्यायाम और खेलों के प्रति आपकी प्रगाढ़ रूचि थी। ओसवाल युवक समिति द्वारा संचालित व्यायामशाला से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध रहे। ओसवाल भवन में ही आपने एक अत्याधुनिक क्लब की स्थापना की। आपके विचार भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत थे।

आप का निधन ७ फरवरी १६८१ ई० को हुआ। आप संगठन कुशल तथा दृढ़-प्रतिज्ञ समाजसेवी थे। ●

स्व. हरस्वरूप मेहरोत्रा

आप का जन्म १६३० ई० में बरेली (उत्तर प्रदेश) में हुआ। डॉ० राजाराम मेहरोत्रा के आप पुत्र थे। अलीगढ़ विश्व-विद्यालय से आपने बी. ए. की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात आप प्रशासकीय सेवा में संलग्न हो गये।



आप प्राकृतिक चिकित्सा तथा नैसर्गिक वातावरण के अनन्य प्रेमी थे। यौगिक संघ के आप मन्त्री रह चुके थे। वयोवृद्ध होते हुए भी आप प्रतिदिन योगाभ्यास एवं कसरत करते थे और नवयुवकों के लिए प्रेरणास्रोत बने गए थे।

आप सरल प्रकृति तथा उत्साही व्यक्ति थे। ●

लक्ष्मीनारायण तोदी

आप का जन्म ज्येष्ठ शुक्ला १२ संवत् १६६४ को नारायणगंज (बंगला देश) में हुआ। राधाकृष्ण तोदी के आप पुत्र हैं।

चार्टर्ड एकाउण्टेंसी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आपने 'एल. एन. तोदी एण्ड कम्पनी' लेखा-परीक्षक फर्म की स्थापना की।

आप धर्मनिष्ठ तथा प्रकृति प्रेमी हैं। उत्तराखण्ड की यात्रा आपने पैदल की। यौगिक संघ के आप अध्यक्ष हैं। विश्व हिन्दू परिषद तथा लायन्स क्लब आफ हावड़ा से आप सम्बद्ध हैं।

आप मिलनसार तथा निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

गोविन्द नारायण काकड़ा

आप का जन्म १५ नवम्बर १९३५ ई० में को डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। हंसराज काकड़ा के आप पुत्र हैं। आप ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम.कॉम, एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त की। आप स्वतन्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।



सामाजिक कार्यों में आप की तीव्र रुचि हैं। दाधीच परिषद तथा डीडवाना नागरिक परिषद के आप मन्त्री रह चुके हैं। बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सक्रिय वरिष्ठ सदस्य हैं। किशोरावस्था से ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक हैं। आपात्-काल में राजनैतिक पीड़ितों को आपने सक्रिय सहयोग दिया।

आप राष्ट्रवादी राजनीति के पोषक हैं। भारतीय जनसंघ की वार्ड नं० ४४ कमेटी के आप अध्यक्ष रह चुके हैं तथा नगर निगम चुनाव में प्रतिद्वन्दी भी। आप भारतीय जनसंघ के बड़ाबाजार मण्डल के मन्त्री तथा चुनाव संचालक भी रहे। वर्त्तमान में आप भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं।

आप व्यवहार कुशल तथा संघर्षशील व्यक्ति हैं। ●

स्व. नाथूराम सराफ

आप का जन्म संवत १८७४ में मण्डावा (शेखावाटी) में हुआ। अर्थोपार्जन हेतु आप प्रथम मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) और फिर नौका द्वारा कलकत्ता आ गए। यद्यपि यहाँ आपने अपना जीवन रसोइए के रुप में प्रारंभ किया पर शीघ्र ही अपनी तीक्ष्ण प्रतिभा से आपने कपड़े की दलाली प्रारंभ कर दी और किसल एण्ड घोष नामक प्रसिद्ध फर्म के ब्रोकर बन गए। आप ने कालक्रम में प्रचुर द्रव्योपार्जन किया तथा धर्मार्थ उसका समुचित सदुपयोग भी।

देश, जाति तथा धर्म के उत्थान हेतु आप सतत उद्यमी थे। उस समय जब लोगों ने 'स्वदेशी' की कल्पना भी नहीं की थी, आप अपने गाँव मण्डावा से सूत कतवा कर मँगवाते थे और उसी से निर्मित वस्त्र पहिनते थे और बेचते भी थे।

अपने गाँव से मारवाड़ी भाईयों को कलकत्ता बुलवा कर आप उन्हें किसले एण्ड घोष कम्पनी में काम से लगवाते थे। चितपुर तथा हरीसन रोड के चौराहे पर आपने एक 'भुतहा' मकान खरीद कर अंधविश्वासों के उन्मूलन हेतु अपने साहस का परिचय दिया और उसमें एक 'बासा' (भोजनालय) खुलवा दिया ताकि प्रवासी मारवाड़ी भाई कम खर्च में उत्तम भोजन कर सकें।

आप धर्मप्राण तथा आस्थावान व्यक्ति थे, पर रुढ़ियों तथा कुरीतियों के कट्टर

विरोधी भी। मरणोपरान्त होनेवाले खर्चों को आप अनावश्यक तथा बोझ समझते थे। जन-साधारण की सुविधा के लिए सार्वजनिक संस्थाओं की स्थापना में आप की तीव्र रुचि थी। आपने छात्रावास, धर्मशाला तथा सड़कें बनवाई तथा कुएं खुदवाए।

पौष कृष्णा ३ संवत १६४३ को आप गोलोकवासी हुए। अपनी प्रबुद्ध समाज-सेवा तथा मुक्तहस्त दानशीलता के लिए आप चिर-स्मरणीय रहेंगे। •

स्व. किशनलाल पचीसिया

इस शताब्दी के प्रारम्भ में कलकत्ता मारवाड़ी समाज के अग्रणी प्रभावशाली व्यक्तियों में आप का स्थान था। ओंकारमल सराफ के मन में जब बड़ाबाजार में प्रथम सेवा-चिकित्सा संस्था की स्थापना की तीव्र आकांक्षा जगी, तब वे हरखचन्द मोहता के



साथ आप के पास अपनी योजना ले कर आए। आप ने उन्हें दानवीर जुगलकिशोर बिड़ला से मिलवाया। २ मार्च १६१३ ई० को ११ व्यक्तियों ने मिल कर तब 'मारवाड़ी सहायक समिति' स्थापित की, जिसके आप प्रथम उपाध्यक्ष बने। आपकी प्रेरणा और सहयोग का परिणाम ही आज विराट रुप में बड़ाबाजार क्षेत्र के वृहत्तम अस्पताल 'मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी' के रुप में पल्लवित हुआ है, जिस पर सम्पूर्ण समाज को गर्व है।

अपनी प्रखर सेवा निष्ठा के लिए आप स्तुत्य रहेंगे। •

स्व. रामकृष्ण डालमिया

आप अद्‌भुत जीवट के धनी तथा तीक्ष्ण व्यावसायिक दूरदर्शिता सम्पन्न व्यक्ति थे। तरुणावस्था से ही आप 'फाटका' (फारवार्ड ट्रेडिंग) में लग गए और शीघ्र ही कर्ज में डूब गए। पर हिम्मत न हार आप दृढ़ता से लगे रहे और भाग्योदय होने पर एकाएक लाखों रुपये कमाए। कालांतर में आपने उद्योग-धन्धों के क्षेत्र में प्रवेश किया और बीमा, समाचार-पत्र तथा पत्रिकाएं, चीनी, सीमेण्ट, कागज आदि विविध व्यवसायों में देश के अग्रणी उद्योगपतियों में अपना स्थान बना लिया। अपने सुविख्यात दामाद साहू शांति प्रसाद जैन के साथ आपने 'डालमिया-जैन' उद्योग समूह की नींव डाली, जिसकी गणना शीघ्र ही देश के अग्रणी व्यावसायिक घरानों में होने लगी।

बिहार प्रांत के रोहतास जिले में आपने 'डालमिया नगर' नामक औद्योगिक शहर बसाया। भिवानी जिले में दादरी स्टेशन का नाम बदलवा कर उसे 'डालमिया' स्टेशन करवा दिया। अपने दीर्घ व्यावसायिक जीवन में आपने एक ओर तो अपार सम्पदा अर्जित की तो दूसरी ओर बारम्बार चरम उत्थान और पतन भी झेला।

आप प्रकृति से उदार, सेवाभावी तथा राष्ट्रभक्त व्यक्ति थे। स्वाधीनता संग्राम के दौरान आपने काँग्रेस के कार्यों में सक्रिय भाग लिया। आप सदैव खद्दर का व्यवहार करते थे। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा अग्रवाल महासभा के सभापति निर्वाचित हुए। महानगर की विभिन्न सार्वजनिक, सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं को आप उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देते थे।

अपनी असाधारण व्यावसायिक दूरदर्शिता तथा समाज सेवा की उत्कट भावना से आप का जीवन वर्तमान पीढ़ी के लिए शिक्षाप्रद बन गया है। ●

लक्ष्मीकान्त झिंगन

आप का जन्म १८६० ई० में लुधियाना (पंजाब) में हुआ। रतनलाल झिंगन आपके पिता थे। सम्प्रति कलकत्ते में आप स्वतन्त्र व्यवसाय रत हैं।



छात्रावस्था से ही आप स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने लगे। जालियांवाला बाग में आयोजित ऐतिहासिक लोमहर्षक सभा के कार्यकर्त्ताओं के साथ आप भी वहाँ मौजूद थे। पंजाब-केसरी लाला लाजपत राय का आपके जीवन पर विशेष प्रभाव पड़ा। कलकत्ता आने पर आप यहाँ के वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्त्ताओं, यथा—पुरुषोत्तम राय, डॉ० किशोरी लाल, रामशंकर त्रिपाठी, आदि के निकट सानिध्य में रहे।

आप सनातन धर्म में दृढ़ आस्थावान हैं, किन्तु रुढ़ियों तथा कुरीतियों के कट्टर विरोधी भी हैं। स्थानीय खत्री समाज के प्रथम विधवा विवाह में सम्मिलित होने के कारण आपको जाति-बहिष्कार की धमकी का भी सामना करना पड़ा। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सारस्वत समाज में आपकी बहुत प्रतिष्ठा है। सारस्वत खत्री सांस्कृतिक परिषद के आप प्रमुख संरक्षक हैं।

आप स्वभाव से उदार तथा उद्यमी हैं। अनेक बेरोजगारों को काम तथा दीन-दुखियों को मदद दिलवाने का श्रेय आपको है।

आप वयोवृद्ध तथा सम्मानित समाज सेवी हैं। ●

स्व. मदनलाल हिम्मतसिंहका

आपने उच्च शिक्षा प्राप्त की थी तथा शिक्षा के मर्म को समझते थे। शिक्षा प्रचार में आप की बड़ी दिलचस्पी थी। आप बड़ाबाजार लाइब्रेरी के मंत्री और सभापति दोनों पदों पर रह चुके थे। १९५२ ई० में जब बड़ाबाजार लाइब्रेरी की स्वर्ण जयन्ती मनायी गयी, तब अस्वस्थता के बावजूद आपने उसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। ●

स्व. हरिकृष्ण जालान

आप प्रखर देशभक्त थे। १९४६ ईस्वी में सुहरावर्दी के मुस्लिम लीगी मंत्रिमंडल के इशारे पर जब सम्पूर्ण अविभक्त बंगाल प्रांत साम्प्रदायिक दंगों की आग में जल रहा था,



तब आपने निर्भीकतापूर्वक शान्ति स्थापनार्थ यथाशक्ति कार्य किया। अपने सहयोगियों के

साथ मिल कर आपने 'ह्वाइट शर्ट' नामक स्वयंसेवी संगठन बनाया, जिसके सदस्य सफेद कमीज तथा सफेद पतलून पहिनते थे। ये लोग पश्चिम बंगाल की सीमा पर जा कर इस बात की चौकसी रखते थे कि दंगाई हमलावर इस तरफ न आ पाएं।

सामाजिक क्षेत्र में भी आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के गठनोपरान्त जब सदस्य संख्या में वृद्धि की जटिल समस्या उठ खड़ी हुई, तब आपने आगे बढ़ कर १०० सदस्य बनाने की प्रतिज्ञा की। अपनी प्रतिज्ञा तो आपने पूर्ण की ही, साथ ही आजीवन सोसाइटी के उत्थान हेतु प्रयत्नशील रहे।

राष्ट्र तथा समाज की अपनी स्तुत्य सेवा के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। ●

चाँदरतन मोहता

आप का जन्म साँभर (राजस्थान) में हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. एल. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप सुप्रसिद्ध औद्योगिक समूह 'सूरजमल नागरमल' में काम करने लगे। १९५० ई० में ओरियन्ट ट्रेडिंग कम्पनी के आप प्रबन्ध-निदेशक बने।

आप जातीय उत्थान के लिए विशेष प्रयत्नशील हैं। माहेश्वरी सभा तथा सम्बद्ध संस्थाओं में आप सक्रिय रुप से भाग लेते हैं। असम में आई १९३१ ई० की भयंकर बाढ़ में आप मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के गौहाटी शिविर में स्वयंसेवक बन कर गए। १९३८ ई० में मारवाड़ी छात्र संघ के आप प्रधान मंत्री चुने गए। १९६१ ई० में कलकत्ता में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की रजत जयन्ती समारोह में आपने कार्यालय के संयुक्त-मंत्री का दायित्व सँभाला।

अपनी जन्मस्थली के विकास हेतु आप सदैव सचेष्ट हैं। साँभर पुस्तकालय, आर्य शिक्षा समिति तथा माहेश्वरी नवयुवक संघ के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। १९४६ ई० में साँभर में आयोजित माहेश्वरी सभा सम्मेलन के आप स्वागताध्यक्ष बनाए गए तथा १९५३ ई० में इसी संस्था के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

१९५७ ई० के लोक सभा निर्वाचन में प्रत्याशी सुप्रसिद्ध उद्योगपति गजाधर सोमानी के एजेण्ट के रुप में उनकी विजय हेतु आपने सफलतापूर्वक कार्य कर अपनी राजनैतिक सूझ-बूझ का परिचय दिया।

आप सतत उद्योगी तथा सेवानिष्ठ व्यक्ति हैं। ●

स्व. भगवती प्रसाद भगत

आप का जन्म दिसम्बर १९१८ ई० में कलकत्ता में हुआ। केदारबक्स भगत के आप पुत्र थे। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप चीनी के पैतृक व्यवसाय में संलग्न हो गए।



आप सेवानिष्ठ तथा उद्यमी व्यक्ति थे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के विभागों, यथा —रसायनशाला, सेवा विभाग, उद्योग विभाग आदि के मंत्री के रुप में आपने महत्वपूर्ण सेवा की। १९६०-६१ ई० में उड़ीसा, केरल तथा बिहार की बाढ़ में राहत कार्य के लिए आप संयुक्त संयोजक बनाए गए।

कांग्रेस के आप आस्थावान सदस्य थे। वार्ड नं० २५ की कांग्रेस कमेटी तथा सेण्ट्रल मुहल्ला कमेटी के आप उप-सभापति रहे।

१९६२ ई० के पटना में तथा १९६६ ई० के जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशनों में भोजन व्यवस्था के आप संयुक्त संयोजक थे।

आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा उत्साही व्यक्ति थे। •

स्व. बाबूलाल जालान

आप का जन्म सुप्रतिष्ठित औद्योगिक घराने 'सूरजमल नागरमल' में हुआ। अग्रणी उद्योगपति बंशीधर जालान आपके पिता थे। अपनी प्रखर व्यावसायिक प्रतिभा से आपने पैतृक व्यवसाय को अग्रगति प्रदान की।

आप सरल प्रकृति, उदार दानी तथा देशप्रेमी व्यक्ति थे। १९६२ ई० में चीनी आक्रमण के प्रतिवाद में मुहम्मद अली पार्क में आयोजित महती जनसभा में आपने तत्कालीन राज्यपाल पद्मजा नायडू को 'राष्ट्रीय रक्षा कोष में २ लाख रुपये भेंट कर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया।

आप के ही सहयोग से स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी ने विश्वायतन योगाश्रम की कलकत्ता में शाखा खोली। इसके तत्वावधान में जनसाधारण को मैदान में प्रतिदिन योगाभ्यास कराया जाता था।

अपनी दानशीलता तथा देशप्रेम के लिए आप श्रद्धास्पद रहेंगे। •

स्व. मोहनलाल सोंथलिया

आप का जन्म ३ मार्च १९१५ ई० को पीरपैंती (भागलपुर) में हुआ था। आप कलकत्ता के अग्रणी किराना व्यवसायी थे। आप किराना मर्चेण्ट्स एसोसियेशन के सभापति तथा भारत चेम्बर आफ कामर्स की उपसमिति के सदस्य रह चुके थे।

राजनीति में आपने सक्रिय योगदान किया। आप बड़ाबाजार जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष तथा २२नं० वार्ड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। १९६२ ई० के चीनी आक्रमण तथा १९६५ ई० के पाकिस्तानी हमले के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यों में आपने विशेष रुप से भाग लिया। कलकत्ता नगर निगम की 'बोरो कमेटी' के आप सदस्य थे।

सार्वजनिक सेवा कार्य में आपकी रुचि



थी। १९४३-४४ ई० में बंगाल के अकाल तथा १९४६ ई० में साम्प्रदायिक दंगों से त्रस्त पीड़ितों को राहत पहुँचाने में आप ने विशेष भूमिका निबाही। भारत सेवक दल संस्था के आप अध्यक्ष रहे। गंगासागर मेले के यात्रियों की आप सेवा व्यवस्था करते थे।

जातीय उत्थान में भी आप प्रवृत्त थे। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा कलकत्ता युवक संघ के आप वरिष्ठ सदस्य रहे। आप मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के विभागीय मंत्री तथा कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के दुग्ध मंत्री भी बने।

अपनी गौरवपूर्ण समाज-सेवा के लिए पश्चिम बंग सरकार द्वारा १९७१ ई० में आप 'जस्टिस आफ पीस' (जे. पी.) की उपाधि से सम्मानित हुए। आप का आकस्मिक निधन १ मार्च १९८२ ई० को एक सभा को सम्बोधित करते समय हो गया।

आप जागरुक तथा सेवापरायण व्यक्ति थे। •

सम्पतराम भादानी

आप का जन्म २२ दिसम्बर १६२६ ई० को श्रीडूंगरगढ़ (चुरु) में हुआ। हरखचन्द भादानी आपके पिता थे। कलकत्ता में ही इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप पैतृक व्यवसाय में संलग्न हो गए।



छात्रावस्था से ही आप जातीय तथा सामाजिक उत्थान में रुचि लेने लगे। आप ओसवाल भवन के प्रबन्ध न्यासी, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी प्राथमिक विद्यालय के उपसभापति, ओसवाल नवयुवक समिति के मन्त्री तथा लायन्स क्लब आफ कलकत्ता के कोषाध्यक्ष हैं। समाज सुधार, यथा – पर्दा प्रथा विरोध में आप सक्रिय रहते हैं।

अपनी जन्मभूमि श्रीडूंगरगढ़ में बालमंदिर तथा बालिका विद्यालय की स्थापना में आप की प्रमुख भूमिका रही।

आप उत्साही तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

किशन चन्द बागड़ी

आप का जन्म १६२८ ई० में कलकत्ता में हुआ। १८ वर्ष की तरुणावस्था में ही आप सुप्रसिद्ध उद्योग समूह 'बिड़ला ब्रादर्स' में कार्यरत हो गए। वर्त्तमान में ओरियन्ट पेपर मिल के आप वरिष्ठ अधिकारी हैं।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में आप की तीव्र अभिरुचि है। आप माहेश्वरी क्लब, माहेश्वरी पुस्तकालय तथा माहेश्वरी सभा के सचिव रह चुके हैं। आपके कार्यकाल में ही माहेश्वरी सभा का भवन बना तथा उसकी स्वर्ण जयंती मनाई गई। माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित गोरखनाथ बंसरी मेला की सेवा समिति के भी आप मंत्री बने।

हिन्दी नाटकों के व्यावसायिक मंचन में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सुप्रसिद्ध नाट्य संस्था 'संगीत कला मंदिर' के आप सचिव, उपाध्यक्ष तथा अध्यक्ष रह चुके हैं।

आप प्रबुद्ध तथा सतत उद्यमी व्यक्ति हैं। ●

कान्ता प्रसाद छोटड़िया

आप का जन्म २६ नवम्बर १६२६ ई० को सरदारशहर (चुरु) में हुआ। मालचन्द छोटड़िया आपके पिता थे। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर १६४७ ई० में आप कलकत्ता आ गए। कई वर्षों तक जूट व्यवसाय में संलग्न रह कर कालांतर में उत्तर बंगाल में आपने चाय बगान खरीदा। स्माल स्केल टी इस्टेट एसोसियेशन के आप संस्थापक-अध्यक्ष बने। वर्त्तमान में आप प्लास्टिक उद्योग में संलग्न हैं।



किशोरावस्था से ही आप में समाज सेवा की उत्कट भावना थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सरदारशहर शाखा के आप प्रमुख

रहे। सरदारशहर में ही आप ने 'किशोर पुस्तकालय' की स्थापना की। सरदारशहर की गोशाला के आप कर्मठ मंत्री रह चुके हैं, सम्प्रति इसके ट्रस्टी हैं।

लायंस क्लब के तत्वावधान में नेत्र रोग चिकित्सा तथा अंधेपन को रोकने हेतु आप ने उल्लेखनीय योगदान किया है। सम्प्रति लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के आप 'साइट कन्जर्वेशन तथा वर्क विथ द ब्लाइंड कमेटी' के चेयरमेन हैं। इस विषय पर आपने एक विशद तथा सचित्र पुस्तक 'लेट देयर बी लाइट' प्रकाशित की है जो सर्वत्र ही बहु-प्रशंसित हुई है। मरणोपरांत चक्षु दान हेतु सामाजिक चेतना जाग्रत करने के लिए आप विशेष प्रयत्नशील हैं। अपने अध्यक्षता काल में लायंस क्लब आफ सिलीगुड़ी की ओर से आपने उत्तर बंगाल के दुर्गम क्षेत्रों में अनेक नेत्र शल्य-चिकित्सा शिविर लगवाए। आप लायंस क्लब आफ कलकत्ता (यादवपुर) के अध्यक्ष, तथा लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के एक्सटेंशन चेयरमेन एवं जोन चेयरमेन रह चुके हैं।

भारतीय संस्कृति तथा सनातन धर्म-परम्परा में आप दृढ़ आस्थावान हैं। अपनी स्पष्टवादिता, कर्मठता तथा ध्येय-निष्ठा के लिए आप अनुकरणीय हैं। ●

रमेश चन्द गोयल

आप का जन्म १३ सितम्बर १९४६ ई० को टोंक (कोटा) में हुआ। भगवान सहाय गोयल के आप पुत्र हैं। इण्टरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।

किशोरावस्था से ही सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप की प्रवृत्ति है। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी (सोदपुर शाखा) के आप मन्त्री रह चुके हैं। सम्प्रति आप हनुमान परिषद के ट्रस्टी तथा अग्रवाल सेवा समाज (चिकित्सा विभाग) के सचिव हैं। आप विभिन्न स्थानीय सेवा संगठनों तथा



सार्वजनिक चिकित्सालयों के आजीवन सदस्य हैं। बड़ाबाजार मुहल्ला कमेटी, सिविल डिफेंस, लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (वेस्ट) आदि के आप सक्रिय सदस्य रह चुके हैं। ●

रतीलाल मेहता

आप का जन्म २१ अक्टूबर १९४४ ई० को सौराष्ट्र (गुजरात) में हुआ। जगजीवन दास मेहता के आप पुत्र हैं। बम्बई विश्व-विद्यालय से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप चलचित्र वितरण के व्यवसाय में संलग्न हैं।



सार्वजनिक कार्यों में आप की अभिरुचि है। सोशल वेलफेयर सोसाइटी के आप

सक्रिय सदस्य हैं। यौगिक संघ के आप मंत्री रह चुके हैं। •

जयदेव प्रसाद अग्रवाल

आप का जन्म १ अप्रैल १६४६ ई० में हुआ। बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप व्यवसाय में संलग्न हैं।



आप प्रकृति की नैसर्गिक सुषमा के पुजारी हैं। योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा में आप की दृढ़ निष्ठा है। यौगिक संघ के आप मन्त्री रह चुके हैं, सम्प्रति उपाध्यक्ष हैं। अपने मंत्रित्व-काल में आपने संघ की ओर से उत्तराखण्ड, पुरी, तारकेश्वर, शांति-निकेतन, नवद्वीप आदि सुरम्य तीर्थस्थलों की यात्रा की सराहनीय व्यवस्था की।

अपनी मिलनसारिता तथा कर्मठता से आप अत्यन्त लोकप्रिय हो गए हैं। •

शिवभगवान डालमिया

आप का जन्म ६ फरवरी १६०४ ई० को कलकत्ता में हुआ। गंगाधर डालमिया आप के पिता थे। आप बड़े मेधावी विद्यार्थी थे एवं प्रतिवर्ष प्रथम उत्तीर्ण हो छात्रवृत्ति अर्जित करते थे। आपने मैट्रिक और प्रथमा परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। आप कुशल व्यवसायी हैं। मारवाड़ी ट्रेडस् एसोसियेशन के आप संयुक्त सचिव रहे।

सार्वजनिक कार्यों में आप की अभिरुचि है। आप यौगिक संघ की स्थापना से ही



उससे सम्बद्ध हैं। आप बाबा कालीकमली-वाला पंचायत क्षेत्र ट्रस्ट के संयुक्त सचिव तथा बड़ाबाजार लाइब्रेरी की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। सम्प्रति विश्व हिन्दू परिषद (चौरंगी शाखा) के आप उपाध्यक्ष हैं। समाज सुधार के लिए आप कटिबद्ध हैं। पर्दा प्रथा के विरोध तथा विधवा विवाह के समर्थन में आप कार्य करते रहे हैं।

छात्रावस्था से ही विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में आपकी भाव-प्रवण कविताएं प्रकाशित होती रही हैं। १६२८ ईस्वी में महाकवि 'हरिऔध' की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन में आपको कविता पाठ के लिए अग्रवाल महासभा द्वारा स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। विश्वमित्र तथा लोक-मान्य में आपके लेख प्रकाशित होते रहते हैं।

आप रचनात्मक तथा प्रबुद्ध समाजसेवी हैं। •

स्व. नौरंगराय खेतान

आप का जन्म २७ जुलाई १८५४ ई० को रामगढ़ (राजस्थान) में हुआ। स्वाधीनता सेनानी पूरणमल खेतान के आप पुत्र थे। १२ वर्ष की अवस्था में ही आप सपरिवार पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) आ गए। आपकी कुशाग्र बुद्धि से प्रभावित होकर छोटा नागपुर

मण्डल के आयुक्त डाल्टन साहब ने आपके घरवालों को आप को अंग्रेजी पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कलकत्ता विश्वविद्यालय से १८७२ ई० में आपने सर्वोच्च अंकों के साथ एण्ट्रेंस परीक्षा उत्तीर्ण की। १८७४ ई० में आप ने प्रशासकीय सेवा (जेल विभाग) से जीवन प्रारंभ किया और कालांतर में उन्नति कर १८९२ ई० में बक्सर जेल के जेलर बने।

समाज सेवा में आप का प्रबल अनुराग था। बक्सर में जब भयावह संक्रामक रोग प्लेग फैला, तब आपने पीड़ितों की बहुत सेवा की। आप मारवाड़ी समाज के उत्थान के लिए सतत प्रयत्नशील रहे जिससे मारवाड़ी समाज का तो सुयश विस्तृत हुआ ही, खेतान वंश का नाम भी रोशन हुआ। आपके पुत्र भी बड़े ही प्रतिभाशाली तथा कर्मठ समाज-सेवी हुए। जब आप सेवा-निवृत्त हुए, तब जयपुर नरेश ने आग्रहपूर्वक आप को अपने राज्य का सर्वोच्च अधिकारी नियुक्त किया।

आप का निधन १९२५ ई० में हुआ। मारवाड़ी एसोसियेशन ने एक महती जनसभा कर आपको श्रद्धान्जलि अर्पित की और यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में आप प्रथम मारवाड़ी व्यक्ति थे जिसने अंग्रेजी भाषा का अध्ययन किया। •

स्व. सुन्दर लाल मिश्र (त्रिक्खा)

आप का जन्म आषाढ़ कृष्णा अष्टमी संवत् १९२४ को कलकत्ता में हुआ। प्रख्यात जमींदार हरिशंकर त्रिक्खा के आप पुत्र थे। आपने उच्च शिक्षा प्राप्त की थी और दीर्घकाल तक 'आनरेरी मैजिस्ट्रेट' रहे। मूक-असहाय पशुओं पर निर्मम अत्याचार करनेवालों को आप कठोर दंड देते थे।

स्वाधीनता संग्राम में आप दिलचस्पी लेते थे। लोकमान्य तिलक तथा महामना गोखले की विचारधारा से आप प्रभावित थे। 'कामगाटामारू जहाज काण्ड' में स्वतन्त्रता सेनानियों की आपने बहुत मदद की।



सामाजिक तथा शैक्षणिक कार्यों में आप की अभिरूचि थी। लोकहित के कार्यों में आप अग्रणी रहते थे। सारस्वत खत्री विद्यालय के संस्थापकों में आप एक थे। हनुमान मन्दिर से भी आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे। १९११ ई० में कलकत्ता में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आप की प्रमुख भूमिका रही।

२५ जून १९३८ ई० को आप गोलोक-वासी हुए। आप सत्यनिष्ठ तथा परोपकारी पुरुष थे। •

स्व. श्रीनिवास जैन 'शास्त्री'

जैन दर्शन, व्याकरण तथा संस्कृति के आप गम्भीर व्याख्याता थे। श्री दिगम्बर जैन सम्मेलन तथा श्री बंगाल-बिहार-उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के आप व्यवस्थापक रहे। आप सादगी तथा विद्वता की प्रतिमूर्त्ति थे। •

स्व. दामोदर दास खन्ना (लाला बाबू)

आप का जन्म जून १८८८ ई० में कलकत्ता में हुआ था। छुटकामल खन्ना

आपके पिता थे। यद्यपि आपने प्रवेशिका तक ही शिक्षा प्राप्त की थी, पर स्वाध्याय तथा मनन से आपने संस्कृत, हिन्दी, बंगला और अंग्रेजी भाषाओं पर समान अधिकार



प्राप्त कर लिया। इन सभी भाषाओं में आप धाराप्रवाह वक्तृता देते थे, जिसकी प्रशंसा पं० जवाहर लाल नेहरु, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, डॉ० राधाकृष्णन तथा चक्रवर्त्ती राजगोपालाचारी तक ने की।

बड़ाबाजार की सार्वजनिक संस्थाओं के लिए आप प्रेरणा-स्रोत थे। आप अखिल भारतीय खत्री महासभा के सभापति तथा ट्रस्टी रह चुके थे। सनातन धर्म के उन्नयन के लिए आप दृढ़प्रतिज्ञ थे। आप बाबा काली कमलीवाला पंचायत क्षेत्र के ट्रस्टी तथा अखिल भारतीय वर्णाश्रम संघ के सचिव रह चुके थे।

आप साहित्यानुरागी तथा गुणग्राही थे। आपने आचार्य गोविन्द नारायण मिश्र की प्रस्तर-मूर्ति स्थापित करवाई तथा उनके निबन्धों का संग्रह 'गोविन्द निबन्धावलि' प्रकाशित करवाया। साहित्यिक संस्था हनुमान मन्दिर न्यास के आप संरक्षक थे। अपने कार्यकाल में आपने उसमें स्नातकोत्तर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कक्षाएँ एवं छात्रवृत्ति की व्यवस्था की। साथ ही इसी न्यास से प्रति वर्ष हिन्दी और संस्कृत के श्रेष्ठ साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की अभिनव योजना प्रारम्भ की। आप सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय ट्रस्ट तथा विद्या भवन ट्रस्ट (दिल्ली) के भी संरक्षक रहे।

संगीत तथा नाट्य कला में आप की गहरी अभिरुचि थी। 'आल इंडिया म्यूजिक कॉफ्रेंस' के संस्थापकों में आप भी थे। गायनाचार्य विष्णु दिगम्बर पालुस्कर की प्रेरणा से आप स्वयं भी कुशल गायक बन गए। माहेश्वरी संगीत सभा के आप सभापति रहे। नाट्यकार गिरीश घोष के नाटक में आपने भाग लिया था।

१० मई १९७९ ई० को आप गोलोकवासी हुए। साहित्य, संगीत तथा समाज की अपनी बहुमुखी सेवा के लिए आप सदा स्मरणीय रहेंगे। ●

स्व. डॉ. चम्पालाल गुप्त

आप को यद्यपि विधिवत चिकित्सा-विज्ञान की उपाधि प्राप्त नहीं थी, फिर भी स्वानुभव से आप अपना दवाखाना चलाते थे। अपने व्यावहारिक ज्ञान तथा तीक्ष्ण परख से आप बड़े लोकप्रिय चिकित्सक बन गए।



समाज-सुधार के लिए आप प्रतिबद्ध थे। स्वयं एक विधवा से विवाह कर आप तत्कालीन रूढ़िग्रस्त समाज में प्रगतिशील युवकों के लिए प्रेरणा-स्रोत बन गए।

बड़ाबाजार के कार्यकर्त्ता—

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यों में आप सक्रिय रुप से भाग लेते थे।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु आप प्रयत्नशील थे। बड़ाबाजार लाइब्रेरी के १९५२ ई० में आप सभापति बने। आपकी अध्यक्षता काल में ही इसका स्वर्ण जयन्ती समारोह गौरवपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इस पुस्तकालय की उन्नति हेतु आप आजीवन उद्यमी रहे।

आप दृढ़-प्रतिज्ञ तथा जागरुक समाज-सेवी थे। ●

माणिक चन्द सेठिया

आप का जन्म चैत्र कृष्णा ३ सं० १९६० को सुजानगढ़ (राजस्थान) में हुआ। चौथमल सेठिया आपके पिता थे। तरुणावस्था से ही कलकत्ता महानगर में आप जूट व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। भारत जूट बेलर्स



एसोसियेशन के आप संस्थापक, अध्यक्ष तथा मन्त्री रहे। बंगाल जूट डीलर्स एसोसियेशन की पुनर्स्थापना में तथा बंगाल चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पंच-निर्णय (आर्बीट्रेशन) में विक्रेताओं (सेलर्स) को प्रवेश दिलवाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जैन धर्म, संस्कृति एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार में आप का प्रबल अनुराग है। आप श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष तथा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय के मन्त्री रह चुके हैं। महासभा तथा विद्यालय के संयुक्त भवन निर्माण के आप संयोजक रहे। महासभा का उपासना विभाग भी आप के प्रयास से खोला गया। ओसवाल नवयुवक समिति की व्यायामशाला की स्थापना में तथा कन्या पाठशाला के लिए भवन निर्माण में आपने निष्ठापूर्वक कार्य किया। ओसवाल नवयुवक पत्र के आप व्यवस्थापक रहे। जैन विश्व भारती के आप उपाध्यक्ष बने तथा इसके ग्रन्थागार के लिए भवन निर्माण का शिलान्यास किया।

अपनी जन्मभूमि के विकास में आप सचेष्ट रहते हैं। सुजानगढ़ स्टेशन के समीप आपने बस स्टाप पर प्याऊ सहित विश्रामालय बनवाया है। सुजानगढ़ की सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं को आप हमेशा सहयोग देते हैं। राणावास के शिक्षा केन्द्र में आपने अतिथि भवन बनवाया।

जैन समाज के उत्थान हेतु अपने महत्वपूर्ण योगदान से आप वर्त्तमान पीढ़ी के कार्यकर्त्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं।●

गौरीशंकर डालमिया

आप का जन्म १० जनवरी १९१० ई० को लखीसराय (मुंगेर) में हुआ। द्वारिका



दास डालमिया के आप पुत्र हैं। कलकत्ते में ही शिक्षा-दीक्षा प्राप्त कर आप गल्ले, चावल तथा तेल के व्यवसाय में संलग्न हैं। आप

इंडियन प्रोड्यूस एसोसियेशन तथा इंडियन ह्वीट एसोसियेशन के सचिव तथा इंडियन चेम्बर आफ कामर्स की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। आप बिहार चेम्बर आफ कामर्स तथा बिहार इडस्ट्रीज एसोसियेशन के अध्यक्ष, बिहार स्टेट फाइनेंसियल कारपोरेशन के निदेशक तथा बिहार प्रशासन की विभिन्न औद्योगिक विकास समितियों के सदस्य रह चुके हैं।

स्वाधीनता संग्राम में आपने सक्रिय योग दिया। महेश बथान के नमक सत्याग्रह में आपने भाग लिया। उस समय महात्मा गांधी के आह्वान पर आप शहर छोड़ कर गाँव (बैद्यनाथधाम) चले गए। १९३१ ई०, १९४१ ई० और १९४२ ई० के आन्दोलनों में भाग ले कर आपने बारम्बार कारावास का दण्ड सहन किया। संथाल परगना जिला कांग्रेस कमेटी के आप अध्यक्ष रहे तथा दीर्घ काल तक बिहार प्रान्त के विधायक भी।

सामाजिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते हैं। बड़ाबाजार युवक सभा, मारवाड़ी बालिका विद्यालय, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी एवं कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी की कार्यकारिणी के आप सदस्य रह चुके हैं। बड़ाबाजार लाइब्रेरी के आप मन्त्री तथा कोषाध्यक्ष रहे।

शैक्षणिक तथा साहित्यिक जगत में आपकी अभिरुचि है। आप बिहार हिन्दी विद्यापीठ के मन्त्री तथा भागलपुर विश्व-विद्यालय की सीनेट के सदस्य रह चुके हैं। संथाल भाषा की २३ पुस्तकें देवनागरी लिपि में प्रकाशित करवाने का श्रेय आप को है।

आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी कर्मठ समाज सेवक हैं। •

गणेशमल सराफ

आप का जन्म १६ अक्टूबर १९१२ ई० को कमतौल (दरभंगा) में हुआ। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर १९३२ ई० में आप कलकत्ता आ कर मक्खन तथा घी के पैतृक व्यवसाय में संलग्न हो गए। १९४७ ई० में पश्चिम बंग सरकार ने जब 'बिहार मक्खन व्यवसायी संघ' बनाया, तब आपको उस का सभापति मनोनीत किया गया। पर अत्यधिक मिलावट की दुष्प्रवृत्ति से दुखित हो आपने यह व्यवसाय बन्द कर दिया और मुद्रण व्यवसाय प्रारम्भ किया।



आप का सामाजिक सेवा में प्रवेश १९३२ ई० में बजरंग परिषद के माध्यम से हुआ। कालान्तर में आप इसके पुस्तकालय मन्त्री तथा प्रधान मन्त्री बने। आप वीर अभिमन्यु स्पोटिंग क्लब के मन्त्री, सनातन धर्म सम्मेलन (१९३४ ई०) के सेवा मन्त्री, अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के १९३६ ई० के अधिवेशन में स्वयंसेवकों के नायक तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के कई विभागों के मन्त्री पद पर रह कर महत्वपूर्ण सेवा कार्य कर चुके हैं। आप गंगासागर मेले तथा सोदपुर के गोपाष्टमी मेले पर प्रतिवर्ष सेवाकार्य में संलग्न रहते हैं। १९४६ ई० के साम्प्रदायिक दंगों में शांति स्थापनार्थ आपने भाग लिया। अखिल भारतीय कांग्रेस के पश्चिम बंगाल में अनुष्ठित अधिवेशनों में आपने परिवहन सचिव का दायित्व वहन किया। किरायेदार संघ के आप सचिव रहे। हरिजन कल्याण में भी

ग्राप की रुचि है। १६३६ ई० में जहाज से नदी में गिरी एक महिला की जान बचा कर ग्रापने ग्रपने साहस तथा जीवट का परिचय दिया।

'वीर नारी' नाटक के ग्राप लेखक तथा निर्देशक रह चुके हैं। ग्राप गुणग्राही, निर्भयी तथा धुन के पक्के सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं।●

स्व. रणछोड़दास व्यास

आप का जन्म १६१२ ई० में व्यासों का चौक (बीकानेर) में हुआ। भागीरथ मल व्यास के आप पुत्र थे। कलकत्ते में आप वस्त्र-व्यवसाय में संलग्न थे। टेक्सटाइल मर्चेण्ट्स एसोसियेशन के संस्थापकों में आप थे। भारत चेम्बर ग्राफ कामर्स की वस्त्र समिति के ग्राप सदस्य थे।



स्वाधीनता संग्राम के ग्रान्दोलनों में आपने सक्रिय भाग लिया। स्वदेशी ग्रान्दोलन के दौरान बड़ाबाजार में विदेशी वस्त्र बहिष्कार तथा उनकी होली में ग्रापने विशेष रूप से सहयोग दिया। बीकानेर राज्य प्रजा परिषद के आप कोषाध्यक्ष थे और बीकानेर राज्य के भारत में विलय के पश्चात आप कांग्रेस के सक्रिय सदस्य बन गए।

ग्राप प्रारम्भ से ही पुष्करण ब्राह्मण समाज में संगठनात्मक तथा सुधारवादी कार्य करते रहे। पुष्टिकर सेवा समिति के आप ग्रध्यक्ष रहे। हावड़ा में स्थित पुष्करण ब्राह्मण बगीचे के विकास तथा व्यवस्था हेतु ग्रापने विशेष रूप से काम किया और इसका एक ट्रस्ट बनाने में भी आगे रहे। सत्संग भवन की स्थापना में ग्रापने तन-मन-धन से सहयोग किया। राजस्थान ब्राह्मण संघ, ग्रखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के ग्राप सक्रिय सदस्य थे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा टेक्सटाइल मर्चेण्ट्स एसोसियेशन के माध्यम से आपने बाढ़ तथा ग्रकाल पीड़ितों को राहत पहुँचाने में सक्रिय कार्य किया।

अपनी जन्मस्थली बीकानेर में 'शार्दूल पुष्करण उच्चतर माध्यमिक विद्यालय' की आपने स्थापना की। वहाँ की संस्थाओं— अखिल भारतीय पुष्टिकर युवक परिषद तथा ज्ञानोदय सभा के आप संरक्षक हैं। वहाँ अपने माता-पिता की स्मृति में ग्रापने 'भागीरथमल धन्नादेवी चैरिटेबुल ट्रस्ट' की स्थापना कर उसके लिए एक भवन समर्पित किया।

आप सर्जनात्मक तथा सुधारवादी व्यक्ति थे। ●

उत्तम चन्द कोचर

आप का जन्म २० दिसम्बर १६२१ ई० को बीकानेर (राजस्थान) में हुग्रा। फतेह



चन्द कोचर के आप पुत्र हैं। सम्प्रति कलकत्ता महानगर में आप वस्त्र व्यवसायी हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग-व्यायाम में आप की दृढ़ आस्था है। यौगिक संघ के आप मंत्री रह चुके हैं। योगासनों के समुचित प्रयोग द्वारा अनेक रुग्ण व्यक्तियों को आपने निरोग किया है। अनेक सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से आप सम्बद्ध हैं।

आप सेवाभावी कार्यकर्त्ता हैं। •

स्व. श्यामदेव देवड़ा

आप का जन्म सिरा (जयपुर) में हुआ था। अग्रज रामदेव देवड़ा के साथ आप कलकत्ता आ गए और यहाँ सुप्रसिद्ध औद्योगिक समूह 'सूरजमल नागरमल' में काम करने लगे। कालान्तर में आप इस संस्थान द्वारा संचालित बीमा कम्पनी के मैनेजर बन गए।



प्रख्यात उद्योगपति सूरजमल जालान के निकट सानिध्य में सार्वजनिक सेवा कार्य करने का आप को सुअवसर मिला। उनके द्वारा संचालित पुस्तकालय, राम भण्डार तथा औषधालय की देखभाल आप ही करते थे। कालांतर में मूर्धन्य समाजसेवी मोहनलाल जालान के आप विश्वसनीय परामर्शदाता बन गए और उनके द्वारा संचालित राजस्थान तथा बिहार की विभिन्न संस्थाओं का कार्य देखने लगे।

समाज सुधार आन्दोलनों, विशेष कर पर्दा प्रथा हटाओ में आप अग्रणी रहते थे। आरोग्य भवन राँची के मंत्री रुप में आपने इसकी प्रगति में उल्लेखनीय योगदान किया।

आप दृढ़प्रतिज्ञ तथा उदारचेता समाज-सेवी थे। •

हरिनारायण सादानी

आप का जन्म १५ फरवरी १९२५ ई० को कलकत्ता में हुआ। पन्नालाल सादानी आप के पिता थे। मैट्रिक तक आपने शिक्षा प्राप्त की। वर्त्तमान में आप स्टोर्स सप्लाई व्यवसाय में संलग्न हैं।



बाल्यावस्था से ही आपने स्वाधीनता संघर्ष में योगदान किया। 'नमक सत्याग्रह' तथा 'कालकोठरी हटाओ' आन्दोलन में भाग लेकर आप जेल भी गए। द्वितीय विश्वयुद्ध में कलकत्ते पर हुई बमबारी, १९४६ ई० के साम्प्रदायिक दंगों तथा १९६० ई० के असमिया आन्दोलन के दौरान नागरिक सुरक्षा तथा पीड़ितों को राहत पहुँचाने हेतु आपने सक्रिय कार्य किया। १९५७ ई० में आप कलकत्ता नगर निगम में बड़ाबाजार क्षेत्र से निर्दलीय पार्षद के रूप में निर्वाचित हुए। तब इस अंचल की गंदगी दूर करने तथा हरिजनों के कल्याण हेतु आप विशेष प्रयत्नशील रहे। विभिन्न छात्र आन्दोलनों, किरायेदारों के लिए संघर्ष तथा असामाजिक तत्वों के खिलाफ आवाज उठाने में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बड़ाबाजार की

गुरु-पाठशालाओं की व्यवस्था में सुधार करवा कर आपने वहाँ सामान्य पाठ्य-क्रम लागू करवाया। नगर निगम के विद्यालयों की व्यवस्था सुधारने तथा साधनहीन मेधावी छात्र-छात्राओं को सहायता दिलवाने में आप सचेष्ट रहते हैं।

विभिन्न सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं, यथा—मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, विशुद्धानन्द हास्पिटल, नागरिक स्वास्थ्य संघ आदि। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी एसोसियेशन तथा माहेश्वरी विवाह सुधार समिति में रह कर आपने सामाजिक सुधार आन्दोलनों में सक्रिय भाग लिया।

अपनी पैतृक भूमि राजस्थान के उन्नयन में आप प्रयत्नशील हैं। गजनेर नागरिक परिषद तथा राजस्थान नवयुवक माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के संस्थापकों में आप भी हैं।

आप धर्मपरायण, मृदुभाषी तथा कर्मठ समाजसेवी हैं।

रामगोपाल बागला

आप का जन्म ११ अप्रेल १९४० ई० को कलकत्ता में हुआ। सत्यनारायण बागला के आप पुत्र हैं। सम्प्रति बीमा व्यवसाय में आप संलग्न हैं।

छात्रावस्था से ही आप छात्र-आन्दोलनों में सक्रिय भाग लेने लगे। अपने साथियों के साथ आपने 'निराला' नामक पत्रिका निकाली और कालांतर में एक सेवा-संस्था 'निराला' का गठन भी किया, जिसके माध्यम से सोदपुर के गोपाष्टमी मेले एवं अन्य सार्वजनिक उत्सवों में आप सेवा व्यवस्था सँभालते हैं। काशी विश्वनाथ सेवा समिति के आप जल विभाग के मन्त्री तथा बंगला देश से आए शरणार्थियों की सेवा के संयोजक रहे। इसी संस्था के लिए 'काशी विश्वनाथ' पाक्षिक पत्र का प्रकाशन आप ने प्रारम्भ किया। बाल कल्याण संस्था 'एन. सी. डी. एफ. सी.' के संस्थापकों में आप हैं। बंगीय छात्र परिषद, प्रगतिशील छात्र संघ, कलकत्ता सिटिजन वेलफेयर एसोसियेशन आदि के आप सक्रिय सदस्य हैं।

आप संघर्षशील तथा मृदुभाषी सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं।

नन्दकिशोर जैन

आप का जन्म १९४५ ई० में हुआ। पीरामल सरावगी आपके पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. कॉम. तथा हिन्दी साहित्य सम्मेलन से विशारद की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति लौह व्यवसाय में आप संलग्न हैं।



आप निरभिमानी, दृढ़ संकल्पी तथा कर्मठ युवा कार्यकर्त्ता हैं। प्रकृति से ही आप धर्मनिष्ठ तथा राष्ट्रप्रेमी हैं। आप श्री दिगम्बर जैन युवक समिति तथा श्री दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज के मन्त्री रह चुके हैं। बिना किसी पद की परवाह किए जैन समाज के हर सांस्कृतिक या धार्मिक आयोजन को साफल्य मंडित करने के लिए आप सतत् उद्यमी रहते हैं। श्री जैन सभा, आल इण्डिया दिगम्बर भगवान महावीर २५०० वाँ निर्वाण महोत्सव सोसाइटी तथा श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा समारोह की कार्यकारिणी के आप

कर्त्तव्यनिष्ठ सदस्य रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, विश्व हिन्दू परिषद, बड़ाबाजार लाइब्रेरी तथा बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप निष्ठावान सदस्य हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप तरुणावस्था से ही क्रियाशील सदस्य हैं।

भारतीय जनसंघ की वार्ड नं० ४६ समिति के आप मन्त्री रह चुके हैं। वर्त्तमान में भारतीय जनता पार्टी के आप उत्साही कार्यकर्त्ता हैं। युवा वर्ग को संगठित करने तथा समाज सेवा की ओर उन्मुख करवाने हेतु आप सतत् उद्यमी हैं। आप की कर्त्तव्यनिष्ठा तथा शान्त प्रकृति अनुकरणीय है। ●

शिवकुमार दुधवेवाला

आप का जन्म २५ सितम्बर १९४१ ई० को कलकत्ता में हुआ। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से आप ने बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति आप लौह तथा मशीनरी पार्टस् के व्यवसायी हैं।



सामाजिक कार्यों में आप का अनुराग है। आप कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष तथा हिन्दुस्तान क्लब के सह-सचिव रह चुके हैं। सावित्री पाठशाला के कोचिंग सेक्शन के आप कोषाध्यक्ष हैं। आप सावित्री एजूकेशन ट्रस्ट तथा राय बहादुर हजारीमल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

आप ध्येयनिष्ठ तथा उदारचेता कार्य-कर्त्ता हैं। ●

सतीश चन्द्र व्यास

आप का जन्म १५ फरवरी १९४५ ई० को चुरू (राजस्थान) में हुआ। सागरमल व्यास के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त की। शिक्षक के रूप में आपने जीवन प्रारम्भ किया और वर्त्तमान में स्वतन्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।



आप राष्ट्रवादी तथा कर्त्तव्यपरायण युवक हैं। राजनीति में तरुणावस्था से आप सक्रिय रहे। सम्प्रति प्रो० बलराज मधोक के दल 'भारतीय जनसंघ' के आप सक्रिय सदस्य हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप निष्ठा-वान कार्यकर्त्ता हैं। विभिन्न सामाजिक तथा सार्वजनिक संस्थाओं के आप ध्येयनिष्ठ कर्मठ सदस्य हैं। ●

सांवल राम बंग

आप का जन्म २५ नवम्बर १९५० ई० को नापासर (राजस्थान) में हुआ। शोभाचंद

बंग के आप पुत्र हैं। आप ने बी.कॉम., एल-एल.बी. की उपाधि प्राप्त की है।



आप माहेश्वरी समाज के उत्साही तथा कर्त्तव्यनिष्ठ कार्यकर्त्ता हैं। आप माहेश्वरी व्यायामशाला के उपमंत्री रह चुके हैं। आप माहेश्वरी समाजोत्थान समिति तथा माहेश्वरी वयस्क विद्यालय की कार्यकारिणी के सदस्य हैं।

अपनी जन्मभूमि नापासर के विकास हेतु आप सतत उद्यमी हैं। वहाँ के नवयुवक पुस्तकालय के आधुनिकीकरण में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आप लगनशील तथा सेवाभावी कार्य-कर्त्ता हैं। ●

महावीर प्रसाद बजाज

आप का जन्म मार्गशीर्ष शुक्ल ७ संवत् २००९ को छोटीखाटू (नागौर) में हुआ। शालिगराम बजाज के आप पुत्र हैं। जोधपुर विश्वविद्यालय से आपने विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति कलकत्ता महानगर में आप कार्यरत हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप निष्ठा-वान तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। आपात्-काल में संघर्ष समिति के आह्वान पर आपने सत्याग्रह में भाग ले कर कारावास के दण्ड का वरण किया। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप उपमन्त्री हैं। इस संस्था



द्वारा प्रकाशित विभिन्न स्मारिकाओं के सम्पादन में आपने सक्रिय रूप से योगदान किया है।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन में आपका प्रबल अनुराग है। 'श्री छोटीखाटू नागरिक परिषद' संस्था के आप कोषाध्यक्ष हैं। आप साहित्यानुरागी तथा कर्त्तव्यनिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

राजकुमार जैन

आप का जन्म ५ मई १९४५ ई० को जीजोठ (राजस्थान) में हुआ। गंगाबक्स



जैन के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम., एल-एल.बी. की उपाधि प्राप्त कर आप कर सलाहकार के रूप में उद्योग-रत हैं।

सामाजिक कार्यों में आप की विशेष अभिरुचि है। श्री महावीर पुस्तकालय के आप सह-मन्त्री रह चुके हैं। वर्त्तमान में श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप अर्थ-मन्त्री हैं।

आप परिश्रमी तथा प्रबुद्ध युवक हैं।●

पवन कुमार कीर्त्तनिया

आप का जन्म ५ अप्रैल १९५३ ई० को कलकत्ता में हुआ। जयराम कीर्त्तनिया के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।



१९७० ई० के बांग्ला देश मुक्ति अभियान के दौरान आपने 'सिविल डिफेन्स' में सक्रिय योगदान दिया और १९७२ ई० में राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त पदक से सम्मानित हुए। वेस्ट बंगाल वेलफेयर सोसाइटी, आदर्श युवक मण्डल, नवज्योति आदि संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। सामाजिक संस्थाओं के मुखपत्र 'सेवा संसार' (मासिक) के आप सह-सम्पादक हैं।

आप जागरुक तथा देशप्रेमी युवक हैं।●

पवन कुमार धेलिया

आप का जन्म १५ अक्टूबर १९५५ ई० को फतेहपुर (राजस्थान) में हुआ। बनवारी लाल धेलिया के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर आप पैतृक व्यवसाय 'होजियरी उद्योग' में संलग्न हैं।



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप प्रचारक रह चुके हैं। आपात्काल के दौरान भूमिगत रह कर आपने जन संघर्ष समिति के संचालन में महत्वपूर्ण योग दिया।

विभिन्न साहित्यिक तथा सामाजिक संस्थाओं से आप सम्बद्ध हैं। सम्प्रति आप श्री केशव चन्द्र स्मृति रक्षा समिति के कोषाध्यक्ष, बड़ाबाजार लाइब्रेरी के उपमंत्री तथा बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के सक्रिय सदस्य हैं।

आप निर्भीक तथा कर्त्तव्यनिष्ठ युवक हैं।●

अंजनी कुमार मूंधड़ा

आप का जन्म १६ मार्च १९५६ ई० को जसवन्तगढ़ (नागौर) में हुआ। हुलासचन्द मूंधड़ा के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. कॉम., एल. एल-बी. की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति आप जूट उत्पादों की दलाली में संलग्न हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप निष्ठावान तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। आपात् काल में भूमिगत होकर आपने 'जन संघर्ष समिति' के आन्दोलनों में सक्रिय रुप से भाग लिया। बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय द्वारा 'बालवर्ष' तथा 'समर्थ रामदास' पर प्रकाशित

स्मारिकाओं के सम्पादन में आपने योगदान किया।

आप संघर्षशील तथा उत्साही युवक हैं। ●

मंगतू राम जालान

आप एल्यूमीनियम कण्डक्टर्स के सफल व्यवसायी हैं। भारत चेम्बर आफ कामर्स की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं।

मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के माध्यम से आप निरन्तर सार्वजनिक सेवा में जुट हुए हैं। देश के विभिन्न भागों में जब भी प्राकृतिक विपदाएं आईं, तब आप सोसाइटी के मंच से पीड़ितों को राहत पहुँचाने में तत्पर रहे। सोसाइटी के विभिन्न विभागों के मंत्री पद का दायित्व आपने सफलतापूर्वक वहन किया। हिन्दुस्तान क्लब से भी आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं।

आप सेवाभावी तथा ध्येयनिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

स्व. रामगोपाल सराफ

आप का जन्म चैत्र बदी ३ संवत् १९४४ को फतेहपुर शेखावाटी (राजस्थान) में हुआ। अर्थोपार्जन हेतु आप कलकत्ते में फाटके की दलाली करते थे। १६ वर्ष की



तरुणावस्था में ही आप ने आर्य समाज की विचारधारा स्वीकार कर ली। जातीय उत्थान हेतु सामाजिक अन्धविश्वासों तथा कुरीतियों को विनष्ट करने के लिए आप सतत प्रयत्नशील रहते थे। बड़ी निर्भीकता के साथ तत्कालीन रूढ़िवादी समाज में आप दुष्प्रथाओं की बुराइयों के विरोध में जनमत तैयार करते थे। विधवा विवाह के आप क्रियाशील समर्थक थे। फतेहपुर निवासी नारमल लिल्हा ने जब एक विधवा से विवाह किया, तब उसमें शामिल होने के कारण १२ व्यक्तियों को जाति-बहिष्कृत किया गया जिसमें आप भी थे।

अपनी जन्मभूमि के विकास में आप का पूर्ण अनुराग था। वहाँ की सार्वजनिक संस्थाओं में पूरी लगन से आप अंश ग्रहण करते थे। वहाँ की अपनी जमीन आपने लक्ष्मीनाथ विद्यालय को दान-स्वरूप प्रदत्त की। वहाँ पर मेहतरों की बस्ती में जा कर आप उन्हें पढ़ाया करते थे, जो कि उस समय बड़े जीवट का काम था।

संवत् २०१५ में आप गोलोकवासी हुए। धुन के पक्के तथा जागरुक समाज सेवक के रूप में आप चिरस्मरणीय रहेंगे। ●

स्व. बैजनाथ तापड़िया

आप सरलमना, परोपकारी तथा कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति थे। जरुरतमंदों की मदद करना आप अपना फर्ज समझते थे। बालिकाओं की समुचित शिक्षा-दीक्षा हेतु आप सदैव तत्पर रहते थे। बालिका शिक्षा सदन के आप सभापति थे। अपने कार्यकाल में विद्यालय की उन्नति हेतु आपने प्रशंसनीय योगदान दिया।

सेवाभावी तथा शिक्षाप्रेमी व्यक्ति के रूप में आप याद किए जाएँगे। ●

स्व. गोपीराम धानुका

योगासन तथा व्यायाम के आप बड़े अनुरागी थे। यौगिक संघ की स्थापना काल

से ही आप उससे सक्रिय रूप में सम्बद्ध थे। अपने परिचितों तथा मित्रों को यथासम्भव



प्रेरित कर आप उन्हें योग-व्यायाम आदि सिखलाते थे। आप एक अच्छे तैराक भी थे।

अनेक युवकों को समाज सेवा के लिए आपने प्रेरित कर आगे बढ़ाया। आजन्म आपने सक्रिय सेवा में जीवन व्यतीत किया।●

स्व. केदारनाथ मेहरा

आप ललित कलाओं के प्रेमी तथा सेवाभावी व्यक्ति थे। हिन्दी नाट्य समिति के आप कर्मठ सदस्य थे। उसके द्वारा मंचस्थ नाटकों में आप सदा भाग लेते थे।



मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा पंजाब सेवा समिति के माध्यम से आपने जीवन पर्यन्त समाज की बहुविध सेवा की।

अपने नाट्यानुराग तथा कर्त्तव्यनिष्ठा के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। ●

स्व. रंगलाल जाजोदिया

सुखदेव दास जाजोदिया के आप पुत्र थे। अपने चचेरे भाईयों के साथ आपने जूट प्रेस और काटन मिल बैठाई और जूट बेलिंग का काम भी किया।

आप दृढ़ स्वभावी तथा सुधारक प्रवृत्ति के थे। अग्रवाल महासभा के आप सभापति रह चुके थे। यद्यपि आप को अपनी गौरव-शाली परम्परा पर गर्व था, फिर भी अन्धविश्वासों तथा रूढ़ियों को विनष्ट करने के आप समर्थक थे। तत्कालीन बंगाल प्रांत की विधानसभा में आप मारवाड़ी एसोसियेशन के प्रतिनिधि रहे।

आप दूरदर्शी तथा गम्भीर व्यक्ति थे।●

स्व. शिवरतन बिन्नानी

आप सामाजिक क्षेत्र में कुरीतियों तथा अन्धविश्वासों के उन्मूलन हेतु आजीवन संघर्ष रत रहे। पर्दा प्रथा, अनमेल विवाह एवं मृतक बिरादरी भोज के विरुद्ध विभिन्न आन्दोलनों में आप सदा अग्रणी रहते थे। शारदा एक्ट तथा विधवा विवाह के आप कट्टर समर्थक थे। जब कतिपय व्यक्ति गुप्त रूप से कलकत्ते से बाहर जाकर अपनी अल्पायु सन्तानों के विवाह कर आते थे, तब ज्ञात होने पर आप उन पर मुकदमा दायर करते थे। विवाहों के समय पर्दा प्रथा बहिष्कार हेतु आप वहीं सत्याग्रह पर बैठ जाते थे।

जातीय उत्थान हेतु विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं, यथा–माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी अग्रवाल सभा, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन आदि में आप विशेष रूप से सक्रिय रहते थे।

आप प्रबुद्ध तथा सुधारवादी समाजसेवी के रुप में याद किए जाएँगे। ●

स्व. नर्मदा प्रसाद लाठ

स्वाधीनता संघर्ष में आपने सक्रिय रूप से भाग लिया। महात्मा गांधी के आह्वान पर असहयोग आन्दोलन के दौरान आपने विदेशी वस्त्र विक्रेताओं की दुकानों के सामने धरना दिया।

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में आप का दृढ़ विश्वास था। सामाजिक विकृतियों को दूर करनेवाले सुधारवादी आन्दोलनों में आप भाग लेते थे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी में बिना कोई पद ग्रहण किए ही आप ने बहुत काम किया।

आप कर्त्तव्यपरायण तथा सादगी-पसंद व्यक्ति थे। •

स्व. झाबरमल जालान

आप का जन्म २६ फरवरी १९०५ ई० को सीतामढ़ी (बिहार) में हुआ। किशनलाल जालान के आप पुत्र थे। इण्टरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त कर आप नलकूप उद्योग में संलग्न थे।



आप श्रम के आराधक, मूक दानी तथा पक्के स्वाभिमानी व्यक्ति थे। साहित्य तथा शिक्षा जगत में आप का बहुत अनुराग था। राजस्थानी सूक्तियों तथा मुहावरों का आप को विशद् ज्ञान था। आप का लोक-कथाओं को सुनाने का अपना निराला अन्दाज था। फतेहपुर के 'लक्ष्मीनाथ विद्यालय' के उन्नयन में आप की विशिष्ट भूमिका रही। मेधावी विद्यार्थियों की आप यथा-सम्भव सहायता करते थे।

२८ दिसम्बर १९७२ ई० को आप की इहलीला समाप्त हुई। •

स्व. रामनिवास काजड़िया

आप का जन्म १९१२ ई० में हुआ था। आपने वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी।

शैक्षणिक तथा चिकित्सा जगत में आप की विशेष रुचि थी। मारवाड़ी छात्र संघ के आप उपसभापति रह चुके थे। छात्रों की वक्तृता-शक्ति को वर्द्धित करने हेतु आप प्रति वर्ष वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करते थे। मारवाड़ी सभा पुस्तकालय, कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, विशुद्धानन्द दातव्य औषधालय आदि संस्थाओं के विभिन्न पदों पर रह आपने अपने दायित्व का निर्वाह किया।

आप शिक्षानुरागी तथा सेवाभावी पुरुष थे। •

भागीरथी जालान

आप का जन्म कलकत्ता में हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की उपाधि प्राप्त कर आप अध्यापन में संलग्न हैं। पुरुषोत्तम दास जालान आप के पति हैं।

छात्राओं को वैज्ञानिक जगत की आधुनिकतम उपलब्धियों से परिचित कराना आप की विशेषता है। 'संगीत श्यामला' संस्था के मंच पर आप कई सांस्कृतिक समारोह आयोजित कर चुकी हैं।

आप विदुषी तथा प्रबुद्ध महिला हैं। •

अमरनाथ मिश्र

आप का जन्म २० फरवरी १९२० ई० को कलकत्ता में हुआ। विशेश्वर नाथ मिश्र आप के पिता थे।



शैक्षणिक जगत में आपकी अभिरुचि है। आप हनुमान मन्दिर ट्रस्ट तथा सारस्वत खत्री विद्यालय के संरक्षक हैं। मारवाड़ी बालिका विद्यालय से भी आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। सारस्वत खत्री संस्कृति परिषद के माध्यम से आप सामाजिक उन्नयन में प्रयत्नशील हैं। बड़ाबाजार जिला कांग्रेस कमेटी के आप सक्रिय सदस्य रह चुके हैं।

आप निष्ठावान तथा प्रबुद्ध समाजसेवी के रुप में लोकप्रिय हैं। •

रामनारायण भोजनगरवाला

आप का जन्म भोजनगर (शखावाटी) में हुआ है। अमरचन्द भोजनगरवाला के आप पुत्र हैं। सम्प्रति आप वस्त्र व्यवसायी हैं। टेक्सटाइल मर्चेण्ट्स एसोसियेशन के आप सभापति रह चुके हैं।

सांस्कृतिक तथा शिक्षण जगत में आप का विशेष अनुराग है। आप संगीत कला भवन के ट्रस्टी तथा ज्ञान भारती के उप-सभापति रह चुके हैं। साहित्यिक अनुसन्धान में आप की रुचि है।

विभिन्न सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के आप सक्रिय सदस्य हैं। १९४२ ई० में 'बंगाल के अकाल' के समय मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के मन्त्री के रूप में आपने राहत कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आप मननशील तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। •

बद्री प्रसाद चौधरी

आप का जन्म ५ जून १९२८ ई० को पटना में हुआ। रघुनन्दन प्रसाद चौधरी के आप पुत्र हैं। वर्त्तमान में आप स्वतन्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।



किशोरावस्था से ही आप स्वाधीनता संघर्ष में भाग लेते रहे। स्वातन्त्र्य सेनानी बैजनाथ सिंह को आप अपना राजनैतिक गुरु मानते हैं। वर्त्तमान में आप बड़ाबाजार कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी के सक्रिय सदस्य हैं।

सामाजिक उत्थान में आप की रुचि है। बेंत एवं बांस शिल्प के पिछड़े हुए कारीगरों को ले कर आपने एक सशक्त संगठन का निर्माण किया है। आप मिलनसार तथा परिश्रमी व्यक्ति हैं। •

रवीन्द्र मोहन चोपड़ा

आप का जन्म १४ जनवरी १९३४ ई० को हाफिजाबाद (गुजरांवाला) में हुआ। उद्भट विद्वान डॉ० हीरालाल चोपड़ा के

आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने एम. ए., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त की है। सम्प्रति आप का होज पाईप का अपना कारखाना है।



सार्वजनिक सेवा कार्यों में आपका प्रबल अनुराग है। १९८१-८२ ई० के लिए लायन्स क्लब्स इन्टरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के आप गर्वनर रह चुके हैं। अपंगों के लिए कृत्रिम अंग बनवा कर आप निःशुल्क वितरित करते हैं। आडम्बर हीन, बिना दहेज लिए हुए सामूहिक विवाहों के आयोजन के आप समर्थक हैं।

लेखन में आप की रुचि है। अंग्रेजी भाषा में भारतीय इतिहास पर आधारित आप के लेख देश-विदेश की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

आप प्रतिभाशाली तथा कर्मठ व्यक्ति के रुप में सुप्रतिष्ठित हैं। ●

रामगोपाल सोनी

आप का जन्म १६ सितम्बर १९३७ ई० को श्रीकरणपुर (राजस्थान) में हुआ। गोपीकिशन सोनी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्त्तमान में आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।

आप स्पष्टवादी, मिलनसार एवम् कर्त्तव्यपरायण व्यक्ति हैं। जातीय उत्थान में आप की विशेष रुचि है। माहेश्वरी सभा की हीरक जयन्ती तथा इसकी भवन समिति



की स्वर्ण जयन्ती पर प्रकाशित स्मारिकाओं का आपने सम्पादन किया। पूर्वांचल माहेश्वरी सभा के अधिवेशन के स्वागत उपमन्त्री तथा अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कलकत्ता अधिवेशन के कार्यालय मंत्री के रूप में अपनी क्षमता का आपने परिचय दिया। माहेश्वरी सभा तथा सम्बद्ध संस्थाओं के सचिव अथवा अर्थ-सचिव के रूप में अपने दायित्व का आप सुचारु निर्वाह कर रहे हैं। ●

रूपचन्द व्यास

आप का जन्म ९ नवम्बर १९३९ ई० को बीकानेर (राजस्थान) में हुआ। कर्मठ समाजसेवी रणछोड़ दास व्यास के आप पुत्र



हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक एवं कानून की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता

उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। कामनवेल्थ बैरिस्टर्स एसोसियेशन (लन्दन) से १९७८ ई० में आपको बैरिस्टर की उपाधि मिली। वस्त्र व्यवसाय से भी आप सम्बद्ध हैं। टेक्सटाईल मर्चेण्टस् एसोसियेशन की कार्य-कारिणी के आप सदस्य हैं।

बाल्यकाल से ही ललित कलाओं में आप का अनुराग है। विभिन्न संस्थाओं द्वारा अभिनीत नाट्य-प्रदर्शनों में आपने भाग लिया है। 'साधना संगम' के आप संस्थापक-संरक्षक हैं।

विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। श्री पुष्टिकर सेवा समिति के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।

आप प्रतिभावान तथा कला-प्रेमी व्यक्ति हैं। •

वसन्त कुमार पोद्दार

आप का जन्म २१ जनवरी १९४२ ई० को जसीडीह (बिहार) में हुआ। आप के पिता ताराचन्द पोद्दार हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से कानून की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप आयात-निर्यात व्यवसाय में संलग्न हैं। कलकत्ता चेम्बर आफ कामर्स तथा मर्चेण्टस चेम्बर के आप सक्रिय सदस्य हैं।



सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप की अभिरुचि है। लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (ग्रेटर) के आप अध्यक्ष रह चुके हैं तथा लायन्स क्लिनिक के संचालन में सोत्साह सहयोग करते हैं। सेण्ट जान एम्बुलेंस, रामकृष्ण मिशन आदि संस्थाओं के सेवा कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते हैं।

ललित कलाओं के उन्नयन हेतु आप प्रयत्नशील हैं। विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं, यथा – अनामिका कला संगम, संगीत कला मन्दिर, अदाकार, विविध कला विहार आदि से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं।

आप कलाप्रेमी तथा आधुनिक दृष्टिकोण के व्यक्ति हैं। •

मणिलाल जालान

आप का जन्म २० अगस्त १९४० ई० को भुवनेश्वर में हुआ। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर आप रबड़ एवं तेल उद्योग में संलग्न हैं।

काशी विश्वनाथ सेवा समिति, तारकेश्वर सेवा कार्य समिति एवं कलकत्ता किरायेदार संघ के आप क्रियाशील सदस्य हैं। बाल दिवस, नेताजी जन्मोत्सव, अश्लील फिल्म विरोध, सैनिकों को उपहार देने, आदि विभिन्न आयोजनों में आप अग्रणी रहते हैं। आप वेस्ट बंगाल सोशल सर्विस सेण्टर के संरक्षक, गणेश बाल युवक मण्डल के सभापति तथा सिविल डिफेंस संगठन में वार्डन रह चुके हैं।

सीकर स्थित राणी सती दादी मन्दिर के आप प्रधान सचिव हैं।

आप प्रबुद्ध तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। •

सत्यनारायण बजाज

आप का जन्म ७ अगस्त १९४२ ई० को सुजानगढ़ (राजस्थान) में हुआ। आप के पिता मोहनलाल बजाज थे। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से वाणिज्य में स्नातकीय उपाधि प्राप्त कर आप स्टील फर्नीचर के व्यवसाय में संलग्न हैं। आप वेस्ट बंगाल स्टील

फर्नीचर एसोसियेशन के अध्यक्ष तथा एलायंस फार यंग एण्टरप्रेन्योर्स (ईस्ट जोन) के सचिव हैं।



जातीय उत्थान हेतु आप सतत प्रयत्न-शील हैं। आप पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी की कार्यकारिणी के सदस्य हैं। श्री ढांढण सती सत्संग समिति के आप उपाध्यक्ष हैं।

वर्त्तमान राजनीति में भी आपकी विशेष दिलचस्पी है। बड़ाबाजार कांग्रेस (इ) कमेटी के आप कोषाध्यक्ष हैं।

आप उत्साही तथा व्यवहार कुशल व्यक्ति हैं। •

स्व. खड्ग सिंह नाहर

सुप्रसिद्ध 'नाहर' परिवार के आप मूल पुरुष थे। बीकानेर रियासत से आप ने व्यापार हेतु पहिले आगरा प्रवास किया और फिर बंगाल में दिनाजपुर आ कर बस गए। कालान्तर में अजीमगंज तथा कलकत्ता में आप ने शाखाएँ खोल लीं। १७९७ ई० में आपने कई जमींदारियां खरीद लीं।

जैन धर्म के प्रचार-प्रसार में आप का बड़ा अनुराग था। दिनाजपुर में आपने तीर्थंकर चन्दाप्रभु का एक विशाल मन्दिर तथा संलग्न धर्मशाला बनवाई।

आप के पौत्र पूरणमल नाहर थे जो मारवाड़ी समाज में प्रथम वकील हुए। १८४७ ई० में आपका परलोक गमन हुआ।

आप परोपकारी तथा कर्मठ समाजसेवी थे। •

स्व. रामचन्द्र गोयनका

आप निष्ठावान समाजसेवी तथा मूर्धन्य व्यवसायी थे। तत्कालीन सुप्रसिद्ध फर्मों कटेलबुलन तथा रैली ब्रदर्स में आपने बेनियन का काम किया और अपार धन-सम्पदा अर्जित कर सर्वोपरि हो गए।

सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यों में आप सदा अग्रणी रहते थे। आपने 'हिन्दू विधवा सहायक फण्ड' स्थापित किया और अन्य अनेक लोकोपकारी कार्य किए। धार्मिक तीर्थस्थलों, यथा – रामेश्वरधाम, वैद्यनाथधाम आदि में आपने तीर्थयात्रियों की सुविधार्थ अनेक विशाल धर्मशालाएँ बनवाईं। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय तथा श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी अस्पताल की स्थापना में आपकी प्रमुख भूमिका रही। फलतः मारवाड़ी समाज में उस समय शिवप्रसाद झुनझुनवाला को जहाँ 'चन्द्र' की उपमा दी जाती थी, वहीं आप की गणना 'सूर्य' के रूप में होती थी।

अपनी धर्मवत्सलता तथा लोकोपकारी कार्यों के लिए आप चिर-स्मरणीय रहेंगे। •

स्व. प्रो. रामनारायण सिंह

आप का जन्म गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। हिन्दी साहित्य में एम. ए. की उपाधि प्राप्त कर आप सिटी कालेज में प्राध्यापक बन गए।

हिन्दी प्रचार समिति के आप सक्रिय सदस्य थे। इसके माध्यम से कलकत्ता महा-नगर में आप जीवन पर्यन्त अहिन्दी भाषियों में राष्ट्रभाषा हिन्दी का शिक्षण तथा प्रचार

करते रहे। आपके द्वारा आयोजित समारोहों में देश के मूर्धन्य विद्वानों, यथा–डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन, आदि के द्वारा हिन्दी की परीक्षा में उत्तीर्ण अहिन्दी भाषी छात्रों को उपाधियों से अलंकृत किया गया। तारकेश्वर विद्या भवन तथा अन्यान्य कई शिक्षण संस्थाओं की आप ने स्थापना की।

हिन्दी भाषा के कर्मठ प्रचारक के रूप में आप याद किए जाएँगे। ●

स्व. विशेश्वर नाथ मिश्र

आपका जन्म १८८७ ई० में कलकत्ता में हुआ था। प्रसिद्ध समाजसेवी तथा आनरेरी मैजिस्ट्रेट सुन्दरलाल मिश्र आपके पिता थे।



आप निर्भय तथा आडम्बर हीन व्यक्ति थे। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा देशबन्धु चित्तरंजन दास के सानिध्य में स्वाधीनता संघर्ष में आप ने भाग लिया। तत्कालीन अग्रगण्य स्वाधीनता सेनानी पुरुषोत्तम राय, सीताराम सेकसरिया, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, निर्मल चन्द्र चन्दर आदि सब आप के निवास-स्थान पर सम्मिलित हो कर आन्दोलनों की रूपरेखा तय करते थे।

सामाजिक तथा शैक्षणिक कार्यों में आप विशेष रुप से सक्रिय रहते थे। १९११ ई० में कलकत्ता में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्वागत समिति के आप उपाध्यक्ष थे।

आप का देहावसान १० जून १९२६ ई० को हुआ।

आप निर्भय देशभक्त थे। ●

स्व. माणिक चन्द जैन

बड़ाबाजार अंचल में हिन्दी नाट्य परिषद ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय चेतना जाग्रत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निबाही। आप आरम्भ से ही परिषद के कोषाध्यक्ष थे। सदस्य-संख्या में वृद्धि, धन हेतु चन्दा संग्रहीत करना तथा नाट्य प्रदर्शनों की सुचारु व्यवस्था का गुरुतर दायित्व आप ने सफलतापूर्वक वहन किया। आप बड़े व्यवहार-कुशल पर मूक समाज-सेवी थे। ●

स्व. राजवंशी सिंह

आप का जन्म गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ। बी. ए., बी. टी. की उपाधि प्राप्त कर आप ने माहेश्वरी विद्यालय तथा श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में अध्यापन किया। कालान्तर में आप श्री बालकृष्ण विट्ठलनाथ विद्यालय के प्रधानाचार्य बने।



अंग्रेजी साहित्य का आपने विशद् अध्ययन किया था। निष्णात अध्यापक के रूप में आप सुविख्यात थे। साथ ही बड़ाबाजार अंचल के विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक

तथा सार्वजनिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते थे ।

आप विद्वान तथा सेवानिष्ठ व्यक्ति थे । ●

स्व. रामप्रताप भालोटिया

आप बड़ाबाजार युवक सभा के सक्रिय कार्यकर्त्ता थे । व्यायाम तथा शस्त्र-संचालन में आप बेजोड़ थे । लाठी, भाला और तलवार चलाने में आप माहिर थे । युवक सभा में आनेवाले तरुणों को आप लाठी के दाँव-पेंच सिखलाते थे ।

१९१३ ई० में जब यहाँ साम्प्रदायिक दंगे छिड़ गए, तब आपने बड़ी निर्भयता से आक्रमणकारी मुसलमानों का सामना किया । हिन्दूओं में एकता के लिए आपने बहुत प्रयास किया ।

निर्भीक तथा कर्त्तव्यपरायण व्यक्ति के रूप में आप स्मरणीय रहेंगे । ●

नन्दकिशोर भावसिंहका

रामगढ़ निवासी छगनलाल भावसिंहका के आप पुत्र हैं । १९२८ ई० के लगभग आप ने आटा-चक्की के व्यवसाय में प्रवेश किया और कालांतर में सुख्याति अर्जित कर इस क्षेत्र के अग्रणी व्यवसायी बन गए । आटा-चक्की एसोसियेशन के आप अध्यक्ष रह चुके हैं ।

स्वाधीनता संग्राम के दौरान हिन्दी नाट्य परिषद के मंत्री पद से सामाजिक चेतना को राष्ट्रीय स्वाधीनता प्राप्ति हेतु अभिमुख कराने के लिए आप प्रयत्नशील रहे । मित्र मण्डल से भी आप सम्बद्ध हैं । श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय की कार्यकारिणी में आप अभिभावकों के प्रतिनिधि रह चुके हैं ।

आप नाट्यानुरागी तथा जागरुक व्यक्ति हैं । ●

सीताराम केड़िया

आप का जन्म १९१४ ई० को कलकत्ता में हुआ । जुगलकिशोर केडिया आप के पिता थे । वर्त्तमान में आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं ।



सार्वजनिक चिकित्सा सेवा क्षेत्र में आप का उत्कट अनुराग है । सुदीर्घ काल से मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं । १९६७-'६९ ई० में आप इसके प्रधान मन्त्री रह चुके हैं । सोसाइटी में जब कभी आपसी मतभेद गम्भीर रूप से उभरे, तब आप ने आगे बढ़ कर सेवा कार्य के सुचारु संचालन का दायित्व वहन किया । सम्प्रति इसके मेडिकल विभाग के आप मंत्री हैं । जसीडीह स्थित मारवाड़ी आरोग्य भवन के आप मन्त्री रह चुके हैं ।

साहित्यिक जगत में भी आप की अभिरुचि है । हास्य-व्यंग्य में आप विशेष पटु हैं ।

आप लगनशील तथा सेवाभावी समाज-सेवी हैं । ●

चम्पालाल बागड़ी

महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन के आह्वान पर अपने पैतृक व्यवसाय को तिलाजंलि दे कर आप कलकत्ता छोड़ कर चांदखाली (खुलना, सम्प्रति बांगला देश) चले गए । वहाँ पर ईसाई मिशनरी असहाय

हिन्दुओं को जबर्दस्ती धर्म परिवर्तित करवा कर क्रिश्चियन बना रहे थे। आस्थावान तथा कर्त्तव्यनिष्ठ होने के कारण आप ने स्वजनों पर हो रहे इस घोर अत्याचार के विरोध में पद्मराज जैन रानीवाले तथा हिन्दू महासभा के सहयोग से अदालत में मुकदमा दायर कर दिया। ब्रजवल्लभदास मूंधड़ा तथा जुगलकिशोर बिड़ला ने भी आप का उत्साहवर्द्धन किया और इस बलात् धर्म-परिवर्तन पर कानूनी रोक लग गई।

आजादी मिलने पर देश का बँटवारा हुआ और आप को बाध्य हो कलकत्ता आना पड़ा। जातीय उत्थान हेतु आप सतत उद्यमी हैं। श्रीकृष्ण दास सेवा निधि तथा श्रीकृष्ण विद्यालय ट्रस्ट के आप ट्रस्टी हैं। माहेश्वरी विद्यालय, माहेश्वरी विवाह सुधार समिति, गोरखनाथ बंसरी मेला समिति, वीर अभिमन्यु स्पोर्टिंग क्लब, फ्रेण्डस यूनियन क्लब आदि संस्थाओं के विभिन्न पदों पर रह कर आप ने अपने दायित्व का निर्वाह किया है।

बीकानेर में आयोजित माहेश्वरी सभा के अधिवेशन के आप संयुक्त स्वागत मन्त्री रह चुके हैं।

आप धर्मनिष्ठ व कर्मठ समाजसेवी हैं।●

शीतल प्रसाद जैन

आप का जन्म १९२१ ई० में हुआ। बी. ए. (आनर्स) की परीक्षा उत्तीर्ण कर आपने उद्योग जगत में प्रवेश किया और कालान्तर में दीर्घकाल तक प्रसिद्ध उद्योग समूह 'डालमिया-जैन' में निदेशक रहे। इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स की कार्यकारिणी के आप सदस्य रह चुके हैं।

आप प्रबुद्ध समाजसेवी तथा धर्मपरायण व्यक्ति हैं। कलकत्ता महानगर की प्रायः समस्त जैन संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध रहे। श्री जैन सभा के अध्यक्ष के रूप में जैनों के विभिन्न सम्प्रदायों में एकता स्थापित करने हेतु आपने महत्वपूर्ण योगदान किया। दिल्ली में भी श्री जैन सभा के आप अध्यक्ष रहे। देवेन्द्र कुमार जैन ट्रस्ट तथा प्रमोद जैन ट्रस्ट के आप ट्रस्टी हैं।

विभिन्न सार्वजनिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं से आप सम्बद्ध हैं, यथा—बंगाल रोइंग क्लब, अनामिका कला संगम, आदि।

आप प्रतिभावान तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। ●

शंकरलाल आर्य

आप का जन्म १ जुलाई १९२२ ई० को कलकत्ता में हुआ। वर्त्तमान में अलीपुर टकसाल में आप निरीक्षक हैं।



किशोरावस्था में ही स्वाधीनता संग्राम में 'वानरी सेना' के सदस्य के रूप में आपने योगदान किया। आर्य समाज के प्रचार-प्रसार में आप विशेष रुप से सक्रिय हैं। आर्य समाज (जोड़ासाकूं) के आप संस्थापकों में से एक हैं तथा इसके मंत्री भी रह चुके हैं। १९७८ ई० में नैरोबी (केनिया) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य रूप में आप सम्मिलित हुए।

योगासन तथा प्राकृतिक चिकित्सा में आपकी अभिरुचि है। भारतीय विद्या भवन की कोविद परीक्षा आप ने उत्तीर्ण की। यौगिक संघ ने आप को 'योग-रत्न' की उपाधि

से विभूषित किया। वर्त्तमान में यौगिक संघ में आप योग-शिक्षक हैं। बड़ाबाजार युवक सभा में भी आप योग प्रशिक्षक रह चुके हैं। ●

खेडमल टीबड़ेवाल

आप का जन्म २४ दिसम्बर १९२३ ई० को दुमका (संथाल परगना) में हुआ। सीताराम टीबड़ेवाल आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम., एल. एल. बी. की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकालत करने लगे।



स्वाधीनता संग्राम में तरुणावस्था से ही आप सक्रिय रहे। १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में संथाल परगना छात्र संघ के आप सचिव रहे। कलकत्ता में आप मारवाड़ी छात्र संघ के अध्यक्ष तथा पोद्दार छात्र निवास के सचिव बने।

सार्वजनिक सेवा कार्यों तथा जातीय उत्थान में आप सक्रिय रहते हैं। काशी विश्वनाथ सेवा समिति, मारवाड़ी सम्मेलन, राजस्थान क्लब, कलकत्ता किरायेदार संघ आदि की कार्यकारिणी समितियों के आप सदस्य रह चुके हैं।

आप ध्येयनिष्ठ तथा क्रियाशील सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

शिवभगवान बगड़िया

आप का जन्म फाल्गुन शुक्ला १३ संवत् १९८४ को बगड़ (झुंझनूं) में हुआ है। गंगाधर पटवारी आप के पिता हैं। आप ने बी. कॉम. (प्रीवियस) तक अध्ययन किया। सम्प्रति तेल तथा हार्डवेयर के आप अग्रणी व्यवसायी हैं। ईस्ट इण्डिया आयल मिल्स एसोसियेशन के आप उपाध्यक्ष रह चुके हैं।



आप मृदुभाषी, कर्त्तव्यनिष्ठ तथा राष्ट्र-प्रेमी व्यक्ति हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप वरिष्ठ कार्यकर्त्ता हैं, सम्प्रति रवीन्द्र नगर (बड़ाबाजार क्षेत्र) प्रभात विभाग के कार्यवाह हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के प्रधान मन्त्री के रूप में आपने इस का पुनरुद्धार कर सर्वत्र सराहना अर्जित की है। विश्व हिन्दू परिषद एवम् पूर्वांचल कल्याण आश्रम के माध्यम से आप जातीय उत्थान हेतु सोत्साह योगदान कर रहे हैं। मन्दिरों के जीर्णोद्धार तथा गरीब कन्याओं के विवाह में आप सदा उदार हस्त सहयोग देते हैं। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय तथा बड़ाबाजार लाइब्रेरी के आप निष्ठावान सदस्य हैं। बड़ाबाजार अंचल की विभिन्न सार्वजनिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं।

आप ध्येयनिष्ठ तथा उदारमना समाजसेवी हैं। ●

आनन्दी लाल गोयनका

आपने स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की है। प्राकृतिक चिकित्सा का आप को विशद् अनुभव तथा गहन अध्ययन है। प्रकृति निकेतन ट्रस्ट के आप ट्रस्टी भी रह चुके हैं। इसके द्वारा संचालित भारतीय प्राकृतिक विद्यापीठ में स्थित चिकित्सालय में रोगियों को आप नैसर्गिक उपचार हेतु परामर्श देते रहे।

अपने विशद् ज्ञान तथा कर्मठता से प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में आप सुविख्यात हैं। •

कृष्णा दुलारी सूद

आप का जन्म अप्रैल १९२८ ई० में लुधियाना (पंजाब) में हुआ है। एम. ए., बी.टी. की उपाधि प्राप्त कर आप अध्यापन में संलग्न हैं। १९५८ ई० से ही आप सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय की प्रधान अध्यापिका हैं।



आप विदुषी तथा निष्णात शिक्षिका हैं। विद्यालय को ही आप अपनी कर्म-स्थली मानती हैं। छात्राओं को दृढ़ अनुशासन तथा आधुनिकतम पद्धति से शिक्षण प्रदान करना आप की विशेषता है। सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप सदा यथासम्भव योगदान करती हैं। •

तोलाराम माथुर

आप का जन्म २८ दिसम्बर १९२८ ई० को जोधपुर (राजस्थान) में हुआ। मदनलाल माथुर के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से बी. कॉम., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त कर आप कर सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। आप मर्चेण्टस् चेम्बर आफ कामर्स, भारत चेम्बर आफ कामर्स तथा इंस्टीच्यूट आफ कोस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं।



विभिन्न जनकल्याणकारी संस्थाओं से आप सम्बद्ध हैं, यथा—अखिल भारतीय मारवाड़ी सभा, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, रोटरी क्लब आफ कलकत्ता (नार्थ), जोधपुर एसोसियेशन, नागौर नागरिक परिषद, आदि।

आप मिलनसार तथा प्रतिभावान व्यक्ति हैं। •

धनराज दफ्तरी

आप का जन्म बैसाख बदी ७ संवत १९९० को सरदारशहर (राजस्थान) में हुआ। झूमरलाल दफ्तरी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। विद्याभूषण की परीक्षा भी आपने उत्तीर्ण की। वर्त्तमान में विज्ञान की पुस्तकों के आयात में आप संलग्न है।

बड़ाबाजार के कार्यकर्त्ता—

आप मृदुभाषी तथा सहृदय हैं। सरदारशहर परिषद एवं राजस्थान परिषद के आप



मन्त्री हैं। बंगवासी कालेज, लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (यादवपुर) तथा लेक टाउन वेलफेयर एसोसियेशन की कार्यकारिणी समितियों के आप सदस्य हैं।

अपनी जन्मस्थली सरदारशहर के विकास हेतु आप जागरुक हैं। वहाँ के गंगा गोल्डेन हाईस्कूल, स्टूडेण्ट फेडरेशन तथा लोक सेवा समिति के आप मन्त्री हैं।

राजनैतिक क्षेत्र में भी आप सक्रिय हैं। साम्यवादी दल की बड़ाबाजार शाखा के आप सचिव हैं।

आप कर्मठ तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। ●

आत्माराम तोदी

आप का जन्म १९३४ ई० में बोगरा (बंगला देश) में हुआ है। भूरामल तोदी के आप पुत्र हैं। भारत-विभाजन के पश्चात् आप कलकत्ता आ गए। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. कॉम., एल-एल. बी. की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्त्तमान में आप होजियारी निर्माता के रूप म उद्योग रत हैं।

सामाजिक तथा जातीय संगठनात्मक कार्यों में आप की रुचि है। कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के आप मन्त्री हैं। आप के कार्यकाल में ही इस संस्था द्वारा मारवाड़ी समाज



के स्वाधीनता सेनानियों का अभिनन्दन किया गया। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के भी आप सक्रिय सदस्य हैं।

क्रीड़ा जगत में आप का विशेष अनुराग है। बड़ाबाजार युवक सभा तथा माहेश्वरी व्यायामशाला के आप क्रीड़ा-मन्त्री रह चुके हैं। आप स्वयं एक निपुण जिमनास्ट हैं।

राजनैतिक जीवन में राष्ट्रवाद के आप प्रबल पक्षधर हैं। भारतीय जनता पार्टी के आप कर्मठ सदस्य हैं। तुलापट्टी मोहल्ला कमेटी से भी आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं।

आप क्रीड़ाप्रेमी तथा राष्ट्रवादी कार्यकर्त्ता हैं। ●

गुरुदयाल बरेलिया

आप का जन्म जूही (हरियाणा) में हुआ है। वर्त्तमान में आप रसायन उद्योग के अग्रणी व्यवसायी हैं।

सामाजिक, सांस्कृतिक तथा सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप मुक्त-हस्त सहयोग करते हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, आदि संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। गो सेवा

तथा शिक्षा प्रसार में आप की विशेष रुचि है। अपने पैतृक गाँव जूही में आप ने कई शिक्षा संस्थाएँ स्थापित की हैं, साथ ही कुएँ खुदवा कर एवं पम्पिंग सेट लगवा कर वहाँ का जल-संकट भी दूर किया है।

अपनी सदाशयता तथा सेवा भावना के लिए आप लोकप्रिय हैं। •

मदन गोपाल पोद्दार

आप हिन्दी साहित्य के मनस्वी सेठ कन्हैयालाल पोद्दार के पुत्र हैं। आप कलकत्ता उच्च न्यायालय के सुप्रतिष्ठित एटर्नी हैं।



आजादी के पूर्व १९४६ ई० तक आप बंगाल प्रान्त की राजनीति में बहुत अधिक सक्रिय रहे। कलकत्ता महानगर में होनेवाले प्राय: सभी सार्वजनिक तथा सामाजिक कार्यों में आप सक्रिय रहते हैं। राजस्थानी साहित्य तथा संस्कृति की रक्षा में आप सदैव प्रयत्नशील हैं।

आप उत्साही तथा ध्येयनिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

बालकृष्ण अग्रवाल

आप का जन्म २० जून १९३७ ई० को कलकत्ता में हुआ। पुरुषोत्तम दास अग्रवाल के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने बी. ए., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात् चार्टर्ड एकाउन्टेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप लेखा-निरीक्षक के रूप में कार्यरत है।



सामाजिक कार्यों में आप की विशेष रुचि है। आप लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (पार्क स्ट्रीट) के सचिव रह चुके हैं तथा लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के 'चिल्ड्रेन एक्टिविटी' पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। तिलजला होमियो क्लिनिक तथा यौगिक संघ के आप सचिव रह चुके हैं। वर्त्तमान में आप बाबा मुक्तानन्द ध्यान योगाश्रम की कलकत्ता शाखा का संचालन कर रहे हैं।

आप व्यवहारकुशल तथा प्रेरक कार्य-कर्त्ता हैं। •

द्वारका प्रसाद गनेड़ीवाल

आप का जन्म बेगुसराय (बिहार) में हुआ। मदनगोपाल गनेड़ीवाल के आप पुत्र हैं। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं। सदासुख कटरा ट्रेडर्स एसोसियेशन के आप सचिव रह चुके हैं।

सामाजिक तथा जातीय कल्याण हेतु आप प्रयत्नशील हैं। बाढ़-पीड़ितों के राहत हेतु आप सदैव सचेष्ट रहते हैं। 'परिवार मिलन' संस्था के आप अध्यक्ष हैं। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं के समुचित भविष्य

निर्माण हेतु वाद-विवाद तथा राष्ट्रीय गीत प्रतियोगिताओं, नाट्य-प्रदर्शनों आदि के



आयोजनों में आप प्रमुखता से भाग लेते हैं। भारतीय युवक संघ के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।

आप प्रगतिशील तथा सामाजिक कार्य-कर्त्ता हैं। ●

स्व. हरदयाल

आप मारवाड़ी समाज के अग्रणी व्यवसायी थे। आप का फर्म 'बिशनदयाल हरदयाल' व्यावसायिक क्षेत्र में 'छोटी रैली' कहलाता था। चूंकि आप के सात पुत्र थे, इसलिए यह फर्म 'सात टोपीवाले' के नाम से भी मशहूर था। आपने अपार धन-सम्पदा अर्जित की और साथ ही लोकोपकारी कार्यों में उसका सदुपयोग भी किया।

जातीय उन्नति के लिए सभी कामों में आप आगे रहते थे। असहाय तथा गरीब मारवाड़ी भाईयों को आप जीविकोपार्जन में यथासम्भव मदद प्रदान करते थे। मारवाड़ी जाति की बड़ी पंचायत के आप कर्णधारों में से थे। आप का सदैव यही ध्येय रहता था कि जिस भी काम से मारवाड़ी समाज का नाम रोशन हो वह अवश्य सुचारु रूप से सम्पन्न हो।

आप बड़े संयमी तथा भगवद् आराधक थे। आप की प्रेरणा से ही आप के पुत्र दुर्गा प्रसाद ने सलकिया में भव्य 'सत्यनारायण मन्दिर' बनवाया। साथ ही इस मन्दिर के सुचारु संचालन हेतु उन्होंने एक विशाल सम्पति देवोत्तर समर्पित कर दी।

मारवाड़ी समाज के सुयश विस्तार हेतु आप याद किए जाऐंगे। ●

स्व. दानमल पोद्दार

आप का जन्म सम्वत् १९२५ में रतनगढ़ (राजस्थान) में हुआ। गणेशदास पोद्दार आप के पिता थे। आप प्रमुख वस्त्र व्यवसायी थे।



प्रकृति से ही आप सहृदय तथा लोकोपकारी व्यक्ति थे। पारख कोठी के सामने जब एक मोटिया (कुली) कपड़े की गांठ गिर जाने से सख्त रूप में घायल हो गया, तब आपने शिवरतन बिन्नानी के सहयोग से उसकी समुचित चिकित्सा करवाई। उस समय इस अंचल में चिकित्सकों तथा अस्पतालों का नितान्त अभाव था। कालान्तर में मारवाड़ी सहायक समिति (सम्प्रति मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी) की स्थापना में आप ने तन-मन-धन से सहयोग किया।

चैत्र शुक्ला एकादशी सम्वत् १९९५ को आप गोलोकवासी हुए। अपनी सेवानिष्ठा तथा सहृदयता के लिए आप स्मरणीय रहेंगे।●

स्व. श्रीपत सिंह दूगड़

आप का जन्म १८८१ ई० में जियागंज (मुर्शिदाबाद) में हुआ था। छत्रपत सिंह दूगड़ के आप पुत्र थे। मुर्शिदाबाद के आप प्रसिद्ध जमींदार थे।



आप निष्ठावान श्वेताम्बर जैन धर्मावलम्बी थे। भागलपुर, राजगृह, पावापुरी, जियागंज, वाराणसी, काठगोला आदि विभिन्न स्थानों के प्राचीन जैन मन्दिरों के जीर्णोद्धार हेतु आप ने उदारतापूर्वक सहायता दी। कलकत्ता महानगर के कलाकार स्ट्रीट स्थित जैन भवन में 'पुस्तकालय कक्ष' निर्माण हेतु आप ने दान दिया। अपने जियागंज स्थित निवास-गृह (राजमहल) को आपने 'हाईस्कूल' निर्माणार्थ प्रदत्त किया। वहाँ के 'लॉ कालेज' तथा 'होस्टल' (छात्रावास) के संचालन हेतु भी आप ने मुक्त-हस्त सहयोग दिया।

अपनी दयालुता तथा परोपकार के लिए आप सुविख्यात थे। अपनी गौरवपूर्ण समाज-सेवा के लिए १९६२ ई० में आपका नागरिक अभिनन्दन किया गया था। ●

स्व. शेख मोहम्मद जान

आप का जन्म १८९६ ई० में हुआ था। जीवन-संघर्ष का प्रारम्भ आप ने पैतृक होजयारी उद्योग से किया और कालान्तर में अनेक नये उद्योग स्थापित किये।

आप राष्ट्रवादी मुसलमान थे। देश विभाजन के पूर्व मौलाना आजाद और मोहम्मद अली जिन्ना के मतभेदों को दूर करने की आप ने भरसक कोशिश की। पहिले संयुक्त बंगाल और फिर पश्चिम बंगाल विधान सभा के आप लगातार ४० वर्ष तक मनोनीत सदस्य रहे। प्रेसीडेन्सी अदालत के आप मैजिस्ट्रेट भी बने।

आप कलकत्ता मुस्लिम अनाथालय तथा जमीयत उलेमा-इ-हिन्द के सभापति, एवं अंजुमन-नेडा-इ-इस्लाम के ट्रस्टी रहे। 'मोहम्मद जान हायर सेकण्डरी स्कूल' की आपने स्थापना कर शिक्षा-प्रसार में महत्वपूर्ण योग दिया। 'दारुल-इशात-ए-इस्लामिया' संस्थान स्थापित कर आपने धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन किया। कालान्तर में आप ने दो प्रसिद्ध उर्दू दैनिक समाचार पत्र—'असरेजदीद' और 'इमरोज' भी प्रकाशित किए।

१९८० ई० में आप का देहान्त हुआ। अपनी सेवा भावना तथा राष्ट्रभक्ति के लिए आप प्रेरणास्पद रहेंगे। ●

स्व. लक्ष्मीनारायण खेमानी

आप का जन्म १८८८ ई० में राजस्थान में हुआ था। अर्थोपार्जन हेतु आप कलकत्ता महानगर में फाटके की दलाली करते थे।



आप आर्य समाज के दृढ़ श्रद्धालु भक्त थे। जातीय उत्थान हेतु सामाजिक कुरीतियों

और पाखंडमयी दुष्प्रथाओं के विरोध में आप निरन्तर संघर्षरत रहे। आप बाल विवाह के विरोधी तथा विधवा विवाह के समर्थक थे। नारमल लिल्हा द्वारा एक विधवा से विवाह करने पर तत्कालीन रूढ़िवादी समाज ने उनके समर्थक जिन १२ व्यक्तियों को बहिष्कृत किया था, उनमें आप भी एक थे।

आप का निधन १९७९ ई० में हुआ। आप जागरुक तथा निर्भीक पुरुष थे। •

स्व. बाबूलाल सराफ

आप का जन्म १९०३ ई० में हुआ था। कलकत्ता से ही मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हो गए। भारत चेम्बर आफ कामर्स, यार्न मर्चेण्टस एसोसियेशन तथा मारवाड़ी एसोसियेशन से आप सम्बद्ध रहे।



आप निर्भीक, स्पष्टवक्ता तथा धुन के पक्के थे। शिक्षण क्षेत्र में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के आप अर्थ मंत्री रहे। १९५५ ई० में मंगतूराम जयपुरिया के सहयोग से आपने छात्रों के लिए पोशाक (यूनिफार्म) अनिवार्य कर दी। आप सनातन धर्म पंचायत विद्यालय के शिक्षा मन्त्री तथा सावित्री पाठशाला के उप-सभापति भी रहे।

धार्मिक कार्यों में आप उत्साहपूर्वक भाग लेते थे। आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी; बाबा काली कमलीवाला पंचायत क्षेत्र तथा धर्म सांड सहायता समिति के उप-सभापति रह चुके थे। आप विशुद्धानन्द मारवाड़ी अस्पताल के उप-सभापति तथा विशुद्धानन्द दातव्य औषधालय के प्रधान मन्त्री पद पर भी रहे। मण्डावा पिंजरापोल सोसाइटी के प्रधान मन्त्री पद का दायित्व भार आपने वहन किया।

बागवानी का भी आप को बड़ा शौक था। विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के परिसर में लगे फूल तथा पेड़ आपके प्रकृति-प्रेम की यादगार हैं।

आप आस्थावान शिक्षानुरागी तथा अनुशासनप्रिय व्यक्ति थे। •

मदनलाल अग्रवाल

आप का जन्म ३० जून १९१६ ई० को रीसोड़ (अकोला) में हुआ। चुनीलाल अग्रवाल के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से आप ने एम. ए., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति आप स्वतन्त्र व्यवसाय में रत हैं।



१९४२ ई० में महात्मा गांधी के आह्वान पर आपने अंग्रेजी में 'डू आर डाई' और हिन्दी में 'करो या मरो' पत्रक प्रकाशित कर आन्दोलन को तीव्रता प्रदान करने में योगदान किया।

शिक्षा प्रसार तथा ललित कलाओं में

आपका विशेष अनुराग है। आप बड़ाबाजार लाइब्रेरी तथा संगीत ज्योत्स्ना के सचिव रह चुके हैं। पोद्दार छात्र निवास तथा ताराचन्द -जकरिया स्ट्रीट मोहल्ला समिति की कार्य-कारिणी के आप सदस्य रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के भी आप सदस्य हैं।

आप कलाप्रेमी तथा शिक्षानुरागी व्यक्ति हैं। •

वैद्य ज्ञाननिधि अग्रवाल

आप का जन्म श्रीमाधोपुर (सीकर) में हुआ। व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य तथा आयुर्वेदाचार्य की उपाधियाँ प्राप्त कर आप चिकित्सक के रूप में कलकत्ता महानगर में गत ४० वर्षों से कार्यरत हैं। प्रारम्भ में



आप दीर्घकाल गोविन्द भवन से सम्बद्ध रहे, फिर कालान्तर में स्वतन्त्र रूप से औषधालय स्थापित कर लिया। आल इंडिया आयुर्वेदिक कांग्रेस की केन्द्रीय समिति में आप पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आप बहु-भाषाविद् हैं। धार्मिक तथा जातीय उत्थान में आप की अभिरुचि है। श्रीकृष्ण लीला तथा श्रीमद् भागवत पारायण सप्ताह यज्ञ का आप आयोजन करते रहते हैं। व्रज गो सेवा मार्केट तथा श्रीमाधोपुर विकास परिषद के आप अध्यक्ष हैं।

आप विद्वान तथा मिलनसार सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

बजरंगलाल जाजू

आप का जन्म १९२४ ई० में नोहर (राजस्थान) में हुआ है। सुखलाल जाजू के आप पुत्र हैं तथा अपने चाचा कन्हैयालाल जाजू की गोद गए हैं। पिलानी से बी. ए. की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता आ गए और यहाँ १९४९ ई० में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रेक्टिस करने लगे। उस समय माहेश्वरी समाज में इस परीक्षा को पास करनेवाले आप दूसरे व्यक्ति थे.। पूर्वांचल में विभिन्न स्थानों पर आप ने कई फ्लावर मिलें तथा एक चावल मिल भी स्थापित की है।



धर्म में आप पूर्ण आस्थावान हैं। तीर्थ-यात्रा में आप का विशेष अनुराग है। जातीय उत्थान में आप सदा सक्रिय योगदान करते हैं। आप नागरिक स्वास्थ्य संघ के अध्यक्ष, माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष तथा मारवाड़ी छात्र संघ के महामन्त्री रह चुके हैं। सम्प्रति अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के आप प्रधान मन्त्री तथा श्रीकृष्ण दास जाजू ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन में भी आप की अभिरुचि है। नोहर वेलफेयर ट्रस्ट के आप मैनेजिंग ट्रस्टी रह चुके हैं। वहाँ पर बिहानी वाटर वर्क्स तथा पेड़ीवाल गर्ल्स